



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



[सं० 47] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 22, 1980 (अग्रहायण 1, 1902)

[No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 22, 1980 (AGRAHAYANA 1, 1902)

भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

दिल्ली-110011, दिनांक 25 अक्टूबर 1980

ए० 32013/3/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा की समसंक्षिक अधिसूचना दिनांक 22-2-1980 और 7-1980 के अनुक्रम में के० स० से० के (संघ लोक आयोग के संवर्ग में) स्थायी प्रेष-१ अधिकारी श्रे० एम० भागवत की राष्ट्रपति द्वारा 24-8-1980 से 23-11-1980 तक तन मास की अतिरिक्त अवधि के लिए आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/2/80-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० 38013/3/80-प्रशा०-I (i) दिनांक 30-9-1980 में आंशिक मंशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के प्रेष-१ अधिकारी श्री डी० पी० राय को, राष्ट्रपति द्वारा 2-7-1980 से

आगामी आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० ए० 32013/2/80-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 32013/3/80-प्रशा०-I दिनांक 30-9-1980 के अनुक्रम में आंशिक आशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित अधिकारियों को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के मामले निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले ही, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रेष-१ में तदर्थ आधार पर अवर सचिव के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

| क्रम अधिकारी का नाम | अवधि | |
|---------------------|------|-----|
| सं० | | |
| (1) | (2) | (3) |

- श्री पी० सा० माशुर 25-7-1980 से 31-10-1980 तक
- श्री टी० एम० कोकल 1-8-1980 से 31-10-1980 तक

(1) (2) (3)

3. श्री एस० श्रीनिवासन 2-8-1980 से 28-10-1980 तक
4. श्री प्र० श्रीनिवासन 1-8-1980 से 25-9-1980 तक

प्रत्यावर्तित होने पर उक्त पद का कार्यभार उसे तारीख से
छोड़ दिया।

मुरेन्द्र नाथ,

महानिरीक्षक, केंद्रीय सुरक्षा बल

Div. No. 110011
Acc. No. 12061981
Date 12 Oct 1981
Bill No.
Proceeding
Date of Trial

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19021/9/80-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने
प्रसाद से श्री डॉ सी० मिन्हा, भारतीय पुलिस सेवा (बी०
एच०—एम० पी० एम०) को दिनांक 13-10-1980 के
प्राप्ताह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में
प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधिकारी के रूप में नियुक्त करते
हैं।

की० ला० ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं० एफ० 2/1/79/स्थापना—राष्ट्रपति ने डाक्टर एच०
कुमारास्वामी, जनरल डिप्टी अफिसर ग्रेड-II, केन्द्रीय रिजर्व
पुलिस बल का त्यागपत्र दिनांक 23-11-1978 के पूर्वाह्न से
स्वाकार कर लिया है।

ए० के० सूरी,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय अधिकारीका सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

सं० ई० 29020/24/79-सा० प्रशा०-I—राष्ट्रपति, श्री
एन० एल० गुप्ता को 29-11-1979 से केंद्रीय सुरक्षा बल
में मूल रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं० ई० 38013(2)/1/80-कार्मिक—एफ० ए० सी०
टो० (उद्योग मण्डल) से स्थानातरित होने पर श्री० एम० के०
राणू ने श्री य० सी० रामानुजन के स्थान पर 1 अक्टूबर,
1980 के पूर्वाह्न से केंद्रीय सुरक्षा बल यूनिट कोचिन
पोर्ट ट्रस्ट कोचिन के कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल
लिया और श्री रामानुजन ने तमिलनाडु राज्य पुलिस को

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 अक्टूबर 1980

सं० 11/59/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, आनंद प्रेषण
सरकार के अधिकारी श्री एम० पी० रंगा रेड्डी को आनंद
प्रेषण, हैदराबाद में, जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 26
सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, प्रति-
नियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, सहायक निदेशक जनगणना
कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रेड्डी का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

सं० 10/17/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में,
भारत के महापंजीकार के कार्यालय में कार्यरत निम्नलिखित
अन्वेषकों को उसी कार्यालय में तारीख 8 अक्टूबर, 1980
के पूर्वाह्न से 30 सितम्बर, 1981 तक या जब तक पद
नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो,
पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर,
स्थानान्तरण द्वारा अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष
नियुक्त करते हैं:—

1. श्री बी० एस० वर्मा।

2. श्री एम० बी० राव।

संवृत्ति वर्मा और राव का मुख्यालय नई दिल्ली में
होगा।

सं० 11/15/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, कण्टिक सिविल
सेवा के अधिकारी श्री एस० बी० कट्टू को कण्टिक सिविल
में, जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 अक्टूबर, 1980
के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण
द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष
करते हैं।

श्री कट्टू का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

सं० 11/36/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल
सेवा के अधिकारी श्री बी० जी० रेले को उत्तर प्रदेश
लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 3 अक्टूबर,
1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर
स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर
सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रेले का मुख्यालय भेरठ में होगा।

सं० 11/37/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, राज्यों में जन-
गणना कार्य निदेशालयों में उनके नाम के समक्ष दर्शित राज्यों
में अन्वेषकों के पद पर कार्यरत निम्नलिखित व्यक्तियों को

उसी कार्यालय में और उनके समक्ष दर्शित तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अरथाई और तदर्थ आधार पर पदोन्नति द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं—

| क्र० अधिकारी का नाम कार्यालय जिसमें कार्य नियुक्ति की सं० कर रहे हैं | तारीख | | |
|--|-------------------------|-----|-----|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1. श्री निर्मल भट्टाचार्जी जनगणना कार्य निदेशालय असम | 29-8-80 (पूर्वाह्नि) | | |
| 2. श्री जै० सी० दत्ता जनगणना कार्य निदेशालय नागालैण्ड | 29-9-80 (पूर्वाह्नि) | | |
| 3. श्री जी० सी० मिश्र जनगणना कार्य निदेशालय बिहार | 29-9-80 (पूर्वाह्नि) | | |
| 4. श्री के० के० शर्मा जनगणना कार्य निदेशालय अन्ध्र प्रदेश | 26-9-80 (पूर्वाह्नि) | | |

उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियाँ सम्बन्धित अधिकारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पदों पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उसी ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बनाए रख किया जा सकता है।

3. सर्वथी भट्टाचार्जी, दत्ता, मिश्र और शर्मा का मुख्यालय क्रमशः गोहाटी, कोहिमा, पटना और हैदराबाद में होगा।

सं० 11/37/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री एच० एस० भीना को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 29 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्नि से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अरथाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री भीना का मुख्यालय पटना में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री भीना को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति

को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बनाए रख किया जा सकता है।

पी० पदमनाथ,
भारत के महापंजीकार

विस मन्त्रालय

आधिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 30 अक्टूबर 1980

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—लेखा नियंत्रण कार्यालय, वित्त मन्त्रालय के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री एस० सी० गुप्ता को दिनांक 14-10-1980 (पूर्वाह्नि) से एक साल तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है।

मु० व० चार,
उप महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश
ग्वालियर, दिनांक 22 अक्टूबर 1980

सं० प्रशासन-1/326—श्री जी० सुश्रामन्यन, कल्याण अधिकारी द्वारा सेवा निवृत्ति हेतु दी गई सूचना दिनांक 11-9-1980 को महालेखाकार प्रथम म० प्र० ने स्वीकार कर लिया है तथा सी० सी० एस० (पैशन) नियम 1972 के नियम 48 के अधीन उन्हें दिनांक 1-1-1981 पूर्वाह्नि से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दी है।

(प्राधिकार—महालेखाकार-प्रथम के आदेश दिनांक 10-10-1980)।

सं० स्थापना-1/327—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने निम्ननिवित्त स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर, उनके आगे दर्शये कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से पदोन्नति किया है—

सर्वथ्री :—

1. के० सी० शर्मा (02/266) 10-10-1980
पूर्वाह्नि।

2. वृ० के० अग्निहोत्री (02/268) 8-10-1980
अपराह्नि।

सं० प्रशासन-1/328—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश श्री डी० टी० हिन्दोरानी (02/267) अनुभाग अधिकारी की स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रूपये 840-40-1000 द० -40-1200 में दिनांक 8-10-1980 अपराह्नि से अर्थात् वह दिनांक जिससे उनके कनिष्ठ श्री वृ० के० अग्निहोत्री (02/268) अनुभाग अधिकारी इस कार्यालय में, लेखा अधिकारी के पद पर पदोन्नत हुये, प्रोफ.मा० पदोन्नति सहर्ष स्वीकार करते हैं।

दिनांक 23 अक्टूबर 1980

सं० प्रशासन-1/331—श्री एस० रामास्वामी, स्थाई लेखा अधिकारी जो, भारत सरकार के पुतवास विभाग में वित्त व सेखा अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर है, को अधिकारिकी की आयु हो जाने पर दिनांक 31-10-1980 अपराह्न से शासकीय सेवा से निवृत होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

धूमधारण साहू,
वरिष्ठ उप महालेखाकर/(प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान

मेरठ-1, दिनांक 30 अक्टूबर 1980

सं० प्रशा०/1/1112-टर्म—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसार में मैं इस अधिसूचना के द्वारा कु० जे० उमा, अस्थायी लेखा परीक्षक, लेखा संख्या 8312955 जो रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ के कार्यालय में कार्यरत है, को नोटिस देता हूँ कि उनकी सेवायें इस नोटिस प्रकाशन तिथि या इसकी प्राप्ति की तिथि के एक माह बाद की तिथि से समाप्त समझी जाएंगी।

बी० एन० रल्लन,
रक्षा लेखा नियंत्रक,
मध्य कमान, मेरठ

वाणिज्य मंत्रालय
संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
बम्बई-400020, दिनांक 28 जून 1980

आदेश

सं० अतिरिक्त/05/023294/ए० एम०-81/एल०/इपी० नीति—सर्वश्री मल्टीवेल्ड वायर कं० प्रा० लि० बम्बई को 12 मई 1980 को 26,74,000/- स्पष्टे का एक अतिरिक्त लाइसेंस सं० पी०/डब्ल्यू०/2927023 जारी किया गया था।

इसके पश्चात लाइसेंसधारी को ए० डी० ल०/लाइसेंस/05/023294/ए० एम० 81/ई० पी०-पोल/473 दिनांक 4-6-1980 यह पूछते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 15 दिनों के भीतर यह बताएं कि उनके नाम में जारी किया गया उपर्युक्त लाइसेंस अद्यतन यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की तरा 9 उपधारा (क) की शर्तों के अनुसार इस आधार पर इ० क्यों न कर दिया जाए कि लाइसेंस अनजाने में या गलती जारी कर दिया गया था।

कारण बताओ नोटिस के प्रत्युतर में सर्वश्री मल्टीवेल्ड कं० प्रा० लि० बम्बई ने 13-6-1980 को व्यक्तिगत

सुनवाई की मांग की जो मंजूर कर ली गई। व्यक्तिगत सुनवाई के समय या कारण बताओ नोटिस के जवाब में कम्पनी ने लाइसेंस के निरस्तीकरण के विशद कीर्द्ध कारण प्रस्तुत नहीं किया था।

अधोहस्ताक्षरी इस निर्णय पर पहुँचा है कि उपर उल्लिखित लाइसेंस सं० पी०/डब्ल्यू०/2927023/दिनांक 12-5-1980 अनजाने से या गलती से जारी किया गया था।

प्रगामी पैराग्राफ में जो कहा गया है उसे ध्यान में रखते हुए, अधोहस्ताक्षरी इस बात से संतुष्ट है कि कथित लाइसेंस को रद्द कर दिया जाना चाहिए और इसलिए अधोहस्ताक्षरी, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एस्ट्रद्वारा सर्वश्री मल्टीवेल्ड वायर कं० प्रा० लि० बम्बई को जारी किया गया उपर उल्लिखित लाइसेंस रद्द करते हैं।

जी० शार० नायर
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

बम्बई-400020, दिनांक 30 जून 1980

आदेश

सं० 12 बी०/जे० डब्ल्यू० एम०/संम० नि० आ० नि०/बम्बई/पॉल/ए० एम० 80/ई० पी०-पोल/—पंजीयन नियर्त नीति के अधीन सर्वश्री पोलीडोर आफ इण्डिया लि० अशोक नगर, कान्डीवली (ईस्ट) बम्बई-400067 को निम्नलिखित लाइसेंस प्रदान किए गए थे :—

| क्रम लाइसेंस सं० एवं सं० दिनांक | मूल्य रुपयों में | मद्दें |
|--|------------------|---|
| 1. पी०/एल०/2831122 4,25,223/- दिनांक 1-8-1978 | रुपये | कच्चा माल, संघटक उपभोज्य भण्डार, पिपराजाइन यू० एस० पी० टेट्रा-साइक्लिन हाइड्रो-क्लोरोएड आदि। |
| 2. पी०/एल०/282479 5,61,506 दिनांक 9-8-1978 | रुपये | कच्चा माल, संघटक उपभोज्य भण्डार, एमिडो-पायरीन डोक्सी-साइक्लिन हाइड्रो-क्लोरोएड मेट्रो-नीडाजोल, पिपराजाइन, यू० एस० पी० टेट्रा-साइक्लोरोएड आदि। |

लाइसेंसधारी ने ऊपर संदर्भित दोनों लाइसेंस क्रमशः सर्वश्री मेहता फार्मस्ट्रॉटिकल उद्योग बम्बई और सन्तोष फार्मस्ट्रॉटिकल बम्बई को मार्च 1979 में हस्तांतरित कर दिये थे और इस कार्यालय ने टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोरोराइड आयात करने के लिए पृष्ठांकित किए थे।

इसके पश्चात् एक नोटिस सं. 1580/022190/ए० एम०/78/आर० ई० पी०-३/1584 दिनांक 4-6-1980 सर्वश्री पोलीडोर इंडिया लि० बम्बई को और उसकी प्रतियोग सर्वश्री मेहता फार्मस्ट्रॉटिकल इण्डस्ट्रीज बम्बई और सर्वश्री सन्तोष फार्मस्ट्रॉटिकल बम्बई ईस्ट को यह पूछते हुए जारी किया गया था कि 15 दिनों के भीतर यह बताएं।

पोलीडोर इंडिया लि० बम्बई के नाम में जारी विवाद यह था कि अद्यतन यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 7 की शर्तों के अनुसार इस आधार पर संशोधित क्यों न किया जाए कि उपर्युक्त दोनों लाइसेंस जो टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोरोराइड के आयात के लिए पृष्ठांकित किए गए थे इस कार्यालय द्वारा अनजाने या गलती से जारी कर दिए गए थे क्योंकि लाइसेंसधारी या हस्तांतरी उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस में धारा 3 में बताए गए कारणों से मद टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोरोराइड के आयात के लिए पात्र नहीं थे।

उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के प्रत्युत्तर में सर्वश्री पोलीडोर आफ इंडिया लि० बम्बई के दो प्रतिनिधि व्यवितरण सुनवाई के लिए 13-6-1980 को 4 बजे सायं आये थे। प्रस्तावित संशोधनों के प्रति प्रतिनिधियों के पास कोई स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए नहीं था। सर्वश्री मेहता फार्मस्ट्रॉटिकल इण्डस्ट्रीज बम्बई या सर्वश्री सन्तोष फार्मस्ट्रॉटिकल बम्बई का कोई भी प्रतिनिधि व्यवितरण सुनवाई के लिए नहीं आया। लाइसेंसधारी और हस्तांतरी ने उन्हें जारी किए गए कारण बताओ नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया है। अधोहस्ताक्षरी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोरोराइड के आयात की अनुमति देते हुए उपर्युक्त दो लाइसेंस अनजाने से या गलती से पृष्ठांकित किए गए थे क्योंकि यह मद दोनों हस्तांतरियों के लिए निम्न कारणों की वजह से अनुमेय नहीं थी:—

1. लाइसेंस में निहित नियात उत्पाद टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोरोराइड के सूक्ष्मीकरण पर आधारित नहीं था। देखिये आयात-नीति 1977-78 (वा-2) के भाग “ख” का अनुबंध-2 (2) मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात, नई दिल्ली से यथा अपेक्षित पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी देखिये आयात-नीति 1978-79 के अध्याय 11 का पेरा 73।

जी कुछ पिछली कंडिकाओं में कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी इस बात से संतुष्ट है कि विषयाधीन दो लाइसेंस प्रारम्भ से संशोधित किये जाने चाहिए और इसलिए, नियात (नियंत्रण) आदेश, 1977 दिनांक 7-12-1955 की धारा 7 में प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एतद् द्वारा सर्वश्री पोलीडोर आफ इंडिया लि० को जारी किए गए और बाद में हस्तांतरित किए गए उपर्युक्त दो

लाइसेंसों में से टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोरोराइड मद निकालने के लिए संशोधित करते हैं जोकि इस कार्यालय द्वारा अनजाने में या गलती से पृष्ठांकित किया गया था।

जी० आर० नाथर
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात

वस्त्र विभाग

१। कार्यालय

२। अक्टूबर 1980

प्रार०/३/८०—सूती वस्त्र (नियंत्रण)
आदेश, १५ : . के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं.० सी० ई० आर०/३/६९ दिनांक 19 सितम्बर 1969 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—..

उक्त अधिसूचना में :—

पेराग्राफ चार के खंड (5) के नीचे की टिप्पणी में “प्रतिशत रूप में होगी” इन शब्दों के बाद तथा “यदि आर्टिस्लिक का उपयोग” इन शब्दों के पहले निम्नलिखित अतःस्थापित किया जाएगा।

“तन्तु के प्रतिशत की ऐसी मोहर संमिश्र वस्त्र में तन्तु के अंग के उत्तरते अंग के अनुमार लगाई जाएगी जैसा कि उपर्युक्त उदाहरण में बताया गया है।”

एम० मदुरै नायगम,
अपर वस्त्र आयुक्त

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1980

सं. ए० 32013/8/80-प्रशा०-II (ए०)—राष्ट्रपति, श्री बी० बी० दत्ता, तकनीकी अधीक्षक को 6 अक्टूबर, 1980 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, भूवनेश्वर में सहायक निदेशक ग्रेड-I (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 अक्टूबर 1980

सं. ए० 12025(1)/3/80-प्रशा०-II (ए०)—राष्ट्रपति, श्री सेनगोडा कन्डासामी राजावेलु को 26 जून 1980 के के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, विजयवाडा में सहायक निदेशक ग्रेड-I (डिजायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए० 32013/8/80-प्रशा०-II (ए०)—राष्ट्रपति, श्री बी० एन० राजाराव, तकनीकी अधीक्षक को 6 अक्टूबर, 1980 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र,

बंगलौर में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32013/8/80-प्रशा० II (ए०)—राष्ट्रपति, श्री जे० एन० दास, तकनीकी अधीक्षक को 6 अक्टूबर, 1980 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, कलकत्ता में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० शंकर,
संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय
ग्रौषांगिक विकास विभाग
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19018/358/78-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के श्री शिव दयाल, अधीक्षक को दिनांक 12 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से 28 जून, 1980 तक उसी संस्थान में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-2 सामान्य प्रशासन प्रभाग, के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं० 12/719/70-प्रशा० (राजपत्रि)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), श्री एन० एस० नागराजा राव, सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (विद्युत) को केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, 1972 के नियम 48-क के अनुसार, दिनांक 25 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से स्वैच्छिक आधार पर सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

दिनांक 30 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19018/71/73-प्रशा० (राज०)—केरल शासन में महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, कालीकट के रूप में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तित होने पर श्री एस० मोहनचन्द्रन ने दिनांक 1 अक्टूबर, 1980 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (आधिकारिक अन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) पद का कार्यभार संभाल लिया।

महेन्द्र पाल गुप्त,
उपनिदेशक (प्रशा०)

इस्पात और खान मंत्रालय
खान विभाग
भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19012(84)/77-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री बी० बी० शुक्ला,

हिन्दी अधिकारी (तदर्थ आधार) को दिनांक 12-9-1980 के अपराह्न से भारतीय खान व्यूरो में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से हिन्दी अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है।

दिनांक 30 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19011(163)/75-स्था० ए० खण्ड II—मंत्रालय के अपने पत्र संख्या ए० 44018/62/80, दिनांक 30-6-1980 द्वारा स्वीकृती प्रदान करने के कारण दिनांक 30-6-80 (पूर्वाह्न) को स्वेच्छा सेवा निवृत्ति होने पर डा० एस० सी० पांडे, स्थायी रसायनविज्ञ तथा स्थानापन्न वरिष्ठ रसायनविज्ञ के पद का हक दिनांक 30-6-1980 के अपराह्न से समाप्त किया जाता है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया जाता है।

एस० वी० अली,
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं० 4-173/80/स्था०—निदेशक, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, श्री पी० के० मित्रा, सिने तकनीकज्ञ को कैमरामैन के पद पर स्थानापन्न रूप में 15 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं० 4(53)80-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री टी० के० रावल को रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में 30-8-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(59)80/एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी० बी० सुश्मानियम को आकाशवाणी, कोयम्बतूर में 3-9-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19018/7/80-के० सं० स्वा० यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० अविनाश चन्द्र गुप्ता को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 6-8-1980 पूर्वाह्नि से अस्थाई आधार पर आयुर्वेदिक फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 25 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19018/13/80-के० सं० स्वा० यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० बाल कृष्ण श्रीवास्तवा को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 18-8-1980 पूर्वाह्नि से अस्थाई आधार पर फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19018/15/80-के० सं० स्वा० यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० सुरेश प्रसाद पाठ्जे को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 6-8-1980 पूर्वाह्नि से अस्थाई आधार पर फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 28 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19018/3/80-के० सं० स्वा० यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० प्रयाम कृष्ण पाठ्जक को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 4-8-1980 पूर्वाह्नि से अस्थाई आधार पर फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19018/12/80-के० सं० स्वा० यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० रामा कान्ति विक्सीत को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 30-7-1980 पूर्वाह्नि से अस्थाई आधार पर फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19018/16/80-के० सं० स्वा० यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० पुष्कर देव को केन्द्रीय

क्रमांक नाम तथा पदनाम

स्थानापन्थ रूप में नियुक्ति

सरकार स्वास्थ्य योजना में 7-8-1980 पूर्वाह्नि से अस्थाई आधार पर फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष,
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

सं० ए० 33-4/72-प्रशासन-१—स्वास्थ्य और परिवार कल्याण का क्षेत्रीय कार्यालय, शिलांग में राज्य समन्वयक (स्टेजकोऑर्डिनेटर) नेत्र विज्ञान के पद पर व्यय हो जाने के कालस्वरूप श्री यशपाल श्रोतराय ने 30 सितम्बर, 1980 अपराह्न से ग्राम स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नेजफगढ़ से स्वास्थ्य प्रिक्षा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 38013/4/79-(एच० क्य०) प्रशा०-१—निवंशन आगु के हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली के अनुभाग अधिकारी, श्री सुखदेव राज 31 जनवरी, 1980 अपराह्न को सरकारी सेवा से निष्कृत हो गये।

दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं० ए० 12025/22/79 (सी० आर० आई०) प्रशासन-१—राष्ट्रपति ने श्री सी० एन० मिश्रा को 27 मई, 1980 पूर्वाह्नि से अग्रामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसीली में सहायक निदेशक (गैर चिकित्सीय) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उपनिदेशक प्रशासन
(संगठन एवं पद्धति)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 17 अक्टूबर 1980

सं० 5/1/80-स्था० 11/5157—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तहर्य रूप से उनके नाम के सामने अंकित सम्यावधि के लिए स्थानापन्थ प्रशासन अधिकारी II/सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं :—

| | सम्यावधि | |
|---|-----------------------|------------------------|
| | से | तक |
| 1. श्री आर० एन० वर्मा, सहायक कार्मिक अधिकारी | प्रशासन अधिकारी II | 1-5-1980 (पूर्वाह्नि) |
| 2. श्री जे० ए० लासेने, सहायक | सहायक कार्मिक अधिकारी | 1-5-1980 (पूर्वाह्नि) |
| 3. श्री एल० बी० गवडे, सहायक | सहायक कार्मिक अधिकारी | 14-7-1980 (पूर्वाह्नि) |
| 4. —वही— | —वही— | 27-8-1980 (पूर्वाह्नि) |
| 5. श्री एस०आर० पिंगे, स०ग्रे०लि० | सहायक कार्मिक अधिकारी | 3-9-1980 (पूर्वाह्नि) |

कु० एच० बी० विजयकर,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग
बम्बई-5, दिनांक 25 सिसम्बर 1980

सं० विप्राहप्र/3(283)/76-प्रशासन 13787—निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और इस प्रभाग के स्थानापन्न लेखाकार श्री पी० वासु को अगस्त 27, 1980 के पूर्वाह्न से सिसम्बर 26, 1980 के अपरात्मक तक की अवधि के लिए उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री व्ही० के० आर० नायर के स्थान पर की जा रही है, जो छट्टी पर चले गए हैं।

ब० वि० थल्ते,
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय इंधन समिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 26 अक्टूबर 1980

सं० ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0117/6786—नाभिकीय इंधन समिश्र के मुख्य कार्यपालक, सहायक लेखा अधिकारी श्री वी० वेंकटेश्वर राव को लेखा अधिकारी-II के पद पर वर्तमान रिक्त स्थान पर अगले आदेशों तक के लिए, दिनांक 24 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से नाभिकीय इंधन समिश्र में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

य० वासुदेवा राव,
प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

सं० ए० 35018/9/80 ई० I—राष्ट्रपति ने श्री प० एस० मजूमदार, क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एप्रोफेट, बम्बई की सेवाएँ 6 जून, 1980 से 28-2-1981 तक, (श्री मजूमदार के सेवा निवर्तन की तारीख तक), निनिदाद और टोकागो में स्थित दूर संचार प्रणिक्षण केन्द्र में रेडियो संचार (वैमानिक और दिव्यालन) प्रणिक्षण विशेषज्ञ के रूप में विशेष सेवा शार्ती पर नियुक्ति के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संगठन को सौंप दी है।

सी० के० वत्स,
सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं० ए० 32014/2/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली के श्री एच० एल० मन्सुखानी, संचार सहायक को 24-7-1980 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के पद पर

नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

आर० एन० धास,
सहायक निदेशक, (प्रशासन)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० 1/100/80-स्था०—मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी, श्री एन० जी० राजन निवर्तन की आयु के हो ज्ञाने पर, 30 सिसम्बर, 1980 के अपरात्मक से सेवा नियुक्त हो गए।

दिनांक 30 अक्टूबर 1980

सं० 1/342/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के श्री ए० आर० श्रीनीवासन पर्यवेक्षक को तदर्थ आधार पर 31-3-1980 से 26-4-1980 तक को अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं० 1/124/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा तई दिल्ली शाखा के श्री आसा सिंग, पर्यवेक्षक को तदर्थ आधार पर अलंकालीन खाली जगह पर 14-7-1980 से 2-8-1980 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप-परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/255/80-स्था०—बम्बई शाखा के उप परियात अवधि की श्री रमेश पिंटो निवर्तन की आयु के हो जाने पर 31 जुलाई, 1980 के अपरात्मक से सेवा नियुक्त हो गए।

एच० एल० मलहौता,
उप निदेशक (प्रशा०)
हुते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं० 1/163/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री अर्णी देव का नियमित रूप से 30-8-1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक नई दिल्ली शाखा में ग्राम्यांशी तौर पर सहायक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/236/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी श्री व्ही० स्वामीताथन को तदर्थ आधार पर 1-10-1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक मुख्य कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० के० जी० नायर,
निदेशक (प्रशासन)
हुते महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं० ३२०१४/१/८०-प्रश्ना० पांच—ग्रधक, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियर) के ग्रेड में पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थं आधार पर ₹० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-व० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के बेतमान में ६ महीने की अवधि के लिए अधिकारियों के नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं :—

| | | |
|------|----------------|---|
| क्रम | अधिकारी का नाम | अधिकारिक सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर का कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख |
| सं० | तथा पदनाम | |

सर्वश्रेष्ठों:

| | | |
|--------------------------------------|---------------------|------------------------|
| १. अशय सिन्हा, अधिकारी का नाम | प्रधान सहायक निदेशक | १५-९-१९८० (पूर्वाह्न) |
| २. एम० रमेश उर्द्दीन, अधिकारी का नाम | प्रधान सहायक | १८-९-१९८० (पूर्वाह्न) |
| ३. जय राम, पर्यवेक्षक | पर्यवेक्षक | १३-१०-१९८० (पूर्वाह्न) |
| ४. एन० आर० सी० दास पर्यवेक्षक | पर्यवेक्षक | २१-१०-१९८० (पूर्वाह्न) |
| ५. आर० एन० राय, पर्यवेक्षक | पर्यवेक्षक | १४-१०-१९८० (पूर्वाह्न) |
| ६. एन० जो० बलेचारा, पर्यवेक्षक | पर्यवेक्षक | २०-९-१९८० (पूर्वाह्न) |
| ७. आर० सौ० दास पर्यवेक्षक | पर्यवेक्षक | २५-१०-१९८० (पूर्वाह्न) |
| ८. आर० एस० सिंह, पर्यवेक्षक | पर्यवेक्षक | १५-१०-१९८० (पूर्वाह्न) |
| ९. ईश्वर व्याल, पर्यवेक्षक | पर्यवेक्षक | १४-१०-१९८० (पूर्वाह्न) |

के० एन० भंडुला,
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय,

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं० २३—श्री राजकुमार मिश्रा सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमाण्डेन्ट (ट्रेनी) का रेल सेवा से त्याग पत्र दिनांक २४-९-१९८० ए० एन० से स्वीकार किया गया है।

एस० के० गण्डोवा,
महा प्रबन्धक

विधि, न्याय संदर्भ कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी: अधिनियम, 1956 और जोराविड्नूर चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० १६६७/५६०/८०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० को उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जोराविड्नूर चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुप्रा ब्रोडेजर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० १७३५/५६०/८०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० को उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जोराविड्नूर चिट फन्ड्स एंड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मिनर्वा चिट फन्ड्स एंड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० १७८६/५६०/८०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० को उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मिनर्वा चिट फन्ड्स एंड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रुबी रायल रबर्स लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० २७९१/५६०/८०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० को उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रुबी रायल रबर्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी० एन० जगन्नाथ,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० बानमोर इंज.नियरिंग इन्डस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 29 अक्टूबर, 1980

सं० 1383/आर०/4553—कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 को उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मै० बानमोर इंज.नियरिंग इन्डस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है तथा कथित कम्पनी समाप्त हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मै० श्री बालाजी सप्लाई एण्ड मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं० 1218/आर० 4554—कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 को उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मै० श्री बालाजी सप्लाई एण्ड मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है तथा कथित कम्पनी समाप्त हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 24 अक्टूबर 1980

निवेश सं० ए० ५ /सोलापुर/मई ८०/४८४—ग्रतः मुझे,
ए० सी० चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० नं० 2 एफ० पी० नं० पैकी 11 B/1, प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 22 बी०/11 पैकी 5, 6, 7, 8, 9, 10 है तथा जो बुधवार पेठ सोलापुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घम निर्बंधक सोलापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. श्री गुरुपा भी० देशमुख 21 बी०/1, बुधवार पेठ, सोलापुर।

(अन्तरक)

2. श्री गणेश सहकारी गृह निर्माण संस्था लिं० चेयरमैन बी० पी० कोनापुरे 198/1, बुधवार पेठ, सोलापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रब्लेम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रब्लेम में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो टी० पी० नं० 2, एफ० पी० नं० 2, 11 बी०/1 पैकी प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 और 22 बी०/11 पैकी 5, 6, 7, 8, 9, 10 बुधवार पेठ सोलापुर में स्थित है।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1304 जो 21-5-80 को दुर्घम निर्बंधक सोलापुर के दफ्तर में लिखा है।

ए० सी० चन्द्रा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 4-10-1980

मोहर :

प्राप्ति आई० ही० एस० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 24 अक्टूबर 1980

निवेश सं० ए० 5/एस० आर० भिवंडी/मई 80/485—यतः
मुझे, ए० सी० घन्ना,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-प
के अंतर्गत सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 9142 और 9151 एम०
एच० नं० 225 हैं तथा जो आगरा रोड़ भिवंडी जि० ठाने
में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय
दुर्यम निवासक भिवंडी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रतरक (अन्तरकों)
और प्रत्यक्षरकी (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अनुसरण के लिए
तथा गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अनुसरण से हुई किसी आदा की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अनुसरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आदा या किसी बज या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-प की उपचारा (1)
के अधीनन्नलिखित अवधियों, अवधि:—

1. मैंसर्स मिटान टेक्सटाइल्स 50, हमालवाड़ा, भिवंडी
जि० ठाने।

(अन्तरक)

2. श्री घनश्यामदास बी० ललवानी, श्री गिरधारीलाल
बी० ललवानी श्री हरीण डी० ललवानी 801,
15 रोड़, खार, बांग्ला-400052।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बाध में कोई भी व्यापक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्रशारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन और उसके ऊपर की बिल्डिंग जो सी०
एस० नं० 9142 और 9151, एम० एच० नं० 225 आगरा
रोड़, भिवंडी जि० ठाने में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 630, जो 15-5-80
को दुर्यम निवासक सोलापुर के दफ्तर में लिखा है)।

ए० सी० घन्ना,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना।

दिनांक : 24-10-1980

मोहर:

प्रकाश प्राईटी एस० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० ए० 5/एस० आर० नासिक/फरवरी 80/89—यतः
मुझे, ए० सौ० चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 874/2/2/1, 874/2/2/2 और
874/2/2/3 है तथा जो बांम्बे आगरा रोड़, नासिक
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दुष्यम निबंधक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 फरवरी, 1980 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि व्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया भया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया जवा है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या क्षम-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-व (1) के
में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व (1) की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रो आर० पी० दिक्षित) } 60, पंडित कालोनी
(2) श्री एस० पी० दिक्षित } शरनपुर रोड़, नासिक-2
(3) श्री डी० पी० दिक्षित }
(अन्तरक)

2. श्री राज महकारी हाऊर्सिंग सोसायटी लि० चेयरमैन
श्री अनंत विठ्ठल वानी 4262, कालाराम मंदिर,
पंचवटी नासिक-3
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण] :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जो सं० नं० 874/2/2/1 क्षेत्र 3900
स्के० मी० सं० नं० 874/2/2/2 क्षेत्र 4400 स्के० मी०
और सं० नं० 874/2/2/3 क्षेत्र 3900 स्के० मी० बांम्बे
आगरा रोड़, नासिक में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 498 जो 28-2-1980
को दुष्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

ए० सौ० चन्द्रा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक: 30-10-1980

मोहर :

प्रलेप धाई० टी० एन० एस० --

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अक्टूबर 1980

निर्देश ए० 5/एस० ग्रार० नासिक ग्रप्रैल 80/488—यतः
मुझे, ए० सी० चन्द्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,
और जिसकी संख्या 119ए०/4 बी० है तथा जो नासिक सिटी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घम
निवंधक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 3 अप्रैल, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
फन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से नवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मार्तीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुत्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के उच्चारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, घर्षतः—

1. श्री धोडिराम नत्यू बनकर हिन्दू अविभक्त कुटुम्बकर्ता
बनकर मला, नासिक-पूना रोड, नासिक ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनुग्राधा ढी० डिहगी चीफ प्रमोटर बनश्च्री
सहकारी हाऊसिंग सोसायटी (नियोजित) लैम्ब रोड,
देवलाली कैम्प, नासिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिप्राप्त
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 119ए०/4 बी०, सिटी नासिक,
त० और जि० नासिक में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 862 जो 3-4-1980
को दुर्घम निवंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है) ।

ए० सी० चन्द्रा,
स कम प्राधिकारी
सहायक भायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक : 30-10-1980

मोहर :

प्र० अ० आ० टी. ए० ए०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 30 मई 1980

निदेश सं० III 411/अर्जन/80-81—अतः मुझे,
ज्योतीन्द्र नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आना नं० 11, तौजी नं० 5587 खाता
नं० 221, 193 इत्यादि है, तथा जो खाजेपुरा, पटना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 21-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
फलहर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमीकरने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी] किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बेंगम जरीना जौजे मो० मोहसीन रजा
हाउस कायम साकीन-खाजेपुरा आना राजवंशी नगर, जिला
पटना। (अन्तरक)

2. श्री मानिक चन्द जैन पिता स्व० अमीर चन्द जैन
साकिन महाजन टोली नं० 1 पद्मालय—आरा जिला
भोजपुर (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्तात्कारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

संहारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिपालित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 8 कट्टा मौजा खाजेपुरा पटना में
स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 890 दिनांक
21-2-80 में वर्णित है और जिसका निबंधन जिला निबंधन
प्राधिकारी पटना द्वारा संपन्न है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 30-5-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

26८-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 अगस्त, 1980

निदेश सं० 424/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26८-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० तौजी नम्बर 143, वार्ड नम्बर 2, सक्किल नम्बर 6, म्यूनिसिपल सर्वे प्लाट नम्बर 84, 85 होल्डिंग नम्बर 134, 146, 175 पी० है तथा जो फेजर रोड, बांकीपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-80

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरा से दुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के ग्रन्थीन कर देने के पन्तरक के दायित्व में छापी करना या उसमें बदलने में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 26८-घ के अनुसरमें, उक्त प्रधिनियम की धारा 26८-घ की उचाईरा (1) के अधीन, निम्नलिखित अप्रितियों, अर्थात् :—

1. श्री अजय कुमार सिंह बल्द श्री तपेश्वर सिंह निवासी प्राम नवादा थाना नवादा डिस्ट्री भोजपुर। (अन्तरक)

(2) श्री मिथलेश कुमार सिंह बल्द स्व० राम रत्न सिंह वैहेसियत मैनेजिंग डायरेक्टर होटल चाणक्य प्राइवेट लिमिटेड, बुद्ध बिल्डिंग, बुद्ध मार्ग, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मर्दंध में कोई भी घासेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अप्रितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अप्रितियों में से किसी अप्रिति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अप्रिति द्वारा, अवोहस्ताकारी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इमें प्रयुक्त शब्दों और पदों भा, ऐ चक्के प्रधिनियम के धार्याय 20 के परिवारिस हैं, वही अर्थ होगा जो उसके प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

दिनांक: 8-8-1980
मोहर:

प्रकल्प धाई० ढी० एन० एव०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, विहार

पटना, दिनांक 8 अगस्त, 1980

निदेश सं० III 425/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नम्बर 143 सक्रिय नम्बर 6, वार्ड नम्बर 2, ज्वाट नम्बर 84, 85 होल्डिंग नम्बर 134, 146, 175 बी० इत्यादि है, तथा जो बांकीपुर फेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से दूरी किसी आय को बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा (1) के अधिन, निम्नलिखित अधितियों, अर्जन:—

3-336GI/80

1. श्रीमती इन्दू देवी पुत्री स्व० भरथ नारायण सिंह साकिन करमन टोला थाना के पक्षालय नवादा जिला भोजपुर (अन्तरक)

2. श्री मिथ्येश कुमार सिंह आत्मज स्व० राम रत्न सिंह बहैसियत मैनेरिंग डायरेक्टर होटल चाणक्या प्रा० लिमिटेड रजिस्टर्ड ऑफिस बुद्ध बिल्डिंग, बुद्ध मार्ग, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय गुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के प्रबन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तस्सम्बन्धी अविक्षितों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अथवा अविक्षित द्वारा, अधोइस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभ्रान्ति हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज, विहार
7 अगस्त 1980

तारीख: 8-8-1980

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 8 अगस्त 1980

निदेश सं० III 426/अर्जन/80-81—अतः मुझे,
ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० तौजी नम्बर 143 वार्ड नम्बर 2 संकिल
नं० 6 एम० एस० प्लाट नम्बर 84, 85 हॉलिंग नम्बर
134, 146, 175 वी० है, तथा जो बांकीपुर, फेजर रोड,
पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 20-2-1980

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तरों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती माधुरी सिंह पति का नाम श्री मिथ्येश
कुमार सिंह ग्राम गोटपा धाना विक्रम गंज जिला रोहतास।
(अन्तरक)

2. श्री मिथ्येश कुमार सिंह वल्द स्व० राम रत्न सिंह
बहैसियत मैनेजिंग डायरेक्टर होटल व्यापक्य प्राइवेट लिमिटेड
रजिस्टर्ड आफिस बुद्ध बिल्डिंग, बुद्ध मार्ग, पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्का 10 धूर जो बांकीपुर फेजर रोड
पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 860
दिनांक 20-2-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन
जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी पटना के द्वारा हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार
पटना

तारीख: 8-8-1980
मोहर:

प्रख्यात श्री० ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 8 अगस्त 1980

निदेश सं० III 430/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० तौजी नं० 143, वार्ड नं० 2 सक्किल नं० 6, एम० एस० प्लाट नं० 84, 85 होल्डिंग नं० 134, 136, 175 वी० है, तथा जो बांकीपुर, फेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में शीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दृढ़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचातः:—

1. श्री शिव प्रसाद सिंह बल्द स्व० खोमारी मिह ग्राम असनी थाना बोठ पत्रालय उदवन्त नगर, जिला भोजपुर।
(अन्तरक)

2. श्री मिथ्येश कुमार सिंह बल्द स्व० राम रत्न सिंह बहैसियत मैनेजिंग डायरेक्टर होटल चाणक्य प्रा० लि० रजिस्टर्ड आफिस बुद्ध बिल्डिंग, बुद्ध मार्ग, पटना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

संदर्भोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 1 कट्टा 5 धूर जो बांकीपुर फेजर रोड पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से वित्तका नम्बर 674 दिनांक 12-2-80 में वर्णित है जिसका निबन्धन जिला अवार निबन्धन पदाधिकारी पटना द्वारा हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार

पटना

तारीख: 8-8-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० III 448/अर्जन/80-81—अतः मुझे,
ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना नं० 11 तौली नं० 5772, 5587,
खाता नं० 382, 383, 384 और 214 प्लाट नं० 954,
955, 956, 957, 965 (प्रेषण) है, तथा जो खेजपूरा,
पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 1-2-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनियमों) के बीच आसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एम्बी किसी आय दा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. मेसर्से शाला शुलतान प्लान्ट पुकी स्व० म० हुसनेयन
जौजे मिस्टर औस्टीन प्लान्ट निवासी 2, लौरेल्स जल पहाड़ी
रोड, दार्जिलिंग।

(अन्तरक)

2. श्री धरम दास वल्द श्री केशम दास मुहल्ला—याकर-
गंज थाना कदमकुंगा पटना-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
शाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
भूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्यु

जमीन का रकमा 10 कट्टा 4 धूर जो खेजपूरा पटना
में स्थित है तथा पूर्णरूप से वसिका नम्बर 583 दिनांक
1-2-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अबर
निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा की गई है।

उद्दीपन नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार
पटना

तारीख: 11-9-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, प्रदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेज, बिहार
पटना, दिनांक मितम्बर 1980

निवेश सं० III 449/अर्जन/80-81—अतः मुझे,
ज्योतीन्द्र नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० धारा नं० 11, तीजी नं० 5772, 5587,
खाता नं० 382, 383 और 384 प्लाट नं० 954, 955,
956, 957, 967 का ग्राण है, तथा जो में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोपण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक स्थिति में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधान करके ने के प्रधानकर के दायित्व में कभी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; भीरा या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन पा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदित् था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आप, उक्त प्रविनियम की आरा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् :—

1. मेरार्ग शाला शुचतान प्लान्ट पुर्झी 2, स्व० मो० हुसनैयन जौजे मिस्टर ग्रौन्टीन प्लान्ट निवासी लॉरेल्स जलपहाड़ी गाँव, दार्जनिंग।

(अंतरक)

2. श्री देखदाम बल्द श्री केशभ दास मुहल्ला बाथर्गंज धाना कुदम कुशी पटना-4।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तारीख और सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-खद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वारा जो उस प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्का 8 कट्टा 16 धूर जो खेजपुरा पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 385 दिनांक 1-2-80 में वर्णित है तथा जिसका लिबन्धन जिला अवर निवन्धक प्राधिकारी पटना द्वारा की गई है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज,
पटना

तारीख : 11-9-1980

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० III 450/अर्जन/80-81-अतः मुझे,
ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर समाप्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० धारा नं० 11 ताजी नं० 5772, 5587,
खाता नं० 383 और 214 प्लाट नं० 958, 959 और
965 (प्रंश) है, तथा जो खेजपुरा, पटना में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्पणतः—

1. मेपर्स शाना शुल्तान प्लान्ट पुत्री स्व० मो० हुसनैयन
जौजे मिस्टर औस्टीन प्लान्ट निवासी, 2 लैरेल्म जलपहाड़ी
रोड, दार्जलिंग।
(अन्तरक)

2. श्री केशम दास वाल्द स्व० चांदी राम मुहूला
बाकर-गंज धाना—कदम्कुंआ, पटना-4
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
से किसी अधिक द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अबोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संधीहरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्खा 9 कट्टा जो खेजपुरा पटना में स्थित
है तथा पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 390 दिनांक 1-2-80
में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक
प्राधिकारी पटना द्वारा हुई है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सभीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथन रेंज, बिहार
पटना

तारीख : 11-9-1980

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश मं० III 451/अर्जन/80-81—अतः, मुझे,
ज्योतिन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हपए से अधिक है

और जिसकी मं० धारा नं० 11 तौजी नं० 5587, खाता
नं० 383, प्लाट नं० 958 और 959 (अंग) है, तथा
जो छेजपूरा, पटना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 1-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दूई फिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, प्रर्थतः :—

1. मेसर्स शाला शुल्तान प्लान्ट, पुत्री स्व० मो० हुसनैयन
जौजे मिस्टर शौस्टोन प्लान्ट। निवासी-2, लौरेल्स, जलपहारी
रोड, दार्जिलिंग।
(अन्तरक)
2. श्री मुरलीधर बल्द श्री केशम दास महला बाकर-
गंज थाना कदमकुर्मा, पटना-4।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में में किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितबद्ध
किसी शनि व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 8 कट्टा 16 घूर 16 घूरकी जो छेजपूरा
पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 392 दिनांक
1-2-80 में वर्णित तथा जिसका निवेदन जिला अवर निवेदक
प्राधिकारी पटना द्वारा हुई है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

तारीख : 11-9-1980

मोहर :

प्रंगण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

निदेश सं० III-452/प्रज्ञन/80-81—अन्तः मृद्दे,
हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. मेर अधिक है।

और जिमकी सं० होल्डिंग नं० 16 और 32 सक्किल नं०
202३०, बार्ड नं० II (पुराना) 18 (नया) है, तथा जो
महल्ला कांगें मैदान, कदमकुंआ, पटना मेर स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुसूची मेर और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ना अधिकारी के कार्यालय, पटना मेर रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-2-1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाठा गया प्रारं-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित मेर वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्दृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मेर
कमी करने या उससे बचने मेर सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मेर सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
मेर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारण (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री केशव प्रपाद मिश्रा बल्द स्व० श्री बलदेव प्रमाद
मिश्रा निवासी—कौशिम मैदान कदमकुंआ थाना कदमकुंआ
शहर वो जिना पटना स्थाई निवासी 87 विवेकानन्द मार्ग,
इनाहावाद-3 जो कि स्वयं अपने व्यक्तिगत अधिकार एवं
हित का प्रतिनिधित्व करने हैं तथा कानूनी तौर पर अधिकृत
प्रतिनिधि के रूप मेर निम्नलिखित व्यक्तियों का कानूनी तौर
मेर प्रतिनिधित्व करते हैं—(क) श्रीमती रामेश्वरी देवी
मिश्रा विधवा स्व श्री बलदेव प्रसाद मिश्रा (ख) श्री दिने-
श्वकुर प्रसाद मिश्रा (ग) श्री अशोक कुमार मिश्रा (घ)

श्री दिनेश कुमार मिश्रा, सभी बल्द स्व० बल
मिश्रा निवासी महल्ला कांगेम मैदान, कदम
कदम कुंआ शहर एवं जिना पटना, स्थाई f
'नम्बर 4', 12 कायड स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (ड.)
दीश्वर प्रसाद मिश्रा बल्द स्व० बलदेव प्रसाद मि-
—कौशिम मैदान कदमकुंआ थाना कदमकुंआ
जिना पटना, स्थाई निवास स्थान बी०-3/7 व
नई दिल्ली 57 (च) कैप्टेन राजेश्वर प्रसाद
स्व० बलदेव प्रसाद मिश्रा निवासी, महल्ला का-
कदमकुंआ थाना कदम कुंआ, शहर वो जिला पट-
निवास स्थान 6/1 कालकाजी एक्सटेंशन, नई दि-
श्रीमती लीला त्रिपाठी, पुत्री स्व० श्री बलदेव प्र-
जीजे श्री के० एम० त्रिपाठी निवासी महल्ला का-
कदम कुंआ थाना कदम कुंआ, शहर एवं जिला
निवास स्थान 553, सोन्थ मोती बाग, नई दि-
श्रीमती कस्तुरी त्रिपाठी पुत्री स्व० बलदेव प्र-
विधवा स्व० सुरेन्द्र त्रिपाठी निवासी महल्ला का-
कदम कुंआ थाना कदम कुंआ, शहर एवं जि-
स्थाई निवास स्थान डी० 203 कुंजोन होस्टल
गांधी मार्ग, नई दिल्ली (झ) श्री संतोष कु-
बल्द स्व० बलदेव प्रसाद मिश्रा निवासी कौशिम f
कुंआ थाना कदम कुंआ शहर एवं जिला पटना, स्थ-
स्थान 78 के० एच० रोड, बैंगलोर। (अन्तर

2. श्रीमती माधुरी सिन्हा, पत्नी श्री गोपी वकील, उच्च न्यायालय, पटना निवासी ग्राम-महेश
मुसलिम सुंगेर, जिला-सुंगेर, स्थायी निवासी—मह-
मैदान, कदम कुंआ, थाना कदम कुंआ, शहर
पटना। (अन्तरिती)

(1) श्री गोपी कृष्ण सिन्हा, अधिवक्ता पा-
माधुरी सिन्हा, कौशिम मैदान, कदम कुंआ, पटना

(2) श्री देवेन्द्र नारायण सिन्हा अधिवक्ता
मैदान, कदम कुंआ, पटना। (वह व्यक्ति जिसके
मेर सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अ-
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मेर कोई भी जाक्षे

(क) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तार-
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
की तामिल से 30 विन की अवधि, जो
बाद मेर समाप्त होती है, के भीतर
व्यक्तियों मेर से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहर
पाल्य द्विलिखित मेर किए जा सकते।

(प्रतीकरण:—इसमेर प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का,
अधिनियम के अध्याय 20-के मेर है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्खा चार कट्टा उम्मीस घर दस घुरकी दो किता मकान सहित मंजा महल्ला कांग्रेस मैदान कदम कुश्चां, पटना में स्थित है जिसका होल्डिंग नम्बर 16 और 32, सर्किल नम्बर 20-बी, वार्ड नम्बर-11 (पुराना) 18 (नया) इत्यादि है जो पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 416 दिनांक 1-2-1980 में बर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 15-10-1980

मोहर:

प्ररूप आइ० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/8-84/148—थस: मुझे, एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट माउल टाउन, अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाग्रह-अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एम० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार कपूर पुत्र रूप नाल वासी 194/21 गौरी पाठक, माउल टाउन दिल्ली अरजन कुमार मोहन्द्र कुमार प्रमिन्द्र कुमार सभी रमिन्द्र कुमार अटार्नी माउल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)
2. कुमारी अमरजीत कौर पुष्पी मोहन सिंह वासी चौकरमोगीग्रामी अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैमा कि नं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 191.9 स्क्वार मीटर मोडल टाउन, अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 3248/1, दिनांक 7-2-80 रजिस्ट्री प्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एन० पी० साहनी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 8-10-80

मोहर:

प्रूलप आर्द्ध. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अक्टूबर 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/८०-८१/१४९—यतः मुझे,
एन० पी० साहृनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक प्राप्ती निम्न मंडी में है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम०
आर० अमृतसर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980
को पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरबंस कौर पत्नी अवतार सिंह और कुलदीप
सिंह द्वारा पुत्र अवतार सिंह वर्मा बाजार, आटा
मन्डी, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी पृथीपाल सिंह निमक
मंडी गली जल्दीवाली, अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जेसा कि सं० 2 में और कोई किरायेदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मा सम्पत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्राप्ती नं० 2934/8 और 1446/VIII -13
गली जल्दी वाली में निमक मन्डी जेसा कि सेल डीड नं०
3273 दिनांक 11-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर
में दर्ज है।

एन० पी० साहृनी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 8-10-1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/८०-८१/१५०—यतः मुझे,
एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसमें सं० ए० एक प्राप्ती चौक प्रागदास में है तथा
जो ————— में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—

1. रिपु दमन सिंह, जेतिन्द्र सिंह, मोहिन्द्र सिंह पुन्नान
और जगवीष कौर पुत्री चन्दा सिंह वासी प्रागदास
चौक, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्रीमती रनजीत कौर पत्नी मूल सिंह वासी बेबक
सर रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 है श्रीर किरायेदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है).
4. और कोई
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ छोगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग नं० 1758/5, 2176/5, 1617/5-10 चौक
प्रागदास म अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 3406/1
दिनांक 21-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एन० पी० साहनी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 3-10-1980

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अक्टूबर 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/80-81/151—यतः मुझे,
एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट सर्कुलर रोड पर है जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने ही किसी प्राप्त को आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मग्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-व, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की चप्पारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् :—

1. विश्व मित्र गुप्ता पुत्र धनी राम गुप्ता 27-सर्कुलर रोड, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्रीमती रोमेश भास्कर पत्नी श्री सी० एल० भास्कर निवासी 28, सर्कुलर रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में और कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में ने किसी अविक्षियां द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियां द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 27, रक्का 523 स्क्वार मीटर सर्कुलर रोड, जैसा कि सेल डीड नं० 3435 दिनांक 22-2-80 आफ दो रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एन० पी० साहनी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 8-10-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/८०-८१/१५२—यतः,
मुझे, आनन्द सिंह,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए० प्लाट तिलक नगर में है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावरु अनु-
सूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बतः बद, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः:—

1. श्री कान्ति कुमार पुत्र कुलसिंह राम वासी बाग
रामानन्द स्वामी बिलिंग, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री सन्त राम पुत्र माई दासी वास्ते वास मण्डी
स्वामी बिलिंग, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. अन्य और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 333 (195 स्क्वार मी०) तिलक नगर
में जैसा कि सेल डीडा नं० 3372/1 दिनांक 19-2-80
रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

श्री आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 20-9-1980

मोहर:

प्रकल्प घारी० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/80-81/153—यतः मुझे,
आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट आबादी धर्मपुरा में है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रू प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य घास्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, आ
धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनालं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रव; उक्त अधिनियम की घारा 269-प के
अनुसारमें, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-प की उपायारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवितयों, प्रवादः—

1. श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र वजिन्द्र सिंह वासी खाबीब-
पुर बजरीया सवरन सिंह पुत्र हरनाम सिंह मुख्तार आम।
(अन्तरक)

2. श्री राम लुभाहिया पुत्र बाबूराम, शोरीलाल पुत्र
सोहन लाल चौक मिनी प्लाट नं० 10, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायदार।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्य और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)
को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को मवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की मवधि, जो भी
मवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से हिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अब दोगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 10, 306 स्क्वार यार्ड आबादी धर्मपुरा
मुलतान सिंह रोड, अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 3371
दिनांक 19-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 20-9-1980

मोहर :

प्रस्तुत प्राई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निवेश सं० ए० एस० आर०/80-81/154—अतः मुझे
आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट कृष्णा नगर में है तथा जो—
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के बायित्व
में कमी करने, या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए आ, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जीत ।—

1. श्री अमर सिंह पुत्र बलबन्त विह, जरनैल सिंह पुत्र
आत्मा मिह काली राजा सोलि० अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री शमशेर दिलावरी पुत्र भोला नाथ वासी दिला-
वरी स्ट्रीट पुतली घर, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि सं० 2 और किरायदार।
(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

4 श्री/श्रीमती/कुमारी और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयी करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसकम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के बीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के बीतर उक्त स्वाचर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लाट खसरा नं० 1451/413 कृष्णा नगर, रेस
कोर्स रोड, अमृतसर जैसा कि सैलडीड नं० 3322/I दिनांक
13-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीखः 25-9-1980

मोहरः

प्रलूप घाई० टी० एन० एच०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/80-81/155—अतः मुझे,
आनन्द सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट कुण्णा नगर है तथा जो—
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०
आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उस
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी/किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री जगल किशोर पुत्र जय किशन दास निवासी
46 कनेडी एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री हरिन्द्र सिंह पुत्र हरबन्स सिंह श्रीमती सूरतपाल
सिंह पत्नी दलजीत सिंह गांव मुगलवाला तहसील।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्य और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्तीरी जानता है कि वह
वह समति में हितबद्द वह है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समानि के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आत्मेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तीरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 352 मी० शास्त्री नगर, में जैसा कि
सेल डीड नं० 3547/1 दिनांक 29-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
तारीख: 25-9-1980
मोहर:

प्रृष्ठ पाई० टी० एन० ३१०-----
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निवेश सं० ए० एस० आर०/८०-८१/१५६—अतः मुझे,
आनन्द सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, पछि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट कृष्णा नगर में है तथा जो _____ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निये प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पगड़द्वय प्रतिभन अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आयकरों बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आद्य या किसी उन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1923 (1922 का 1) या उन अधिनियम द्वारा उत्पन्न प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाद्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को घारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम को घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अयोग्यता :—

5-336 G I./80

1. श्री जुगल किशोर पुत्र जैकिशन दास वासी कोठी नं० 46-कनेडी एवेन्यू अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री भुपिन्द्र सिंह पुत्र हरबन्स सिंह व बीबी मानन्दि कौर बाठ पुत्री भुपिन्द्र सिंह वासी गांव मुगलवाला तहसील अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार। (कि वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्य और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें कार्यालयों कराना डूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से कियी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अस्तित्व द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए द्वा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रपुक्त श पदी और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एक प्लाट सं० 339, रकवा० 345 स्कवा० मीटर शास्त्री नगर में जैसा कि सेल डीड नं० 3388 दिनांक 21-२-८० रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 25-९-1980
मोहर :

प्रस्तुत धार्यों द्वारा एस० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/80-81/157—यतः मुझे,
आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'दक्षता' अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ष (1) के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एक प्राप्ती शारीफपुरा है तथा जो —— में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रमाणरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उपर्युक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं हिया गया है:—

(क) अन्तरण में नुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसों आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितियों, अर्थात्

1. श्री दलीप सिंह पुन ठाकर सिंह निवासी 242/ए०/13, गोल मसीत, शारीफपुरा। (अन्तरक)

2. श्री सुसीष चन्द विजय कुमार पुन वेवराज निवासी 242-ए०/13 गोल मसीत अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में और कोई किरायदार।

(वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्य और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी घटितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त घटितियों में से किसी घटित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य घटित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

संषोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 1684 4 ए 242/ए०/13 गोल मसीत शारीफपुरा में जैसा कि सेल डीड नं० 3184 दिनांक 10-2-1980 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 25-9-1980

मोहर:

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निवेश सं० ए० एस० आर०/80-81/158—यतः मुझे,
आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961] (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक प्लाट बटाला रोड पर है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावद्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, ए० एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असौतः—

1. न्यू राज कमल फिनिशिंग मिल्ज बटाला रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्दर कुमार पुल मेला राम निवासी शहीद
भक्त सिंह रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि तक तन्त्रजंघी व्यक्तियों पर सुचना की
नामीन में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में व्युत्प्रभावित है वही
प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

एक प्लाट खसरा नं० 455-56 (250 स्क्वार यार्ड)
बटाला रोड, अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 6504
दिनांक 11-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 25-8-1980

मोहर:

प्रलेप धाई० टी० इन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को वारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/80-81/159—यतः मुझे,
आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एन० एट बटला रोड पर है तथा जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का सूचन्यभान प्रतिफल
के लिए अस्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायूवौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्च॑ प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
प्रत्यरोपण के रिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रत्यरोपण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया जाया
है।—

(क) प्रत्यरोपण से दूर हिसी भाय का वाचन, उक्त प्रतिरोपण
के व्याप्ति कर देने के असरके वायिक में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आवश्यकों,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया जाय था या किया जाना चाहिए था;
छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात्:—

1. न्यू राज कमल फिनिंशिंग मिल्स बाटाला रोड,
अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्रीमती चान्द रानी पत्नी ओम प्रकाश, कटरा
मोती राम, चम्पा रानी पत्नी मेला राम बासी शहीद भगत
सिंह रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि सं० 2 और कोई किराएवार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. अन्य और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में कोई भी व्यक्तिप्रति:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

द्वि हिस्सा प्लाट (500) खसरा नं० 455-
56, बटला रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 6503 दिनांक
11-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 25-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० इस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/160—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो बटाला रोड में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर०
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूसरमान प्रतिफल से एस० दूसरे दूसरमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हृङ्कूर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित दूवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) न्यू राज कमल फिनिशिंग मिल्ज वासी रघु-
नाथ पुत्र ओम प्रकाश, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(2) श्रीमती चांद रानी पत्नी ओम प्रकाश वासी
कटरा मोती राम, तथा वरिन्द्र कुमार पुत्र भेला
राम वासी शहीद भगत सिंह रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं 2 और किरायेदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) अन्य और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
ल्हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोल्हस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा प्लाट खसरा नं० 455-56 बटाला
रोड, अमृतसर। जैसा कि सेल डीड नं० 6502 दिनांक
11-2-80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-9-1980

मोहर :

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1980
निदेश सं. अमृतसर/80-81/161—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो हक्म सिंह रोड में
स्थित है (और हस्ते उत्तर अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख फरवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:—

- (1) श्रीमति बिमला धवन पत्नी मनोहर लाल वासी
सेक्टर 35/C, चंडीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री विजय कुमार पुत्र अमृतलाल वासी दुरगिअराना
मंदिर, अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं. 2 और कोई किरायेदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।
- (4) अन्य और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी रखके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्तसम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्ध में कोई भी ग्राहकेप ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरफमन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भें
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभावित हैं, वही
अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक प्लाट हक्म सिंह रोड पर जैसा कि सेल डीड
नं. 3259I13 दिनांक 8-2-1980 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 25-9-1980
मोहर:

प्रसूप प्राई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 सितम्बर 1980

निदेश सं. अमृपसर/80-81/162—यत. मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्राप्ती है तथा जो बाग रामा नन्द में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस.०
आर.० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री धनपत राम वासी
बाग रामानन्द मकान नं. 2311/28 अमृतसर
कटोरी बाग, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पुत्र राम किशन निवासी
मकान नं. 2311/28 बाग रामा नन्द, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं. 2 और किरायेदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) अन्य और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कायांवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही
मर्यादा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्राप्ती बाग रामानन्द में जैसा कि सेल डीड नं.
3377 दिनांक 19-2-1980, रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में
दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 26-9-80
मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 सितम्बर, 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/163—यतः मुझे आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो अजीत नगर में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर०
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहीत :—

(1) श्रीमती जसबीर कौर पल्ली श्री प्रीतम सिंह, श्री जसपरीत
सिंह सुपत्र प्रीतम सिंह निवासी 126-शी० बारडर
साईड वासन इस्टेट सालो बारुक, शियार द्वारा
(य० के०) सुखबिन्द्र सिंह पुत्र बीरा सिंह
वासी पूर सिंह, जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरजीत सिंह पुत्र, माखन सिंह वासी गली
नं० 1 कोट हरनाम दास, सुलतान सिंह रोड,
अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) अन्य और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 168-169-180 मिन (188 वर्ग
मीटर) अजीत नगर अमृतसर में जैसा कि सेल डीड
नं० 3775 दिनांक 26-1-80 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में दर्ज ।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29-9-80

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 मित्तम्बर, 1980

निवेदण सं० अमृतसर/80-81/164—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसको सं० छापि भूमि है तथा जो जबाल कलां में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रत्युम्भिरों में और पूर्ण स्वयं में
वर्णित है), रजिस्ट्रेशनी अधिकारी के कार्यालय, एम० आर०
जबाल में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

6—336GT/80

(1) श्री इश्वाल मिह ग्रामशेर सिंह पुदान हरबन्स
मिह, शाम कौर विधवा हरबन्स सिंह निवासों
जबाल कलां।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवन्त सिंह पुत्र सोहन सिंह अवतार सिंह
पुत्र सोहन मिह वासी जबाल कलां।

(अन्तरित)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-
द्वास्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 27 कठा 16 मरने जबाल कलां खुरद
में जैसा कि सेल छोड नं० 1384 दिनांक 28-2-80 आफ
दी रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

प्रानन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जेन्ट रेंज, अमृतसर

तारीख: 30-9-1980

मोहर:

प्रलूप प्राईंटी० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 नवम्बर 1980

निकेंद्र म० अमृतसर/80-81/165—यतः मृमे, आनन्द
मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसके, म० वृष्टि जैसा खुर्द में गिरता है (और इसके
उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० झाला में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान तारोंव
फरवरी, 1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलब्धारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति :—

(1) श्रीमति वुग्रो पुत्री अवनार मिह वासी एमा
खुरद।

(अन्तरक)

(2) श्री इनवाल मिह, इयाम मिह, जमेल मिह वासी
एमा खुरद।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि न० 2 ओर कोई फिरायेदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदृस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 35-14 मर्ले एमा खुरद में जैमा कि सेव
डीड न० 1379 दिनांक 25-2-1980 को रजिस्ट्री अधिकारी
झाला कलां में दर्ज है।

आनन्द मिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्ति : 30-9-1980
मोहर :

प्रलूप वाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 नवम्बर 1980

निदेश सं० अमृतसर/8 0-8 1/166—यतः मुझ आनन्द
मिहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

ओर किसके मं० जूपि भूमि है तथा जो एभमा खुद में स्थित है
(ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रामत, बुओं पुत्र, अवतार कीर बासी अम्मा
खुद।

(अन्तरक)

(2) श्रीइकबाल सिंह गुरबीर सिंह बासी अम्मा खुद
(अन्तरिती)(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार,
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 30-12 मरके नेहरी गांव अम्मा खुद
में जैसा कि सन डॉड नं० 1378 दिनांक 25-2-80 रजिस्ट्रे
अधिकारी क्लबाल कलां में दज है।
ग्राम सिंह
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30-9-1980

ओहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत संरक्षक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 14 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/167—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संभास प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरीकी (अन्तरिरीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाष्पत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षमित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारतः:—

(1) श्री आत्म राम पुत्र जीवन मल निवासी तहसीलपुरा अमृतसर। (अन्तरक)

(2) मदन लाल पुत्र आत्मा राम तहसीलपुरा, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृशूसूची

एक दुकान (45 स्क्वेयर मीटर) तहसीलपुरा जैसा कि सैल ईड नं० 3271/I दिनांक 11-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
संक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-10-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/168—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राविधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- लाये में अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो बसंत एवेन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रर्थतः:—

(1) श्री वलोक सिंह पुल श्री छबड़ सिंह बाजार चावल मंडी, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा मेहरा पत्नी धर्म पाल कोठी नं० 605, बसंत एवेन्यू अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो। (वह अवित्य, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) या और कोई अवित्य जियदाद में इच्छा रखता हो तो। (वह अवित्य, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद ने समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य वाकित द्वारा, अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 605 जिसका क्षत्रफल 178 1/3 वर्ग मी० है जो कि बसंत एवेन्यू अमृतसर में स्थित है जैसा कि सैल डीड नं० 3275/1 दिनांक 11-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

तारीख : 14-10-1980

पोहर :

आनन्द सिंह,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/169—यतः मुझे, आनंद सिंह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी मं० जायदाद है तथा जो कि बाग रामानन्द, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) 6 त्रीव ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकृति, तिमतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने नहीं लिया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम 6 प्रयोग कर देने के अन्तरक के शायित्र में उभी करत या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल दुग्गल पुत्र श्री वलाती राम दुग्गल बाग रामा नन्द अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री गुरुचन सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह अजीत नगर, सुलतान सिंह रोड़, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) यदि ऊपर सं० 2 में यदि और कोई किरायेदार हो तो। श्री राम रतन, हरी प्रकाश, हरबंस लाल, मुरेश कुमार, कैलाश चन्द्र और नोकरन दास। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदा में हचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह यूवा जारी हरहे पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस यूवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भक्ति नं० 2504/111-29 जो कि बाग रामा नन्द, धर्मपुरा में स्थित है जसा कि सैल डीड नं० 3364/1 दिनांक 29-2-80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम अधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13 अक्टूबर, 1980

मोहर :

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०-----
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/170—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट रानी का बाग है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख करवारी, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकूल तिम्नलिंगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्रीमती सुधा रानी पत्नी मुनी लाल निवासी 16, लारेंस रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुख्चरन सिंह पुन्र सावन सिंह वासी नैशेरा छला तहसील तरनतारन, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी मानेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधिया वाले समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट खसरा नं० 3045 रानी का बाग जैसा कि सैलडीड, नं० 3487 दिनांक 15-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-10-1980.

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०---

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/171—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सदूप्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट रानी का बाग है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख करवारी, 1980

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल, लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त प्रधिनियम के अधीन छठे देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किये गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरन में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व को उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षणः—

(1) श्रीमरो मुद्रा रानी एतोप्राप्त कमना वनी पत्नी मूली नाल वासी 16, लारेस रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(कु) श्री हरचरन सिंह पुत्र सवारन सिंह वासी नीशेरा ढला, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तमन्त्र में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में नमात्र होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20 के परिमावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट खसरा नं० 3055/675 रानी का बाग में जैसा कि सेल डीड नं० 3398/I दिनांक 21-12-80 रजिस्ट्री प्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण),
आर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 13-10-1980

मोहरः

प्रलूप आइ. टी. एन्. एस्.-----

(1) श्री बूटा राम पुत्र श्री मलावा राम मकान नं० 2823/9
-17, कटड़ा, करम सिंह।

(अन्तरक)

राम महल्ला, अमृतसर।

(2) श्रीमती उमिल कुन्द्रा पत्नी रोशन लाल मकान नं० 3053/9-17, राम महल्ला, कटड़ा कर्म सिंह, अमृत-
सर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायदार हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में सुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेंग—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 घिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
घिन के भीतर उक्त संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

एक इमारत नं० 3053/9-17 जो कि कटड़ा कर्म सिंह, राम
महल्ला अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3334/1
दिनांक 15/2/80 आफ रजिस्ट्रीग्रामारटी अमृतसर के कार्यालय
में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
मध्यम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13 प्रश्तुबर, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० प्रमृतसर/80-81/173:—अतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी सं० दुकान है तथा जो कि हाल बाजार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायरिंग में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री रनबीर सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र गुलाब सिंह 32 माल रोड़, अमृतसर।

(अतरक)

(2) मै० सेठ जगत बन्धु (रजिस्टर) हाल बाजार, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे ; अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचयित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान 28, खसरा नं० 492/I (37-37 मी० हाल बाजार में जैसा कि सेल डीड नं० 3457/I दिनांक 22/2/80, रजिस्ट्रीग्राम प्राधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

गारीख : 13 अक्टूबर, 1980।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी एम् एस् —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेंन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/174:—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान हाल बाजार में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, फरवरी, 1980 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को बिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यद्; उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कालीचरन पुत्र रामलङ्घ, राजकुमार, रोमेश कुमार, रमन कुमार पुजगण काली चरनशासी ढब खटीका, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकन्द सिंह सपुत्र चेत सिंह वासी सुलतान विंडरोड़, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) कलकत्ता होटल प्रो० बलवन्त सिंह भगवान दास, मै० मेहता ट्रेडरज मै० लक्ष्मी ट्रेडरज।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तं के लिए कार्यान्वयिता करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्तं के सम्बन्ध में कोई भी आलोप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति द्वारा सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

1/2 हिस्सा दुकान 27 से 32 खसरा नं० 451/XIV बाहर हाल बाजार जैसा कि सेल ईड नं० 3525/1 (दिनांक 28/2/80 रजिस्ट्री प्राधिकारी अमृतसर में दर्ज है।
(रक्का 66-64 1/2 वर्ग मीटर 3 चन्द्रपुरी)

आनन्द सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अजेंन रेंज, अमृतसर
तारीख : 13 अक्टूबर, 1980।
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/175—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संक्षय प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान हाल बाजार में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के प्रधीन, व्यक्तियों, निम्नलिखित अर्थात्:—

(1) श्री कालीबरन पुत्र राम नाथ राजकुमार रमेश कुमार, रमन कुमार पुत्रान काली बरन वासी खटीकां, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकन्द सिंह पुत्र चेत सिंह वासी सुलतान बिड रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) कलकत्ता होटल प्रो० बलबन्त सिंह भगवान दास मै० मेहता द्रेडरज, मै० लक्ष्मी द्रेडरज।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना, की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञोक्तरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कु हिस्सा शाप नं० 1451 आफ 27 से 32/XVI आहर हाल बाजार में जैसा कि सेल डीड नं० 251 दिनांक 23-4-80 रजिस्ट्री प्रधिकारी प्रमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
संस्थाम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर
तारीख : 13 अक्टूबर, 1980
मोहर

प्रूप आई० टी० एन०। एस०--
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/176—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
द० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जो जी० टी० रोड बटाला
में है तथा जो बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक करवारी, 80,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापसी, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षणि:—

(1) श्रीमति शांति देवी विधवा रघुवीर चन्द्र मजीथा
में सुब बटाला में।

(फु) श्री तारा चन्द्र चरन दास मंगला दास पुन्न लालचन्द्र
निवासी बटाला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 में और कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्केप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

प्लाट आफ लैड जी टी रोड, बटाला में जैसा कि डीड नं०
7382 दिनांक 7/2/80 आफ दि रजिस्ट्री प्राधिकारी बटाला में
दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सभी प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 13 अक्टूबर, 1980।

मोहर:

प्ररूप आई० ढी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/177—यतए मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपात्तद्वय अनुसूची; और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,
1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा
के लिए; और/या

((ख)) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसारण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती हेमलता पत्नी देवकी नन्दन और सुनीता श्रीराजा
पत्नी विजय कुमार बाजार लक्ष्मनसर दरवाजा
भक्तावाला गली भक्तावाला, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री जसवन्त सिंह, जसपाल सिंह, हरबन्स सिंह और
परमजीत सिंह पुन्नान ईशर सिंह, 14-रानी का बाग,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्वान्तराल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

एक लाट नं० 57 अबादी गोकल चन्द में सुलतान सिंह जैसा
कि सेल डीड नं० 3350/। दिनांक 19/2/80 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-10-1980.

मोहर:

प्रश्न प्राईटी०एन०एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश मं० अमृतसर/80-81/178:—यतः मझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में रिक्त है (अं० इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री॑ष्टर्स अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री॑क्टर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

(1) श्री प्रेम कुमार अरोड़ा पुत्र करम चन्द निवासी लछमनसर अमृतसर अब लन्दन श्रीमति सन्तोष अरोड़ा पत्नी प्रेम कुमार बाजार लछमन (मुख्तार आम) ।
(अन्तरक)

(2) श्री बद्री नाथ अरोड़ा पुत्र किशन लन्दन निवासी 1063— सकुंतर रोड अमृतसर ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग ; सम्पत्ति है) ।

(4) अन्य कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 हिस्सा एक प्लाट 735 स्केयर गज व खसरा नं० 570-71/16 प्रकाश लन्दन रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 3328/I दिनांक 15/2/80 रजिस्ट्री॑ प्राधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

आनन्द सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-10-1980 ।

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस) —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 2 अमृतसर/8 0-8 1/179—अतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० १ एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,
1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पांच गया ग्राहित
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण से उक्त अन्तरण में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अटः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रेम कुमार श्रीराजा, पुस्त करम चन्द निवासी
बाजार लालमन सर अब नन्दन द्वारा श्रीमती सन्तोष
अरोड़ा। (अन्तरक)

(2) बिमल कुमार पत्ना बदर नाथ निवासी 1063-
मर्कुलर रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० २ और कोई किरायेदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

के हिस्सा प्लाट खसरा नं० 570-71/16 प्रकाश चन्द रोड
पर जैसा कि सेल डीड नं० 3329/I दिनांक 15-2-80
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मिह,
मक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13 अक्टूबर, 1980
मोहरः

प्रैरुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/8 0-8 1/18 0—लतः मुझ, आनन्द सिंह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सधारन प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको मं० प्लाट शास्त्री नगर में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—
8—336G1/80

(1) श्री अशोक कुमार पुत्र भगवान दाम वासि कटरा प्राजा अमृतसर।

(अन्तरक)

(1) श्री अमरजोत कौर पंहनी लखबी सिंह वासि शास्त्री नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एफ प्लाट खसरा नं० 641 शास्त्री नगर जैसा कि सेल डोड 3532/I दिनांक 27/2/80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम अधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14 अक्टूबर, 1980।

मोहर :

प्रलेप वाई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/181—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी नं० 138 शास्त्री नगर में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्टरट्रीण अधिकारी के कार्यालय अमृतसर ; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और स्थावर (स्थावरों) और भूस्तरिति (अमृतरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोपण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरोपण विवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायद ये कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिस्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की आरा 269-ए की उपरारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् '—

(1) श्री अशोक कुमार नंदयर पुत्र चुनीलाल बाजार सिरकी बन्दा मतलू अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामाभाष बोहरा कुलजीत बोहरा सपुत्र धनपत राम और श्रोमति सुमिला देवी पुत्री धनपत राम वासी बाग रामानन्द, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) और कोई ।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाकेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्वाक्षरण—इसमें प्रधुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

१ हिस्सा कोठी नं० 138 शास्त्री नगर में जैसा कि सेल डोड नं० 3531/I दिनांक 27-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

आनन्द सिंह

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13 अक्टूबर, 1980 ।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/8 0-8 1/18 2—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के प्रनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र चुनी लाल बाजार सिरकी बन्दन, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो सुमित्रा देवी पत्नी धनपत राम कुलजीत बोहरा सुभाष बोहरा पुत्रान धनपत राम बाग रामा नन्द, अमृतसर।

(प्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

½ हिस्सा कोठी नं० 138 शास्त्री नगर में जैसा कि सेल डीड में 3555/I दिनांक 1-3-80, रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द, सिंह
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-10-1980.

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/183—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन, तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पक्षहृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अमृतसर लिखित में (वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है):—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या प्रम्य पास्तिकों को जिसमें भारतीय आयन्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रमुखरूप में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री शाम सुन्द्र पुत्र चूनी लाल वासी बाजार सिरकी बन्दाब अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाश बोहरा और कुलजीत बोहरा पुत्र धनपत राम और श्री मती सुमिक्तन देवी वासी बाग रामा नन्द, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधान के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रम्याय 20-प में परिचयित है, वही पर्यंत होगा जो उस प्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कोठी नं० 138 पास्ती नगर में जैसा कि सेल डीड नं० 3660 /2 दिनांक 10/3/80 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/184—अतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राविन्द्र नव्यर पुत्र चूनी लाल वासी बाजार सिरकी बन्दना अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष बोहरा, श्री मती सुमित्रा बोहरा पत्नी धनपत राम वासी बाग रामानन्द, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी खसरा नं० 2341 (322 स्क्वेयर मीटर) शास्त्री नगर में जैसा कि सेल डीड नं० 3790/। दिनांक 22/3/80, रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्रम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 13-10-1980.

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 अक्टूबर 1980

निवेश सं० अमृतसर/80-81/185—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० एक मकान शाहजादा नंगल है तथा जो अमृतसर
में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर०
गुरदासपुर में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत [अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रारंभिक

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—

(1) सर्वे श्री झूँझा दिता, देसराज, जनक राज, बलवन्त राए,
पुन्नान बदरी नाथ मण्डी, गुरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री तिलक राज पुत्र बदरी नाथ मण्डी गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि धं० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रथम व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एष्टोरिंग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान शाहजादा नंगल में जैसा कि सेल डीड नं० 7460
दिनांक 18/2/80 रजिस्ट्री अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 16 अक्टूबर, 1980।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 अक्टूबर 1980

निवेश सं० अमृतसर/80-81/186:—यतः मुझे, आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि बिहाली जिला गुरदासपुर है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (पन्नरकों) और अन्तरिती (पन्नरितियों) के बीच ऐसे पन्नरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेश से उक्त पन्नरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) पन्नरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों अर्थात् :—

- (1) श्री/श्री मती दुर्गी पुत्री श्री सुन्दर सिंह वासी बिहाली तहसील गुरदासपुर (अन्तरक)
- (2) श्री सुच्छा सिंह पुत्र सुन्दरसिंह तहसील बिहाली जिला गुरदासपुर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 और कोई किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या उससम्बन्धी अधिकारियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्ट्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषत वस्त्रों और पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित है, वही पर्दे होता, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

39 कनाल-7 मरला भूमि बिहाली जिला गुरदासपुर में जैसा कि सेल डीड नं० 7433/27-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 16-10-1980.
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 अक्टूबर 1980

निरेण सं० अमृतसर/80-81/187:—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सत्रम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि बिहाली जिला गुरदासपुर में है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी आर गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती तारी पुत्री मुन्द्र सिंह पिंड बिहाली, गुरदासपुर (अन्तरक)

(2) श्री सुच्चा सिंह आदि पुत्रान मुन्द्रसिंह गांव बिहाली, गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

(3) श्री मती जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

39 कनाल--7 मरला भूमि बिहाली जिला गुरदासपुर में जैसा कि सेल डीड नं० 7095 /1-2-80 रजिस्ट्री अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम अधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16 अक्टूबर 1980
मोहर:

प्रस्तुति दी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (विवरण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

निदेश सं० टी० आर० नम्बर 0999 अर्जन/ओरइया/79-80

—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें' इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ओर जिसकी रु० मकान है तथा जो औरइयामें स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय ओरइया में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-2-80

को पूर्वोंत स्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत स्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नव्वह प्रतिशत से प्रधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरात्री (अस्तरात्रीकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिशत विविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के प्रश्नीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किन्तु जो सुविधाके लिए;

अतः अब, इकल प्रधिनियम, की भारा 269-ष के अनुसरण में, ये उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

9—336GI/80

(1) श्रीमति रामदेवी, पत्नी जगदम्बा प्रसाद व श्रीमती रामजानकी पत्नी अम्बिका प्रसाद निवासी मुहल्ला गुमटी कस्बा ओरइया पर० व पो० ओरइया जिला इटावा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बसनलता अग्रवाल पत्नी श्री जगदीश चन्द्र अग्रवाल निवासी मुहल्ला गधैया कस्बा ओरइया पर० व पोस्ट ओरइया, जिला इटावा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अन्तरित द्वारा पूर्वोंत स्पति के लिए कार्यालयिता, करता है।

लक्षण स्पति (के अन्तर्क के स्पति में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी अक्षयि-या तारीख स्पति के व्यक्तियों पर, सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अस्तर द्वारा स्पैशल पूर्वोंत व्यक्तियों में से किए, अवधि छुटा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्पति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पति विवरण :-—इसमें आयकर अवृत्ति द्वारा प्रदान की अवधि अन्तरक, 20-क में परिभाषित है, वहाँपर्याप्त होता, जो उक्त प्रधिनाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान विसमें तीन कोठे कस्बा व परगामा ओरइया जिला इटावा में स्थित है जो कि 45000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-10-80:

मोहर:

प्रदूष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

'कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० टी० आर० नम्बर 1009अर्जन/कानपुर/79-80
—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 7/188 है तथा जो स्वरूप नगर कानपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
11-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहुत कम के वृश्वमान
प्रतिक्रिया के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्वमान प्रतिक्रिया से, ऐसे वृश्वमान प्रतिक्रिया का पद्धति प्रतिक्रिया
अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरक) और प्रत्यक्षिकी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रत्यक्षरक के लिए तथा पाश्चात्य वया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से छक्त प्रत्यक्षरक मिलित में वास्तविक रूप से उचित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानार्थ
अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आदि था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जात :—

(1) श्रीमती मलकारानी पली मनोहर लाल निवासी
7/188 ए (1) स्वरूप नगर कानपुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश उप्पल पत्नी श्री नरेन्द्रकुमार उप्पल
निवासी 7/188 ए (जी) 11, 12 स्वरूप नगर
कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवश्यक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासम्बन्धी अविकल्पों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से
किसी अविकल्प द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य अविकल्प द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में निरप्राप्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किला मकान नम्बर 7/188 जी०/11, 12 स्वरूप नगर
कानपुर में स्थित है जो कि 1,60,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 7-10-80

मोहर:

प्रलेप आई० टो० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निदेश सं० टी० आर० न० 988/अर्जन/फिरोजाबाद/79-80

—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भकान है तथा जो दुर्गानगर में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 252-80

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लायिक में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहै भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण-
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

(1) श्रीमती विमला श्रीमती श्री रविन्द्र प्रसाद
अग्रवाल व श्रीमती पुष्पा अग्रवाल पत्नी श्री राजेन्द्र
प्रसाद अग्रवाल निवासी 27 बलरामपुर हाउस
इलाहाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश मुन्द्र यात्रा व श्रीनवयाम गुप्ता सुपुत्र
श्री राम प्रसाद गुप्ता निवासी मोहल्ला बड़ी हपती
कस्बा फिरोजाबाद, मंजिला, मध्यप्रदेश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के 'अंतर' के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्रः—

(क) इस सूचना के प्राप्ति में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासम्बली व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाबत में संपत्ति होती है, की भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों के साथ किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संचरित में होती है
वहाँ किसी तासम्बली व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
प्राप्ति संसाधन में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्ति 'शब्दों' और पदों का, 'जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं', वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
प्राप्त है।

'अनुसूची'

एक किता मकान नम्बर अधूरा बना पुख्ता एक मंजिला
मध्य प्रांताम्बाद बाके मोहल्ला दुर्गानगर कस्बा फिरोजाबाद, भारतीय
सरकारी व्यक्तियों भकान प्रकाश उत्तर सड़क सरकारी दक्षिण
मकान मूलमान्द्र 66 फिट प्रशिक्षण, 58 फीट उत्तर, 60 फीट
दक्षिण में है जो कि 300,000/- रुपये में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षमै प्राधिकारी
सहायक आयकर अग्रवाल, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीखांक 02-09-80

मोहर:

उत्तर प्रदेश टी० अरा० वल्द
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सम्बन्धित

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अमरपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

निदेश सं० टी० आर० नं० ४९४/प्रमेज़/प्रायरा—अतः
मुझे बी० सी० चतुर्वेदी
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' भूल्य कहा है), भी अद्यता
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि खायकर खालील, जिनका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान 31 है तथा जो नोर्थ साकेत आलोक
कार्यालय में स्थित है (प्रौद्योगिक अस्तुलीकों और पूर्ण
रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में,
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिनियम, 1960-ए-(1960-ए-का-16) के अधीन
तारीख 21-2-1980

को पूर्णोक्त सम्बन्धित वाजार मूल्य से कम के
दरमात प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धित का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्फमन प्रतिक्रिया से, उसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया का अन्तर अस्तित्व से अधिक है और
प्रतिक्रिया का अन्तर अस्तित्व से अधिक है और
ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तिकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा ब्रैकट महा किया
गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्तित्व :—

- (1) आलोक सहकारी गृह निर्माण समिति ति०
आगरा जरिये सचिव श्री राजेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री
रामचरनलाल निं० विलोचपुरा आगरा
(अन्तरक)
(2) श्री बख्तराम वल्द को उनदवास निवासी आलोक नगर
आगरा।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्बन्धित के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्बन्धित के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र श्री अलोक :—

- (क) इस सूचना के अन्तर्गत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के अवधि या उसके बाद व्यक्तियों फर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर त्रुटीकरण व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ख) इस सूचना के अन्तर्गत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उत्तर स्वाक्षर सम्भति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

व्यक्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 31 नोर्थ साकेत आलोक कालीनी
आगरा में स्थित है जो कि 48,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
तारीख : 3-10-80
मोहर :

ग्राम पाली, नटी, एन. ईस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए। (1) वैधानिक सूची

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० 187 अर्जन/फिरीजागाइ/80-81—अतः
अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उत्तर अधिनियम' कहा जाता है); अधीन धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो जखोदा में स्थित है (और
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के वैधानिक आवश्यकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-2-79

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यगान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के विश्वास
करने का कारण है कि यथोपचारित हैरानी का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकारी अन्तर्करण से, ऐसे अद्यगाने प्रतिफल का
पूर्वान्तर संपत्ति के अधिकारी और अन्तरकरण (अन्तरिती)
(अन्तरितीय) के बीच है अन्तरण के लिए तर्ह पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से अनुरूप विवरी वाले जीवान उक्त संपत्ति
के अधीन अन्तरकरण अन्तरकरण के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने और सुविधा के लिए;
और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना अपरिहरणीय था, छिपने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की संधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—

(1) डा० सतीशचन्द्र माथुर पुत्र श्री किशन चन्द्र
निवासी 5/516 राजापार्क जयपुर हाल 39
पुरानी कालोनी आगरा

(अन्तरक)

(2) श्री रतन सिंह पाल वल्व श्री हेम सिंह निवासी 2283
झीगुरुपुरा तहा० व जिला मधुरा

(अन्तरिती)

को यह सूची और करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूची के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूची
की तीसील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूची के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही क्र्ष्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराजी वाके मौजा जखोदा तहा० व जिला आगरा जे
खेत नम्बर 0167 रकबई 11/4-6 है जो कि 48000/- रु०
में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 3-10-80

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 16 अगस्त, 1980

निदेश सं० 70 अर्जन/कोच/जालौन—अतः मुझे बी० सो०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मौजा चमरसेना में स्थित
है (और इसमें उपाद्वय अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालौन में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

13-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ठुराइन दुलईया बेवा पत्नी नत्थु निवासी
मौजा चमरसेना पर० कोच किला जालौन
(अन्तरक)

(2) श्री बीरेन्द्र सिंह पुत्र श्री छदपाल निवासी कुमारपुरा
कोच जिला जालौन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम मौजा चमरसेना पर० कोच जिला
जालौन में स्थित है जो कि 45,000/- में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 16-8-80

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 नवम्बर, 1980

निवेश सं० टीड्हार न० 895 ए/प्रलीगढ़/79-80—प्रतः
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ज्लाट है तथा जो जयपुर हाउस में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्ड कृति अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, 4-2-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से
अधिक है और प्रतिरक्त (प्रतिरक्तों) और प्रस्तरितों (प्रस्तरितियों)
के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तर्ण से हुई छिसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन फर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी छरने या उत्तरे वर्ते में पूर्विधा के लिए;
ओर/या

(ख) ऐसी लिही आय या छिसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपशाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामसरन वस्थी पुत्र श्री दोलतराम निवासी
31/281 ब्लेकटोरेट शहर आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती सन्ध्या पत्नातिथा धर्मपत्नी श्री चन्द्रबदन
पत्नातिथा 6 गोरखले रोड कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सके।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अड्डाय 20-क में परिभ्राषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अड्डाय में विया गया है।

अनुसूची

एक किना शहरी नरयहुडुल विला नवरी नं० 233 तजबीजा
बाके जयपुर हाउस स्कोम कालोनी लोहा मन्डी डी० बाई आगरा
में स्थित है जो कि 70,000/- रु० में बैचों गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 18-9-80

मोहर:

प्रकृष्ट अमर्त्य टी-एन-एस-

आयकर प्रबिधियम् 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सत्रायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अगस्त, 1980

निर्देश सं० ९८/प्रजन/उरई/—ग्रन्त: मुझे बी० सी० जदुवेंद्री:
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पक्षात् ‘उचित अधिनियम’ कहा गया है);
की धारा २६९-ब के अधीन समम प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका
उचित बाजार मूल्यः २५,०००/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० ४५४ है तथा जो मौजा एट में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कायलिय जालैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
१९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख १२-२-८०
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया नियमितिका
दृश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत अकृत प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर परिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त परिविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभारी अस्तित्वम् द्वारा प्रकट नहीं नियम गया था या किसी जागीर चाहिए था; जिसके में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपकारण, (1)¹ के अधीन, निम्नलिखित प्रयोगितयों, अर्थात्:—

- (1) श्री हरकराईसाह, मुख धौर सिल्वरी निरंजन निवासी
एट पर० उरई जिला जालौन (प्रदेश)

- (2) कमलेश व राजा भईया नाबालिंग पुत्र श्री
ललू प्रसाद साह ऐट-पर० उरई जिला जालौन
(स्तरित)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोत्तराधिकारी के अर्जन के लिए आवश्यक है।

उन्नत सम्प्रयोग के परिणाम के सम्बन्ध में लेखक श्री आशोप :-

(क) इस सूची के वर्षानुसार में अनुमति की गई तात्परता के 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय अवधियों पर सूचीकृत की गई तात्परता के 30 दिन की प्रतिक्रिया, जो भी अवधि वाले ये सूचीकृत होती है, के भीतर पर्याप्तता अप्प्रतिक्रियों में से किसी अप्प्रतिक्रिया द्वारा;

(ए). इस सुविधा के रासायनिक में प्रकाशन की द्वारीक से 4.5 विल-के अधिकत उत्तरांशन एवं सम्पर्क में विवाह, किसी प्रमुख व्यक्ति, इसल- अवश्यकतामुद्दीपने के प्रस्तुति, विवाहित में नियम या नियमों +

संपर्कोन्नति का अध्याय 20-के परिणामिक
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणामिक
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

三

हाथि भसि मौजा। बदक्कुरा। करूँ उस्त्री जिल्हा जालौन में
स्थित है जो कि 64000/- रुपये में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी

तारीखः १६-८-८०
मोहरः

प्रेसप्र आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर, 1980

निदेश सं 1845-ए/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसको मं० मकान 106 है तथा जो आवासिक कालोनी
बृन्दावन गार्डन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 12-2-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

10—336 GT/80

(1) मैसर्स महालक्ष्मी लैन्ड एन्ड फाइनेंस क० ला० लि०
श्री जिन्दल ट्रस्ट विल्डिंग आसफ अली रोड, नई
दिल्ली द्वारा अशोक छावड़ा पुत्र देशराज छावड़ा
निवासी रिंग रोड नई दिल्ली

(प्रत्यक्ष)

(2) श्रीमती बलविन्द कौर पल्ली दलबीर सिंह के पार
मसर्म बाजावा ट्रान्सपोर्ट कारपोरेशन, गाजियाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्योहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलोकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान भवन 106 स्थित आवासिक कालोनी
बृन्दावन में स्थित है जो कि 1,00000/- रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 7-10-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० 1823-ग/मेरठ / 79-80—प्रतः मुझे, बी० मी०
वंदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
से के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानकर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिमकी सं० 207 है तथा जो वैस्टेन्ड रोड में स्थित है (ग्रोर इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय भेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-80 को पूर्वीत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन या लोगन का यथापवाक्त संपादित का उचित बाजार मूल्य, ज्ञात नहीं है अतः इसका मूल्य इस दृष्टिकोण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धाराविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

कै अन्तरण गे हुड़ किसी आध की बाबत उक्त आध-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में संविध के लिए;
और/य

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधान के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) का अधोन् निम्नालिखित व्यक्तियों वर्थातः—

- (1) श्री ष्याम मनोहर पुत्र श्री स्व० श्री दासोधर दास श्रीमती सन्तोष मनोहर पत्नी श्री ष्याम मनोहर व राजीव मनोहर पुत्र श्री ष्याम मनोहर निवार्ती बैस्ट एच्स रोड मेरठ कैट्ट

(प्रन्तरक)

- (2) श्री अंजयराय जैन पुत्र श्री कल्याण राय जैन व
श्रीमती रेखा जैन पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार जैन
निवासी सदर मेरठ कैन्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पर्क के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के बारा;

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

三

एक किता भकान नं० 207 बैस्टैन्ड रोड मेरठ कैन्ट में स्थित है जो कि 90,000/- में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्थोदी

संक्षेप प्राधिकारी

महायक श्रायकर श्रायक्षत. (निरीक्षण).

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : ६-१०-८०

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 18662-/दादरी 79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संकेत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मूल्य में अकात है तथा जो दादरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 6-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्दर के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(1) श्री चन्द्र शेखर मित्तल पुत्र श्रानन्द प्रकाश मित्तल
निवासी 41 अर्जुन नगर गाजियाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री द्वैदेश कुमार मित्तल पुत्र श्री श्रानन्द कुमार मित्तल
निवासी 41 अर्जुन नगर गाजियाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतः, अब, उक्त प्रकाशित सूचना 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

मोहर:

तारीख : 6-10-80

प्रूष आइ. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

निदेश नं. 1849-ए/हापुड़/79-80—प्रत: मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी स० अहाता है तथा जो कृष्णगंज में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अन्य सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-2-80

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री रामचन्द्र सहाय पुत्र श्री मौजीराम निवासी
उमरावसिंह गैटदिलवर सिंह पो० खास पर०
डासना तह० हापुड़ जिला गाजियाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री ललिताकुमार गोयल पुत्र श्री रामकुमार गोयल
निवासी गांधीरोड पिलखाड़ा पो० खास पर० डासना
तह० हापुड़ जिला गाजियाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्यत्वी

अहाता नं. 402 रक्षा 1089 वर्गेज नई मन्डी कुण्ड
गंज पिलखुआ तह० हापुड़ जिला गाजियाबाद में स्थित है तथा
जो 70,000/- रुपए का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 6-10-80
मोहर:

प्रस्तुप प्राई. टी. एव. एस. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर, 1980

निदेश सं. 27-एस/गाजियाबाद/79-80--अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. 224 है तथा जो चिकम्बरम में स्थित है (और
इसमें उपादान अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन द्वारीख 20-2-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से फूटित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यां, अवार्ता :—

(1) मैसर्स भारत वायर बेटिंग वर्क्स चिकम्बरपुर
माहिबाबाद गाजियाबाद द्वारा भागीदाराम गंगाराम
जैन पुत्र श्री रूपराम जैन निवासी 16/11 शक्ति
नगर देहली व श्री बनारसीदास जैन पुत्र श्री
रूपराम जैन व महेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री बनारसी
दास जैन निं. 4 बी० हरियांगंज देहली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स निर्माण चिट फन्ड एन्ड इनवेस्टमेंट प्रा०
लि० नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री ए०
क० चड्ढा पुत्र श्री किशन चन्द्र निवासी 65/61
डब्ल्यू० ई० ए० न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली है

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अवित्यां पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यां में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही यथे होगा जो उस अन्याय में विदा
गया है।

अनुमूली

मिटी बोर्ड नम्बर 224 स्थित साहिबाबाद चिकम्बरपुर
गाजियाबाद में स्थित है जो कि 70,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

नामिक : 7-10-80

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी ट्री. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं. 1958-ए/हरिद्वार/79-80—अतः मुझे बी. सी. ०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मूल भूमि है तथा जो जगजीतपुर में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 25-2-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिहाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अस्तरक (प्रन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा गथा प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्यय से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी पाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कभी करने या उससे वज्ञने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाधार्य अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन मिह व मन मोहन सिंह पुत्र गण फतह सिंह
नन्था मिह व श्याम सिंह पुत्र रघुबीर सिंह निवासी
ग्राम जगजीतपुर डा० कनकलपुर ज्वालापुर जिला
सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) हिमगिरि सहकारी आवास समिति लि०
पंजीकृत रानीपुर हरिद्वार जिला सहारनपुर द्वारा
श्री वसत शंकर बन्सोर
अध्यक्ष पुत्र शंकरराव बन्सोर व बूज मोहन लाल जैन
मन्त्रिव पुत्र प्रकाश चन्द्र जैन नि० एन्सीलियरी स्टेट
बी० एच० ई० एल० रानीपुर हरिद्वार, जिला
सहारनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाषेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि नं० व 22 तह० रुड़की जिला सहारनपुर में
स्थित है जो कि 152397 ह० में बैची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 3-10-80

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 मिनम्बर, 1980

निदेश नं० 71/अर्जन/अकबरपुर/79-80—अतः मुझे वी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन संसद अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० है तथा जो ग्रामरोगांव अकबर पुर में स्थित है (और इसमें उपांडठ अन्तसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 13-2-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्रीराम दुलारे सिंह पुत्र श्री महेश्वरसिंह निवासी ग्राम रोगाव पो० मगरा पर० अकबरपुर जिला कानपुर।
(अन्तरिती)

(2) श्री मदनसिंह पुत्र श्री रामलाल सिंह निवासी ग्राम कडेणी पो० खास पर० अकबरपुर जिला कानपुर हाल नि० मकान आचार्य नगर कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रोजगारी अकबरपुर जिला कानपुर में स्थित है जो कि 60,000/- रु० में बेची गई है।

मी० सी० चतुर्वेदी
संभाल प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक: 16-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश सं० टी० आर० नम्बर 1113/अर्जन/कानपुर/79-80
—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 22-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक मिलित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया यथा वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की व्यवस्था (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

(1) श्री निजामुद्दीन बन्द पोरवर्हद निवासी 88/282 पा० चमनगंज कानपुर

(अन्तरक)

(2) श्री इरशाद मिर्जा पुत्र श्री शेखर्हद मिर्जा मो० अहमद निवासी 14/6 गुवाल टोला कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 14/24 अन्दरोना अहाता साहनी गेट ग्वालटोली कानपुर स्थित है जो कि 40,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीखः 10-9-80

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन०एस०-----

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निवेश सं० टी० आर० नम्बर 971/प्रज्ञन/79-80—अतः
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो दिर्जाजर मथुरा में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-2-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति गा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्नरिती (अन्नरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अनुरित विवित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुरित से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें चबने में मुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बीरेन्द्र प्रकाश सक्सेना पुत्र श्री स्व० नारायण प्रसाद जी व खुद व मैनेजर कर्ता अन्टेशन फार डिपार्टमेंट आफ एनीमल न्यूट्रीशन कालेज आफ एनीमल सेन्सेज एच० ए० य०० हिसार गुरुदेव पुत्र स्व० नारायण प्रसाद सक्सेना प्रोफेसर कालोनी विक्टोरिया पार्क मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश चन्द्र आग्रवाल श्रीमती भगवान देवी निवासी मकान नं० 420 सब्जीमन्डी सदरबाजार मेरठ ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यालयों कारता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(ग) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या संसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास विवित में किए जा सकते ।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रदूषकी

एक किला मकान, मकान नम्बर 420 सब्जी मन्डी सदर बाजार मेरठ में स्थित है जो कि 4000/- रु० में बेचा गया है ।

श्री० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रूफ आईटी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निदेण सं० टी० प्रा० नम्बर/969/अर्जन/मथुरा/79-80—
अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि न्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है तथा जो मथुरा में स्थित है (और इससे
उपावन्न अनुसूची ने और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता,
अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-2-80

को प्र॒क्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अंतिः—

(1) श्रीमती राजरानी पत्नी श्री गुलाबराज डैम्यर नगर
मथुरा।

(अन्तरक)

(2) श्री वासुदेव प्रसाद चौबे पुत्र श्री मधुरा नाथ चौबे
एवं राजश्री पत्नी श्री वासुदेव प्रसाद चौबे नगला
पाइसा मथुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किला मकान वा मंजिला नं० बाटररेट 103, 106, से
110, 112 एवं 113 ब्लैकफल हैं जो कि 45000/- रु० में बेचा
गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० 36-एस० मेरठ/79-80—अतः मुझे, वी० सी०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सिविललाइन्स में मेरठ में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-2-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पाछह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवार्ता:—

(1) श्री पुष्पोत्तमदयाल पुत्र श्री वज० बटेश्वर दयाल
निवासी 223 न्यू मोहनपुरी शहर मेरठ बहौसियत
मुख्तार आम मिनमजानिम श्री कैलाश चन्द्र दूबे पुत्र
स्व० श्री डो० एन० दूबे निवासी बाऊन्डरी रोड,
मेरठ जरिये मु० आम मवरिखा 21-11-79
(अन्तरक)

(2) डा० डी० पी० जैन (धर्मपाल जैन) सुपुत्र श्री
बाबू राम जैन मुरहम व डा० मीरा जैन पन्नी डा०
पी० जैन मजूकर निवासी ईस्टन कचहरी रोड
शहर मेरठ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पर्वती व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रछायाद 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रछायाद में दिया
गया है।

मनुसूची

662 नौसौ बासठ मुरब्बागजआराजी मुताबिक नक्शा
मनसलका दस्तावेग हाजा बराग बाके अन्दरान अहता कोठी
नम्बर 166 बाऊन्डरी रोड सिविल लाइंस, शहर मेरठ में स्थित
है जोकि 129870 रु० में बेची गई है।

वी० सी० चतुर्वेदी

मक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-10-1980

मोहर:

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निवेदा सं० 37-एस/मेरठ/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो सिविल लाइंस मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 फरवरी, 1980 को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छूट या अर्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री पुरुषोत्तम दयापुरा स्व० पा० बटेश्वर दयाल निवासी 223 न्यू मोहनपुरी शहर मेरठ बहौसियत मुख्ताराम जानिब्र श्री कैलाश चन्द्र दुबे पुत्र श्री स्व० डो० एन० दुबे निं० बाउडरी रोड, शहर मेरठ। (अन्तरक)

(2) श्रीमती मिसीज डा० सरस्वती माली धर्म पत्नी श्री लोकेन्द्र सिंह एडवोकेट व श्री लोकेन्द्र सिंह एडवोकेट पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह व मिस उमारानी पुत्री श्री काशीराम निवासी, अपोजिट नानक चन्द्र कालिज हस्टन कचहरी रोड शहर मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोंकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयहि करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर अधिकारी में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अर्थ अविक्षित द्वारा अधोलिस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

212 पांचसो मुरछागज आराजी बरग सुर्ख हस्त पेमायस व महद्वाजे जेल बाके अन्दरून अहाता कोठी नं० 166 बाउडरी रोड सिविल लाइंस शहर मेरठ में स्थित है जो कि 69120 में बैचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 14 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 13 अक्टूबर, 1980

निवेश सं० 1836-ए०/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 155 है तथा जो अशोक नगर में
स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
1-2-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वस्तुविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, नम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ऊषा कुमारी पत्नी लेफिटेनेंट कर्नल केशरी
सिंह निवासी बी० 155 अशोक नगर गाजियाबाद
तह० जिला गाजियाबाद द्वारा उदयबीर सिंह शास्त्री
पुत्र पुरन सिंह जी निवास स्थान सम्यास आश्रम
गान्धी नगर गा०।

(अन्तरक)

(2) महेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र श्री नरायण दास निवासी
145 पक्की मोरी गाजियाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्थिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्स्वास्थी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय
बज्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 155 ब्लाक बी० क्षेत्रफल 200 गज
न० निमित जिसको ग्राउन्ड फ्लोर निमित है तथा फ्लर्स फ्लोर
अधूरी है स्थित कालोनी अशोक नगर गाजियाबाद में स्थित है
जोकि 91,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-10-1980

मोहर:

प्रूरुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

निदेश सं० जी० आर० नं० 975/अर्जन/79-80—अतः

मुझे भी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो डीगेट मथुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-9-80 को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छहमास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

(1) श्री बाबूशाह व बुन्द शाह पुत्र गण चन्द्र शाह व मु० जैन व पुत्री चन्द्र शाह व नूरशाह व नन्नेशाह व बसलुदीन इमामुदीन शाह व मु० अल्लारखा बेवा मुवरातीशाह निवासी डीगदर बाजार शहर मथुरा (अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद सुलतान पुत्र श्री हाजीनूरबख्श व मोहम्मद आलमगीर पुत्र मोहम्मद सुलतान व मोहम्मद मुशताक पुत्र श्री मोहम्मद सुलतान व नवाब भाई पुत्र हाजी अब्दुल मोहम्मद इस्लाम पुत्र हाजी नूरबख्स निवासी मनोहरपुरा मथुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन वर्ग गज 708 वर्गमीटर बागाहाणा ह का हाराजर मथुरा में स्थित है जो कि 10,000/- रु. में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 7-10-80

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एंट०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1980

निवेश सं० 974 ए/अर्जन/मथुरा/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो डीगदरबजा मथुरा में स्थित
है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-2-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित रो गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रायोक्तव्यत सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और घस्तरक
(पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय पा किसी बन पा अन्य अधिकारियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, पा धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
पा पा किया जाना चाहिए पा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषादा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्री बाबू शाह व बन्दूशाह पुत्र गण चन्दू शाह व
मु० जैन व पुत्री चन्द्रा शाह व नूरशाह व नन्हे शाह
व बमलुदीन इमुदीन उपलौला पुत्रगण सुवराती
शाह व मु० अल्लारखी बेवा सुवरातीशाह निं०
डीगदरबजा शहर मथुरा

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद मुलतान पुत्र श्री नूरबख्श व मोहम्मद
आलमगीर पुत्र मोहम्मद मुलतान व मोहम्मद
मुश्ताक पुत्र श्री मोहम्मद मुलतान व नवाब भाई
पुत्र हाजी अब्दुल बताक व मुश्ताक भाई पुत्र हाजी
अब्दुल ताफ व मोहम्मद इसलाम पुत्र हाजीनूर बख्श
निवासी मनोहरपुरा जिला मथुरा

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या सत्सम्बन्धी अक्षियों पर
सूचना की तारीख मे 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोदस्ताकरों के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जमीन क्षेत्रफल 2195 वर्गमीटर
नम्बरी बाटर रेट 326 बाके डीगदरबजा मथुरा में स्थित जो कि
20,000 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 6-10-80

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं. 3603-ए/कानपुर/80-81:—अतः मुझे, वी.०. मी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं. प्लाट 50 है तथों जो गान्धी ग्राम कानपुर
में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 1 फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके दह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया ग्राम प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुयाया
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशासा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती जगद्मा देवी पत्नी जमुना प्रसाद निवासी
77/7 गान्धी ग्राम कानपुर।

(अन्तरक)

2. खरीदने वालों के नाम

1. श्रीमती विन्देश्वरी गुप्ता पत्नी श्री रमेश चन्द्र गुप्ता
निवासी 68/18 लोकमन पुरवा कानपुर।

2. श्रीमती सर्वदेव निवासी गुड्रिया मोहल कानपुर।

3. श्री बनवारी लाल पुत्र श्री बसन्त लाल पाल नम्बर
6 छवेलीपुरवा कानपुर।
4. राजीव ठड्डन 104/356 रामबाग कानपुर।
5. श्री प्रभुदयाल पुत्र बाबूराम निवासी 71/180 सुतर
खाना कानपुर।
6. श्रीमती चन्दा कुमारी पत्नी गंगारत्न निवासी 20
गंगबैठ पुरवा, कानपुर।
7. श्रीमती निर्मला देवी पाल पत्नी रमाकाल्त ठड्डन
निवासी 104/356 रामबाग कानपुर।
8. श्रीमती कृष्णा देवी पाल पत्नी श्री राम नारायण
पाल नि० 104/5 बी कर्नलगंज कानपुर।
9. श्रीमती अंजमी देवी जायसवाल पत्नी रामशंकर
जायसवाल नि० 62/14 हरबन्स मोहल कानपुर।
10. श्रीमती माया देवी जायसवाल पत्नी साहबदीन
जायसवाल नि० धनपतगंज जिला सुलतानपुर।
11. श्रीमती प्रभावती पत्नी मंगला प्रसाद शर्मा 55/60
काहूकोठी कानपुर।
12. श्रीमती राजेश्वरी गुप्ता पत्नी सत्यनारायण गुप्ता
नि० 61/44 सीताराम मोहल कानपुर।
13. श्री शिव बहादुर सिंह पुत्र श्री सुखनन्दन सिंह निवासी
जगद्मा सर्विस सटेशन वाईपास रोड लालबंगला
कानपुर।
14. श्रीमती रामवती गुप्ता पत्नी सीता राम गुप्ता
68/160 लोकमान मोहल कानपुर।
15. श्री राम सेठी पुत्र रामनाथ निवासी 71/9 सुतर
खाना कानपुर।
16. श्रीमती रामादेवी पत्नी कैलाश सिंह निवासी 62/1
हरबन्स मोहल कानपुर।
17. श्रीमती कलेन्दी शर्मा पत्नी सभाजीत शर्मा निवासी
55/60 काहूकोठी कानपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वहों कर्त्ता होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

17 प्लाट नं० 50 गांधी ग्राम जिला कानपुर में स्थित है जो कि 2,12,670 रु० बेची में गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 3-11-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रश्नोत् शुल्क

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० 74/फिव/80:—अतः मुझे ओ० आनन्दराम,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रश्नोत् सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्पावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० 38 रामकृष्णा स्ट्रीट है, जो मद्रास में
स्थित है (और इससे उपाखड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट मद्रास
(डाक नं० 97/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का
पन्थप्रतिग्रह से प्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरिकों) भीर
ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिक्रिया निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रश्नोत् कर देने के अन्तरके के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
द्वन्द्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाबंधे ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के ग्रन्तरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
प्रश्नोत् निम्नतिवित अविभागों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती बी० जयालक्ष्मी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुमताज बेगम।

(अन्तरिती)

तो यह दुवा जारी रहने पूर्वी विवरित हो प्रश्नोत् के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रश्नोत् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन दुवाएँ के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविभागों पर
मूल्यका की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविभागों में से किसी अविभाग द्वारा;

(ब) इन दुवाएँ के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रवृत्ति द्वारा प्रवृत्तिहस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

राज्योऽप्य:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होता है उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शुक्रमेंद्र नं० 97/80 एस० आर० ओ० सौकारपेट, मद्रास।
भूमि और निर्माण डोर नं० 38, रामकृष्णा, स्ट्रीट, मद्रास-1।

जी० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

दिनांक : 30 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

सं० 82/फि०/80:—अतः, मुझे ओ० आनन्द्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति विक्री उचित वाजार मूल्य 25,000/-
ह० से प्रधिक है।

और जिसकी सं० 38 है एकांबरस्वरार अग्रहारम स्ट्रीट,
सौकारपेट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कायालिय, सौकारपेट मद्रास, (डाक नं० 60/80) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
16 फरवरी, 1980,

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तथा याया गया ऐसे
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:-।

(1) श्री सी० रंगराजन।

(अन्तरक)

(2) मदु इण्डस्ट्रीज प्रो० श्री मेगराज।

नं०-2, मनोतमाती अमल रोड, किलपाक, मद्रास-10

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में घटायी द्वारी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

दस्टोहरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की नावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 60/80 एस० आर० ओ० सौकारपेट
मद्रास भूमि और निर्माण डॉर नं० 38 एकांबरस्वरार
अग्रहारम स्ट्रीट। सौकारपेट मद्रास।

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

ओ० आनन्द्राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

ग्रन्तः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रसंग आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री टी० मुख्या मदलियर पेरमल

वादाक्षर मादा विधी तिन्नेलबेली

(अन्तरक)

(2) बी० जगराम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

सं० 21/मई/80:-यतः, मुझे, श्रो० आनन्द्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 21, 22, 25 और 26 वप्पारपेटी पेराची
अम्मन कोपिल स्ट्रीट पालमकोटी, तिन्नेलबेली में स्थित
है, (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1
पालमकोटी (डाक नं० 1071/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मई
1980,

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि पथ्यपूर्वांकित सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के पद्धतियों में कोई भी व्याप्ति:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस गुच्छा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षी ग्रन्थः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 फ में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उन व्यापार में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर नं० 21, 22, 25 और 26
वप्पारपेटी, पेराची अम्मन कोपिल स्ट्रीट पालमकोटी तिन्नेल-
बेली।

श्रो० आनन्द्राम,
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 मद्रास।

दिनांक 6-10-1980

मोहरः

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

सं० 15162 अतः मुझे राधा बालकूलं,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
 और जिसका सं० 60, है, जो फुरमवायाम रोड, मद्रास-7
 में स्थित है (आंग इमेस उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नारत (डाकु-
 मेंट्स 628/80) में भारत रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, 16 फरवरी, 1980
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत है प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
 ऐसे अंतरण के तिर तभी गरा गरा प्रतिकर निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त गतारण निवित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उपरे बढ़ने में तुलिधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आम्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचातु:—

- (1) श्री पौ० एस० बौ० सुब्रह्मण्यम् ।
 (अन्तरक)
 (2) श्री एन० बौ० शा० एस० पौ० शा०
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्याकारी के पात्र लिखित
 में किए जा सकेंगे।

संशोधीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 60, पुरमवालम है रोड मद्रास-7
 (डाकुमेंट सं० 628/80)

राधा बालकूलं,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 13 अक्टूबर 1980
 मोहर:

प्रलूप प्राइंटी० टी० एन० एस०—

(1) श्रो पो० टी० कुरियन् ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्रो सारम्भा साम्राज्यिक चैरियन् ।

(अन्तरित)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं० 10689 यतः मुझे गाधा बालकूपन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विष्वास फरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 963 ए, है, जो वेस्ट बुरी रोड ऊटे में स्थित है और इससे उपावढ़ में और पूर्ण रूप में विभिन्न है), रजिस्ट्री न्यू अधिकारी के कार्यालय, ऊटी (डाकुमेंट सं० 1840/80) में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1980 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता है।

सका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजसंवाद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस मूच्छना के राजसंवाद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधीक्षित द्वारा अन्तरिती के पाया लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही प्रथ्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण 963 ए०, वेस्ट बुरी रोड, ऊटे (डाकुमेंट सं० 1840/80) ।

(ख) ऐसी फिसी प्राय या फिसी बत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकूपन्,
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित अविक्तियों, प्रथमतः:—

तारीख: 10-10-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

(1) श्री आर० घुरुतात श्रेयर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रनव हेव मेहना

(यन्तरितः)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं० 15158 आ०: मुझे राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

ओर जिसके सं० आर० एस० सं० 3125/5, है, जो बार-
नकी रोड मद्रास-10 में स्थित है (ओर इसे उपावद में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्स अधिकारी के
कार्यालय, फुग्सवार्डन (डाकुमेंट सं० 256/80) भारतीय
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है ओर अन्तरक (अन्तरकों) और
प्राक्तरिती (प्राक्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिक्षण
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुस्त्री

भूमि और निर्माण आर० एस० सं० 3125/5, बारनबो
रोड, मद्रास-10 (डाकुमेंट सं० 246/80)

राधा बालकृष्ण,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 10 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 7995—प्रतः मुझे राधा बालकृष्णम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 8, है, जो मीट्र० III लेन मद्रास-18 में स्थित है (प्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, मोलापुर (डाक्युमेंट सं० 291/80); भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है प्रीर पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; प्रौर्या

(घ) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या प्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधैं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, प्रर्यातः—

(1) श्री आचार्य श्रादेय ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० ललिता ।

(अन्तरित)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्याद्वियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी प्रन्थ अवक्ति द्वारा, प्रत्रोदस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर्या का, जो उक्त अधिनियम के ग्रहणाय 20-क में परिभासित है, वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रहणाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 8, मीट्र० III लेन, मद्रास-18।
(डाक्युमेंट सं० 291/80)

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 10 अक्टूबर 80

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय नहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 अक्टूबर 1980

सं० 7993—यतः मुझे राधा बालकूण्ठ
आयकर प्रधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के
अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है,

और जिसकी सं० 8, मुतुआडियन है, जो अवेन्यू मद्रास-4
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), राजनीती अधिकारी के कार्यालय, मेलापुर (डाकूमेंट
सं० 319/80) में भारतीय राजनीतीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, फरवरी 80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूषयमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूषयमान
प्रतिफल से, ऐसे दूषयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रत्यरण के सिए तर्थ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक रूप से
कषित नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से दूई किसी भाय नी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरक्त के विधिव में
कमी करने या उसे द ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रमुखरूप में;
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री शी० विनयमोहन।

(अन्तरक)

(2) श्री केपटन हेनडू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अधिकता द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

संबंधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मूरि पोर टिर्पिंग 8, मुतुआडियन अवेन्यू, मद्रास-4
(डाकूमेंट सं० 319/80)

राधा बालकूण्ठ
मक्षम प्राधिकारी
नहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 6 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री बी० वा० एल० नारायण राव ।
(अन्तरक)
(2) श्री पी० कोविंडस्वामी ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , मद्रास
मद्रास, दिनांक 27 मितम्बर 1980

मं० 7987:-अतः मुझे गधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसका सं० 116, स्ट्रीट है, जो आविरामपुरम
मद्रास-28 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मेलापुर (डाकमेंट सं० 360/80) , भारतीय रजिस्ट्रेकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी,
1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अंभास्तुः—

13—336 GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 116, IV स्ट्रीट, आविरामपुरम,
मद्रास 28, (डाकमेंट सं० 360/80)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

विनांक: 27-10-1980

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं० 8931:—अतः पुरो बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आय० एम० सं० 127/1, अरमणारतपुरम है जो ओलुकरै में स्थित है (ओर इसमें उपाख्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, पाइडेंस (डाकमेट सं० 373/80) में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिभान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री एम० अलेक्सांडर रामलिङ्गम अलेक्सांडर जगड़ामबाल।

(अन्तरक)

(2) मुन्द्ररा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की सारीष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्द्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभार्यत हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

भूमि आम सं० 127/1, अरमणारतपुरम, ओलुकरै (डाकमेट सं० 373/80)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, मद्रास

दिनांक : 10 अक्टूबर 1980
मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्री अलेक्सांडर रामलिंगम अलेक्सांडर जगठाम-
बाल।

(अन्तरक)

(2) श्री मेरी जोमफिन उगुना।

(अन्तपिंगी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

दिनांक 10 अक्टूबर, 1980

सं. 8931:—अन: मुझे राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर० एम० सं. 127/13, है, जो अरम-
पारतपुरम, ओलुकरै में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में
और पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय पाडिचेरी (डाकूमेंट सं. 374/80) में भारतीय
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन
16 फरवरी, 1980

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत : अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दूष किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शाश्वत में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जनकृती

भूमि और निर्माण आर० एम० सं. 127/1, अरम-
पारतपुरम, ओलुकरै (डाकूमेंट सं. 374/80)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
लहावक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10-10-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

प्रूप आइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती सठकटुल्ला

(अन्तरेक)

2. श्री मोहम्मद सुलेमाण।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निवेश सं० 15099—अतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23, है, जो पोन्नप्प मुदली स्ट्रीट मद्रास-84
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्स प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ
(डाकमेंट सं० 1091/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-
नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 फरवरी, 1980
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
क्षम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

को मह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आवृद्ध था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण-23 पोन्नप्प मुदली स्ट्रीट, मद्रास-84
(डाकमेंट सं० 1097/80)।

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 10-10-1980

मोहर

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्यर्थतः:—

प्ररूप आई० दी० एन० एस०

1. श्री आर० नारायण अर्थनगार

(अन्तरक)

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ठाकुर राम नारायण।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

निदेश सं० 10683—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 11/86 है, जो विवेकानन्द रोड़, कोयम्बटूर
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुभूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर
(डाकुमेंट सं० 805/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1980।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि और निर्माण-11/86, विवेकानन्द रोड़, कोयम्बटूर
(डाकुमेंट नं० 805/80)।

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 10-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- ; मद्रास

मद्रास, दिनांक, 23 अक्टूबर 1980

निदश सं० 15101—अनं॒, मुझे, राधाबालकृष्णन्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 93, है, जो लाउंस रोड़ मद्रास-14 में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट
सं० 1385/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आपनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;)

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनादन में, भौं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री सी० ज० हेवलट और सन।

(अन्तरक)

2. दादा रासटेट्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य क्षारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोरुस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुबूधि

भूमि और निर्माण-93, लाउंस रोड़ मद्रास-14 (डाकुमेंट सं० 1385/80)।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- ; मद्रास

दिनांक : 23-10-1980

मोहर :

प्रूप आई. टी. एन. एस. —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

1. पठमनापन और अदर्स
(अन्तरक)
2. हमीठुधनी और अदरस।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 15147—अतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 675 है, जो माऊंट रोड मद्रास-6 में स्थित
में स्थित है (और इससे उपावन्दी अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ
डाकुमेंट सं० 402/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
पूर्व विवरण द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 675, माऊंट रोड मद्रास-6
(डाकुमेंट सं० 402/80)

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, भूमि और निर्माण की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक: 23-10-1980
मोहर:

प्रस्तुत वार्ष. टी. एन. एस.-----

1. श्री टी० गम सुलेमान और अदर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. नेशनल आयरन फ्रेडर्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, 23 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 10710—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 384/5 है, जो कुमा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर
(डाकुमेंट सं० 1280/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1980।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहृदयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलेस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अन्तरण

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि जी० एस० सं० 384/5 कुर्ची (डाकुमेंट सं० 1280/
80)।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 23-10-1980

मोहर:

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री टी० एम० मुलैमान और शदर्स। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. नेशनल आयरन ट्रेइंस (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 10710—अतः मुझे, राधा बालकृष्णम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपिधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 384/5 है, जोड़ कुरिच में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 1275/80) म, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उम्भारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

14—336GI/80

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वाक्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एस० एफ० सं० 384/5, कुरिची (डाकूमेंट सं० 1275/80)

राधा बालकृष्णम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 23-10-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईटी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर, 1980

निदेश सं 15159—अतः, मुझे, राधा बालकृष्णनम्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं 133, है, जो विनियित मुदली स्ट्रीट,
मद्रास-7 में स्थित है (और इससे उपायदूषन सूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पुरस्वाख्यम् (डाकूमेंट सं 207/80) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या;

(b) ऐसी किसी आय पा किसी धन पा अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया पा या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षित:—

1. श्री बी० रामदुर्गे

(अन्तरक)

2. श्री ए० आर० श्रीनिवासन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के
लिए आयंवाहियो बरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी घासेवः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण 133, विनायाधीर मुदली स्ट्रीट, मद्रास
(डाकूमेंट सं 207/80)

राधा बालकृष्णम्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 23-10-1980

मोद्दूर:

प्रस्तुप घाई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर, 1980

निवेश सं० 10700—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकान प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरक्षित विकास उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से प्रधिक है।

और जिसकी सं० मुक्कवारपेट स्ट्रीट है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 1169/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाण प्रतिक्रिया से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कठित नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, तिसमें में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण मुक्कवारपेट स्ट्रीट कोयम्बटूर।
(डाकूमेंट सं० 1169/80)

राधा बालकृष्णन्,
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्चात् :—

1. श्री बी० पलनिस्थामी और श्रद्धा। (अन्तरक)

2. श्री सीनियम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पर्याय व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीख: 23-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एस०----

1. श्री पलनिस्वामी चेट्टियार और अर्दसे। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री परिमलम अम्माल

269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 10700—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सुक्रवारपेट स्ट्रीट है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर डाकूमेंट सं० 1170/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तररण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तररण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरो फरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्बंध में कोई भी आभेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति या तर्स्यबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा ग्राहीहस्ताक्षरी के पास भिजित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तररण से हुई किसी धाय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि श्रीर निमाण सुक्रवारपेट स्ट्रीट, कोयम्बटूर।
(डाकूमेंट सं० 1170/80)

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-ष के प्रमुखरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 23-10-1980

मोहर:

प्राप्त आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री इमुदीन और अदर्स। (अन्तरक)

2. श्री मोहियदीन और अदर्स। (अन्तरित)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर, 1980

निकेश सं० 7991—या०, मुझे, राधा बालकृष्णम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुए से अधिक है और जिसकी सं० 20, है, जो पीटरस रोड, मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर डाकूमेंट सं० 337/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरेती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है।

(क) प्रत्येक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धानकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों पर्याप्त हूँ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी अक्षियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षियाँ द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षियाँ द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लाइटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 20, पीटरस रोड, मद्रास-14।
(डाकूमेंट सं० 337/80)

राधा बालकृष्णम्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 23-10-80

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री आर० सायम्माल

(अन्तरक)

2. श्री वल्लियम्माल और अदसं।

(अन्तरिती)

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निवेश सं० 10679—यतः मुझे, राधा बालकृष्णम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14, है, जो ऐलिमेंटरी स्कूल I स्ट्रीट, करुवमपालयम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली (डाकूमेंट सं० 388/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरती (अन्तरिरतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षोपः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 14, ऐलिमेंटरी स्कूल I स्ट्रीट,
करुवमपालयम (डाकूमेंट सं० 388/80)

राधा बालकृष्णम्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-, मद्रास

तारीख: 23-10-89

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० 8928—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नियू सिनिमा मुतुरामन चेट्टीयार स्ट्रीट, है, जो कारैकुठि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारैकुठि (डाकूमेंट सं० 58/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फँद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरह के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या छिसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अधीतः—

1. श्री कृशनप्प चेट्टीयार (अन्तरक)

2. श्री वीरप्प चेट्टीयार और अदर्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्या नं.:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि निर्माण, मेशिनरी—नियू सिनिमा मुतुरामन चेट्टीयार स्ट्रीट, कारैकुठि।

(डाकूमेंट सं० 58/80)

राधा बालकृष्णम्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राप्ति ३० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निदेश सं. 10726—यतः मुझे, राधा बालकृष्णम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं. 14/16 ई०, और 16 ई२, है, जो सेनगनूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कायलिय, सादिपुरम (डाकूमेंट सं. 444/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नसिद्धित उद्देश्य से उच्च अन्तरण निश्चिन में बास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भूमि सेट ए०, सेनगनूर (डाकूमेंट सं. 444/80)

राधा बालकृष्णम्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

यतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुत्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिद्धित अवित्तियों, अर्द्धतः—

तारीख : 23-10-80
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 10719—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णम्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 519 है, जो सूरियम-
पालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 304/80) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—336GL/80

1. श्री कमल इण्डस्ट्रीज

(अन्तरक)

2. श्री मुरुगपा मणिकिंग मिल्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण एस० एफ० सं० 519, सूरियम-
पालयम। (डाकूमेंट सं० 304/80)

राधा बालकृष्णम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 23-10-1980

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 10716—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन पश्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रधिक है

और जिसकी सं० जी० एस० 131 और 132 है, जो सेनगनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, घासिपुरम (डाकूमेंट सं० 455/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के पश्चात् प्रतिक्रिया में परिवर्तित हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निर्माणिक्रिया उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं हिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपरे बचने में दुष्कृति के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य प्राप्तियों को, जिसने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिया जाना चाहिए था, छिपाने में दुष्कृति के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ के अनुसरण में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

1. श्री मरुद्वाला
(अन्तरक)

2. श्री जी० मुन्दरराजन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तानसी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख भव्यों और व्यक्तियों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रधायाय में लिया गया है।

अनुसूची

भूमि जी० एस० सं० 131 और 132 सेनगनूर।
(डाकूमेंट सं० 455/80)

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-10-1980

मोहर:

प्रक्रम नं. १०८० एक० एक०

१. श्रीमती प्रभिला चतुरम् ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-व (1) के अधीन सूचना

२. श्री चन्द्र रमेश लूहला ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निदेश सं. 15145—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 53, है, जो चामियरस रोड, मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाक्यूमेंट सं. 520/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1980 को पूर्वोक्त सूचना के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अत्यरिक्त की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सूचना का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की उक्त अन्तरण के अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सारितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अवतः :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेश में कोई भी अवधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकतयों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतयों में से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संवत्सर में हितवद्धु किसी भूम्य अधिकता द्वारा, अधिकृत स्थावर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण —53, चामियरस रोड, मद्रास-28।
(डाक्यूमेंट सं. 520/80)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 23-10-1980

मोहर :

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निवेश सं० 10668—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 9/1 ए० ए०-३ है, जो आनंदलै हिल्स में स्थित है (और इससे उपावज्ज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनंदलै (डाकूमेंट सं० 279/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए कल्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री सी० एम० लैला (अन्तरक)
2. श्री एम० के० सुश्रमनियन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—एस० एफ० सं० 9/1ए०, ए१ ए० ३, आनंदलै।
(डाकूमेंट सं० 279/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 23-10-1980
मोहर

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०----
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-प(1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जेन रेंज, कानपुर
 कानपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1980
 निदेश सं० 3603-ए०/कानपुर/80-81—अतः मुझे,
 बी० सी० चतुर्वेदी,
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सम्पत्ति प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
 अधिक है।
 और जिसकी सं० 50 है तथा जो गान्धी ग्राम में स्थित है
 (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कानपुर में,
 रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, तारीख 1-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान
 प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और मुझे यह विवास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पम्भूह प्रतिगत
 से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 पैर वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसा आय को बाचन, उक्त प्रधि-
 नियम के अधीन कर दिए के प्रत्यरूप न अपित्र में
 कमी करने या उपर्युक्त बचने में सुविधा के लिए;
 और/या
- (ख) ऐसो रियो आय या निसो वह या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
 घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती जगदम्बा देवी पत्नी जमुना प्रसाद निवासी
 77/7 गान्धी ग्राम, कानपुर। (अन्तरक)
 - (1) श्रीमती बिन्देश्वरी गुप्ता पत्नी श्री रमेश चन्द्रा
 गुप्ता निवासी 68/18 लोकमन पुर्व, कानपुर।
 - (2) श्रीमती सर्वदेव निवासी गुडरिया मोहल
 कानपुर।
 - (3) श्री बनवारी लाल पुत्र श्री बसन्तलाल पाल
 नवम्बर 6 छवेलीपुरवा कानपुर।
 - (4) राजिव टन्डन 104ए०/356 रामबाग, कानपुर।
 - (5) श्री प्रभुदयाल पुत्र बाबूराम निवासी 71/
 180 मुतरखाना, कानपुर।

(6) श्रीमती चन्द्रा कुमारी पत्नी गंगारत्न निवासी
 20, चतुर्वेदी पुरवा, कानपुर।

(7) श्रीमती निर्मला देवी पाल पत्नी रमाकान्त
 टन्डन निवासी 104ए०/356 रामबाग, कानपुर।

(8) श्रीमती कृष्णा देवी पाल पत्नी श्री रामनारायण
 पाल निं० 104/5वी० कोलोनलगंज, कानपुर।

(9) श्रीमती अंजली देवी जायसवाल पत्नी रामशंकर
 जायसवाल नि० 62/14 हरबन्स मोहन, कानपुर।

(10) श्रीमती माया देवी जायसवाल पत्नी साहब-
 दीन जायसवाल नि० धनपतगंज जिला मुलतानपुर।

(11) श्रीमती प्रभावती पत्नी मंगला प्रसाद शर्मा
 55/60 काहूकोठी कानपुर।

(12) श्रीमती राजेश्वरी गुप्ता पत्नी सत्यनारायण
 गुप्ता नि० 61/44 सीताराम मोहन, कानपुर।

(13) श्री शिव बहादुर सिंह पुत्र श्री सुखानन्दन सिंह
 निवासी जगदम्बा सर्विस स्टेशन बाईपाल रोड़, लाल बंगला,
 कानपुर।

(14) श्रीमती रामवती गुप्ता पत्नी सीताराम गुप्ता
 68/169 लोक लोकमन महल कानपुर।

(15) श्री राम सेठी पुत्र रामनाथ निवासी 71/9
 मुतरखाना, कानपुर।

(16) श्रीमती रामा देवी पत्नी कैलाश सिंह निवासी
 62/1 हरबन्स मोहल, कानपुर।

(17) श्रीमति कलेन्दी शर्मा पत्नी समाजीत शर्मा
 निवासी 55/60 काहूकोठी, कानपुर। (अन्तरिती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के
 लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

17 प्लाट नं० 50 गान्धी ग्राम जिला कानपुर में स्थित
 है जो कि 2-12-670 रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-11-1980

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th October 1980

No. A-32013/3/79-Admn. I.—In continuation of Union Public Service Commission's notifications of even number dated 22-2-1980 and 15-7-1980, the President is pleased to appoint Shri M. K. Bhagwat, a permanent Grade I Officer of the C.S.S. (of the Cadre of the Union Public Service Commission) as Deputy Secretary in the Office of the Union Public Service Commission, on an *ad hoc* basis for a further period of three months with effect from 24-8-1980 to 23-11-1980, or until further orders, whichever is earlier.

No. A-32013/2/80-Admn. I.—In Partial modification of Union Public Service Commission's notification No. 38013/3/80-Admn. I(i), dated 30-9-80, the President is pleased to appoint Shri D. P. Roy, a Grade I Officer of the C.S.S. (of the Cadre of the Union Public Service Commission) as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, on a regular basis, with effect from 2-7-1980 and until further orders.

The 27th October 1980

No. A-32013/2/80-Admn. I.—In continuation and in partial modification of Union Public Service Commission's notification No. A-32013/3/80-Admn. I(i), dated 30-9-1980, the President is pleased to appoint the following officers of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on an *ad-hoc* basis in Grade I of the Central Secretariat Service, for the periods shown against each, or till further orders, whichever is earlier:—

| S. No. | Name of officer | Period |
|--------|--------------------|-------------------------|
| 1. | Shri P.C. Mathur | 25-7-1980 to 31-10-1980 |
| 2. | Shri T.M. Kokel | 1-8-1980 to 31-10-1980 |
| 3. | Shri S. Srinivasan | 2-8-1980 to 28-10-1980 |
| 4. | Shri M.S. Chhabra | 1-8-1980 to 25-9-1980 |

S. BALACHANDRAN
Dy. Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
New Delhi, the 31st October 1980

No. A-19021/9/80-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri D. C. Sinha IPS (BH-SPS) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 13-10-1980.

O. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE
New Delhi, the 29th October 1980

No. F. 8/1/79-Estt(CRPF).—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. H. Kumaraswamy, General Duty officer Grade-II of the C.R.P. Force with effect from the forenoon of 23-11-1978.

A. K. SURI
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, 28th October 1980

No. E-29020/24/79-G.A.I.—The President is pleased to appoint Shri N. L. Gupta, substantively as Asstt. Commandant in the Central Industrial Security Force with effect from 29-11-1979.

The 29th October 1980

No. E-38013(2)/1/80-Pers.—On transfer from FACT (Udl) Shri M. K. Raju assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, Cochin Port Trust, Cochin w.e.f. the forenoon of 1st October, 1980 vice Shri U. C. Ramanujan, who on repatriation to Tamil Nadu State Police relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

SURENDRA NATH
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 30th October 1980

No. 11/59/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri M. P. Ranga Reddy, an officer belonging to the Government of Andhra Pradesh, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 26th September, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Reddy will be at Hyderabad.

No. 10/17/80 Ad. I.—The President is pleased to appoint the undermentioned Investigators in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Research Officer in the same office, by transfer on deputation, on a purely temporary and *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of the 8th October, 1980, to the 30th September, 1981, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

- 1. Shri B. S. Verma
- 2. Shri M. V. Rao

The headquarters of S/Shri Verma and Rao will be at New Delhi.

No. 11/15/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri S. V. Katti, an officer belonging to the Karnataka Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operators, Karnataka, Bangalore, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 1st October, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Katti will be at Hassan.

No. 11/36/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri V. G. Rele, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 3rd October, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Rele will be at Meerut.

No. 11/37/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Investigators in the Offices of the Director of Census Operations in States as mentioned against them, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the date(s) as mentioned against their names, or till the posts are filled on regular basis, whichever period is shorter:—

| S. No. | Name of the officer | Office in which working | Date of appointment |
|--------|---------------------|-------------------------|---------------------|
|--------|---------------------|-------------------------|---------------------|

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|---------------------------|---|-----------------|
| 1. | Shri Nirmal Bhattacharjee | Director of Census Operations Assam | 29-9-80 (FN) |
| 2. | Shri J. C. Datta | Director of Census Operations, Nagaland | 29-9-80 (FN) |
| 3. | Shri G. C. Mishra | Director of Census Operations, Bihar | 29-9-80 (FN) |
| 4. | Shri K. K. Sharma | Director of Census Operations, Andhra Pradesh | 26-9-80 (FN) |

2. The above-mentioned *ad-hoc* appointments will not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operation (T). The services rendered by them on *ad-hoc* basis, will not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

3. The headquarters of S/Shri Bhattacharjee, Dutta, Mishra and Sharma will be at Gauhati, Kohima, Patna and Hyderabad respectively.

No. 11/37/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Meena Investigator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 29th September, 1980, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Meena will be at Patna.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Meena any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on *ad hoc* basis shall not be count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA
Deputy General Manager

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 30th October 1980

No. BNP/C/580.—Shri S. C. Gupta, Junior Accounts Officer of the Office of the Controller of Accounts, Ministry of Finance, is appointed on deputation as Accounts Officer in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 14-10-80 (FN) for a period of one year.

M. V. CHAR
Deputy General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 22nd October 1980

No. Admn. I/326.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to accept the notice of retirement dated 11-9-1980 served by Shri G. Subramanyan, Welfare Officer and permit him to retire from Government service with effect from 1-1-1981 forenoon vide Rule 48 of CCS (Pension) Rules 1972.

(Authority : AG.I's orders dated 10-10-1980).

No. OE.I/327.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent section officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the dates noted against each :

S/Shri

1. K. C. Sharma (02/266)—10-10-1980 (forenoon).
2. V. K. Agnihotri (02/268)—8-10-1980 (afternoon).

No. Admn. I/328.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to accord proforma promotion to Shri D. T. Hingorani (02/267) Section Officer as Accounts Officer in the officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 8-10-1980 afternoon, i.e. the date from which his next junior Shri V. K. Agnihotri (02/268) Section Officer has been promoted as Accounts Officer in this office.

No. Admn. I/331.—Shri S. Ramaswami, a permanent Accounts Officer of this office and at present on deputation in the Ministry of Rehabilitation, Government of India, New Delhi, as Finance and Budget Officer is permitted to retire from Government service with effect from 31-10-1980 afternoon on attaining the age of superannuation.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE C.D.A., CENTRAL COMMAND
Meerut, the 30th October 1980

No. AN/1/1112-Ter.—In pursuance of sub rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Km. J. Uma, Ty. Auditor, A/c No. 8312955, serving in the Office of the Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut, that her services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published or, as the case may be, tendered to her.

B. N. RALLAN
Controller of Defence Accounts,
Central Command, Meerut

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS

Bombay-400 020, the 28th June 1980
ORDER

No. Additional/05/023294/AM-81/L/EP-Policy.—Additional Licence No. P/W/2927023 dated 12th May, 1980 for a value of Rs. 26,74,000/- was issued to M/s. Multiweld Wire Co. Pvt. Ltd., Bombay.

Thereafter a Notice No. Addl/Lic/05/02394/AM-81/EP-Pol./473 dated 4-6-1980 was issued requiring the Licensee to Show Cause within 15 days as to why the aforesaid licence issued in their favour should not be cancelled in terms of Clause 9, Sub-clause (a) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended till date on the ground that the licence was issued by inadvertence or mistake.

In reply to the Show Cause Notice M/s. Multiweld Wire Co. Pvt. Ltd., Bombay asked for a personal hearing on 13-6-1980 which was granted. At the time of personal hearing or in the reply to the Show Cause Notice the Company had not adduced any reason against cancellation of the licence.

The undersigned has come to the conclusion that the above mentioned Licence No. P/W/2927023 dated 12-5-1980 was issued by inadvertence or mistake.

Having regard to what has been stated in the preceding paras, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled and therefore the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9, Sub-clause (a) of the Import (Control) Order 1955 dated 7-12-1955, hereby cancel the licence mentioned above issued in favour of M/s. Multiweld Wire Co. Pvt. Ltd.,

To

M/s. Multiweld Wire Co. Pvt. Ltd.,
59, Marol Marostic Road,
Bombay-400059.

G. R. NAIR
Dy. Chief Controller of Imports & Exports

Bombay-400 020, the 30th June 1980
ORDER

No. 12/JWM/JT.CCI&E/BOM/POL/AM-80/EP-POL.—The following licences were issued to M/s. Polydor

of India Ltd., Ashok Nagar, Kandivli (East), Bombay-400 067 under Registered Exports Policy :

S. No., Licence No. & Date Value in Rs. and Items.

1. P/L/2831122 dt. 1-8-78 Rs. 4,25,223/- — Raw Materials, Components, Consumables Stores, Piperazine USP, Tetracycline Hydrochloride etc.
2. P/L/2832479 dt. 9-8-78 Rs. 5,61,506/- — Raw Materials, Components, Consumables Stores, Amiodipyrrine, Doxycycline Hydrochloride, Metronidazole, Piperazine USP, Tetracycline Hydrochloride etc. etc.

The two licences referred to above were transferred by the licensee to M/s. Mehta Pharmaceutical Industries, Bombay and M/s. Santosh Pharmaceuticals, Bombay respectively in March, 1979 and were endorsed by this Office for import of Tetracycline Hydrochloride.

Thereafter, a Notice No. 1580/022190/AM-78/REP-III/1584 dated 4-6-1980 was issued to M/s. Polydor of India Ltd., Bombay with copies to M/s. Mehta Pharmaceutical Industries, Bombay and M/s. Santosh Pharmaceuticals, Bombay asking them to show cause within 15 days as to why the aforesaid two licences issued in favour of M/s. Polydor of India Ltd., Bombay and transferred as stated before should not be amended in terms of Clause 7 of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended till date on the ground that the two licences referred to above were endorsed for import of Tetracycline Hydrochloride through inadvertence or mistake by this Office as the licensee or the Transferees were not eligible for import of the item Tetracycline Hydrochloride for the reasons stated in para 3 of the Show Cause Notice referred to above.

In response to the aforesaid Show Cause Notice two representatives of M/s. Polydor of India Ltd., Bombay came for personal hearing on 13-6-1980 at 4.00 p.m. The representatives had no explanation to offer against the amendment proposed. No representative of M/s. Mehta Pharmaceutical Industries, Bombay or M/s. Santosh Pharmaceuticals, Bombay came for any Personal Hearing. The Licensee and the Transferees have not replied to the Show Cause Notice issued to them.

The undersigned has come to the conclusion that the above two licences were endorsed by inadvertence or by mistake allowing import of Tetracycline Hydrochloride as this item was not permissible to the two Transferees for the reasons (1) Export product covered by the licence was not based on the formulations of Tetracycline Hydrochloride vide Ann. II to Part 'B' of Import Policy for 1977-78 (Vol. II) and (2) No prior permission was taken from the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi as required vide para 73 of Chapter XI of Import Policy, 1978-79.

Having regard to what has been stated in the preceding paragraphs, the undersigned is satisfied that the two licences, in question, should be amended ab-initio and therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under Clause 7 of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 hereby amend the said two licences referred to above issued to M/s. Polydor of India Ltd., Bombay and later transferred to exclude therefrom the item Tetracycline Hydrochloride which was endorsed by this Office by inadvertence or by mistake.

G. R. NAIR
Dy. Chief Controller of Imports & exports

To

M/s. Polydor of India Ltd.,
Sterling Centre, 2nd Floor,
Dr. Annie Besant Road,
Worli,
Bombay-400 018.

M/s. Mehta Pharmaceutical Industries,
10. Dadi Santok Lane,
Cawasji Hormasji Street,
Dhobi Talao
Bombay-400 002.

M/s. Santosh Pharmaceuticals,
ASHOK Udyan Nagar,
Shed No. 2-3, Chandansar Road,
Narinsi, Virar (Past).
Distt. Thana, (Maharashtra).

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 28th October 1980

No. CER/3/80.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Central) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69 dated 19th September, 1969, namely :—

In the said Notification :—

In the Note below Clause (5) of Paragraph IV, the following shall be added after the words "warp and weft in the cloth put together", and before the words "In case where artsilk is used....."

"This stamping of percentage of fibre shall be in descending order of fibre content in the blended fabrics as illustrated above."

M. MADURAI NAYAGAM
Additional Textile Commissioner.

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 16th October 1980

No. A-32013/8/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 6th October, 1980 and until further orders Shri B. B. Dutta, Technical Superintendent as Assistant Director Grade I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Bhubaneswar.

The 21st October 1980

No. A-12025(i)/3/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 26th June, 1980 and until further orders Shri Sengoda Kandasamy Rajavelu as Assistant Director Grade I (Designs) in the Weavers Service Centre, Vijayawada.

No. A-32013/8/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 6th October, 1980 and until further orders Shri V. N. Raja Rao, Technical Superintendent as Assistant Director Grade I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Bangalore.

No. A-32013/8/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 6th October, 1980 and until further orders Shri J. N. Das, Technical Superintendent as Assistant Director Grade I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Calcutta.

P. SHANKAR
Joint Development Commissioner for Handlooms.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 28th October 1980

No. A-19018/358/78-Adm.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) was pleased to appoint Shri Shiv Dayal, Superintendent, Small Industries Service Institute, Jaipur as Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the same Institute on ad hoc basis with effect from the forenoon of 12th May 1980 and upto 28th June 1980.

THE 29th October 1980

No. 12/719/70-Admn.(G).—The Development Commissioner Small Scale Industries, is pleased to permit Shri N. S. Nagaraja Rao, Asstt. Director (Gr. II) (Electrical) to retire voluntarily from Government service with effect from the forenoon of 25th September, 1980 in terms of Rule 48-A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

The 30th October 1980

No. A.19018/71/73-Admn.(G).—Consequent on his reversion from deputation with the Government of Kerala, as General Manager, District Industries Centre, Calicut, Shri S. Mohanachandran assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation/Production Index) at Small Industries Service Institute, Ahmedabad in the forenoon of 1st October 1980.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.).

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th October 1980

No. A.19012(16)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri B. B. Shukla, Hindi Officer on adhoc in Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Hindi Officer on regular basis with effect from the afternoon of 12th September, 1980.

The 30th October 1980

No. A.19011(163)/75-Estt.A. Vol. II.—Consequent to the acceptance of voluntary retirement from the afternoon of 30th June, 1980 by the Ministry vide letter No. A.44018/62/80-MVI dated 23-6-80 in respect of Dr. S. C. Pande, Officiating Senior Chemist and permanent Chemist in Indian Bureau of Mines, the termination of lien in the post of Chemist in Indian Bureau of Mines is made. His name is struck off the strength of this department with effect from 30th June, 1980 (A.N.).

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-700 016, the 29th October 1980

No. 4-173/80/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri P. K. Mitra, Cinematographer, to the post of Cameraman in an Officiating Capacity, with effect from the forenoon of the 15th October, 1980.

C. T. THOMAS
Senior Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 31st October 1980

No. 4(53)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri T. K. Rawal as Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from 30-8-1980 and until further orders.

No. 4(59)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri V. V. Subramanian as Programme Executive, All India Radio, Coimbatore in a temporary capacity with effect from 3-9-1980 and until further orders.

H. C. JAVAT
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th October 1980

No. A.19018/7/80 CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Vaid Avinash Chandler Gupta to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme on adhoc basis with effect from the forenoon of 6-8-80.

16—336GI/80

The 25th October 1980

No. A.19018/13/80-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Bal Krishan Srivastava to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18-8-80.

No. A.19018/15/80-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Suresh Prasad Pandey to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme on adhoc basis with effect from the afternoon of 6-8-80.

The 28th October 1980

No. A.19018/3/80-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Shyam Krishan Pathak to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme, on adhoc basis with effect from the forenoon of 4-8-80.

No. A.19018/12/80 CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Rama Kant Dixit to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme on adhoc basis with effect from the forenoon of 30-7-1980.

No. A.19018/16/80 CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Puskar Dev to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme on adhoc basis with effect from the forenoon of 7-8-1980.

N. N. GHOSH
Dy. Director of Admn. (CGHS)

New Delhi, the 28th October 1980

No. 33-4/72-Admn.I.—Consequent on his selection to the post of State Co-ordinator (Ophthalmology), Regional Office for Health and Family Welfare, Shillong, Shri Yash Paul Oberoi relinquished charge of the post of Health Education Officer, Rural Health Training Centre, Najafgarh, Delhi with effect from the afternoon of the 30th September, 1980.

No. A.38013/4/79(HQ)/Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri Sukhdev Raj, Section Officer, Directorate-General of Health Services, New Delhi retired from Government Service on the afternoon of the 31st January, 1980.

The 29th October 1980

No. A.12025/22/79(CRI)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri C. N. Misra, to the post of Deputy Assistant Director (Non-Medical) at the Central Research Institute, Kasauli with effect from the forenoon of the 27th May, 1980, in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIAJ A
Deputy Director of Administration (O&M)

Bhabha Atomic Research Centre
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 17th October 1980

No. 5/1/80-Estt. II/5157—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Administrative Officer-II/Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:

| Sl. No. | Name & Designation | Appointed to officiate as | Period | |
|------------|--|------------------------------|----------------|-----------------|
| | | | From | To |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | Shri R. N. Varma, Asstt. Personnel Officer | Administrative Officer-II | 1-5-80 (FN) | 30-5-80 (AN) |
| 2. | Shri J. A. Lasne, Assistant | Asstt. Personnel Officer | 1-5-80 (FN) | 29-5-80 (AN) |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----|--------------------------------|-----------------------------|-----------------|-----------------|
| 3. | Shri L. B. Gawde, Assistant | Asstt. Personnel Officer | 14-7-80 (FN) | 22-8-80 (AN) |
| 4. | —do— | —do— | 27-8-80 (FN) | 26-9-80 (AN) |
| 5. | Shri S. R. Pingre, S.G.C. | Asstt. Personnel Officer | 3-9-80 (FN) | 22-9-80 (AN) |

KUM. H. B. VIJAYAKAR
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 25th September 1980

No. PPED/3(283)/76-Adm./13787.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Vasu, a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 27, 1980 to the afternoon of September 26, 1980 *vice* Shri V. K. S. Nair, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 26th October 1980

No. NFC : PAR : 0117/6786.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoint Shri V. Venkateswara Rao, Asstt. Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, with effect from 24th August, 1980 (FN), until further orders, against existing vacancy.

U. VASUDEVARAO
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd October 1980

No. A. 35018/9/80-E.I.—The President has been pleased to place the services of Shri S. Majumdar, Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay at the disposal of the International Telecommunication Union, for employment as Training Expert in Radio-Communication (Aeronautical and Navigation) at Telecommunication Training Centre, Trinidad and Tobago, on foreign service terms, with effect from the 6th June, 1980 (A.N.) and upto the 28-2-1981 (the date of superannuation of Shri Majumdar).

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 31st October 1980

No. A. 32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri H. L. Mansukhani, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, New Delhi to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 24-7-80 (FN) and to post him at the same station.

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 27th October 1980

No. 1/100/80-EST.—Shri N. G. Rajan, officiating Administrative Officer, Headquarters Office, Bombay, retired from service, with effect from the afternoon of the 30th September, 1980, on attaining the age of superannuation.

The 30th October 1980

No. 1 342/80-Est. The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. R. Srinivasan, Supervisor, Madras Branch, as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch for the period from 31-3-80 to 26-4-80, against short-term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

The 31st October 1980

No. 1/124/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Asa Singh, Supervisor, New Delhi, as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 14-7-80 to 2-8-80, against short-term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

No. 1/255/80-EST.—Shri Thomas Pinto, Deputy Traffic Manager, Bombay Branch, retired from service with effect from the afternoon of the 31st July, 1980, on attaining the age of superannuation.

H. L. MAI-HOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

Bombay, the 31st October 1980

No. 1/163/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Rishi Dev as Assistant Engineer in a temporary capacity, in the New Delhi Branch, with effect from the forenoon of the 30th August, 1980 and until further orders, on a regular basis.

No. 1/236/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. Swaminathan, permanent Assistant Administrative Officer, Bombay Branch as Administrative Officer, in an officiating capacity, purely on *ad-hoc* basis, in Headquarters Office, Bombay with effect from the forenoon of the 1st October, 1980, and until further orders.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 31st October 1980

No. A-32014/1/80-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Asstt. Engineer (Engineering) on purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:

| Sl. No. | Name of officer with designation | Date of assumption of charge as EAD/AE. |
|------------|-------------------------------------|--|
| S/Shri | | |
| 1. | Ajai Sinha, Design Assistant | 15-9-80 (forenoon) |
| 2. | M. Rashiduddin, Design Assistant | 18-9-80 (forenoon) |
| 3. | Jai Ram, Supervisor | 13-10-80 (forenoon) |
| 4. | N.R.C. Das, Supervisor | 21-10-80 (forenoon) |
| 5. | R.N. Roy, Supervisor | 14-10-80 (forenoon) |
| 6. | N.G. Valccha, Supervisor | 20-9-80 (forenoon) |
| 7. | R.C. Das, Supervisor | 25-10-80 (forenoon) |
| 8. | R.S. Singh, Supervisor | 15-10-80 (forenoon) |
| 9. | Ishwar Dayal, Supervisor | 14-10-80 (forenoon) |

K. L. BHANDULA,
Under Secy
Central Water Commission

NORTHERN RAILWAY
HEADQUARTERS OFFICE
BARODA HOUSE

New Delhi, the 29th October 1980

No. 23.—The resignation tendered by Shri Raj Kumar Mitra, Asstt. Security Officer, Asstt. Commandant (Trainee) from Railway Service has been accepted w.e.f. 24-9-80 (A.N.).

S. K. GANDOTRA
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,
KARNATAKA

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Gowribidnur Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore-9, the 27th October 1980

No. 1667/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Gowribidnur Chit Funds Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Supra Beverages Private Ltd.*

Bangalore-9, the 27th October 1980

No. 1735/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Supra Beverages Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Minerva Chit Funds and Trading Company Private Ltd.*

Bangalore-9, the 27th October 1980

No. 1786/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Minerva Chit Funds and Trading Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ruby Royal Rubbers Ltd.*

Bangalore-9, the 27th October 1980

No. 2791/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Ruby Royal Rubbers Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. N. JAGANATH
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
MADHYA PRADESH

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Banmore Engineering Industries Private Limited*

Gwalior, the 29th October 1980

No. 1383/R/4553.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Banmore Engineering Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Shri Balaji Supply and Manufacturing Company
Private Limited*

Gwalior, the 29th October 1980

No. 1218/R/4554.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shri Balaji Supply and Manufacturing Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

FORM ITNS

(1) M. S. Mittal Textiles,
50, Hanalwada, Bhiwandi, Dist. Thane.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Ghanshyamdas B. Lalwani,
2. Shri Girdharilal B. Lalwani,
3. Shri Harish D. Lalwani,
801, 15th Road, Khar,
Bombay-400 052.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th October 1980

Ref. No. CA5/SR Bhiwandi/May'80/685/80-81.—Whereas, I, Shri A. C. CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 9142 & 9151, M.H. No. 225, situated at Agra Road, Bhiwandi Dist. Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bhiwandi on 15-5-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property bearing C.S. No. 9142 and 9151, M.H. No. 225 at Agra Road, Bhiwandi, Dist. Thane.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 630, dated 15-5-80 in the office of the Sub-Registrar, Bhiwandi, Dist. Thane).

A. C. CHANDRA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 30th October 1980

Ref. No. CAS SR Nasik/Feb.'80/489/80-81.—Whereas, I, Shri A. C. CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 874/2/2/1, 874/2/2/2 and 874/2/2/3 situated at Bombay Agra Road, Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Nasik on 28-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. P. Dixit,
2. Shri S. P. Dixit,
3. Shri D. P. Dixit,
All residing at 60, Pandi Colony,
Sharanpur Road, Nasik-2.

(Transferor)

(2) Shri Raj. Co-op. Housing Society Ltd.,
Chairman Shri Anant Vithal Wani,
4262, Kalaran Mandir, Panchavati,
Nasik-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at S. No. 874/2/2/1, area sq. mtrs., S. No. 874/2/2/2, area 4400 sq. mtrs and S. No. 874/2/2/3, area 3900 sq. mtrs. on Bombay Agra Road, Nasik.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 498, dated 28-2-1980 in the office of the Sub-Registrar, Nasik.)

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 30-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 30th October 1980

Ref. No. CA5/SR Nasik/April'80/488/80-81.—Whereas, I, Shri A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 119-A/4B situated at Nasik City, Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at SR Nasik on 3-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhondiram Nathu Banker,
Karta of H.U.I.,
Banker Mala, Nasik Poona Road,
Nasik.

(Transferor)

(2) Smt. Anuradha D. Divgi,
Chief Promotor,
Vanashri Co-op. Housing Society, (Proposed),
Lamb Road, Deolali Camp,
Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 119-A/4B, Nasik City, Tal. & Dist. Nasik.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 862, dated 3-4-1980 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 30-10-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 30th May 1980

Ref. No. III-411/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana No. 11, Touzi No. 5587, Khata No. 221, 193, etc. situated at Khajepura, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 21-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Begam Jarina w/o Md. Mohsin Raja, Haiyul Kayam, At Khajepura, P.S. Rajbansinagar, Dt. Patna.
(Transferor)
- (2) Shri Manik Chand Jain s/o Late Amir Chand Jain, At Mahajantoli No. 1, P. O. Arrah, Dt. Bhojpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

8 Kathas of land at Khajepura, in Patna more fully described in deed No. 890 dated 21-2-1980 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 8th August 1980

Ref. No. III-424/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 143, Ward No. 2, Circle No. 6, M.S. Plot No. 84, 85 Holding No. 134, 146 etc. 175B situated at Fraser Road, Bankipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 9-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ajay Kumar Singh s/o Shri Tapeswar Singh, Village Nawadah, P.S. Nawadah, Dt. Bhopur.

(Transferor)

(2) Shri Mithilesh Kumar Singh, s/o Late Ram Ratan Singh, In the capacity of Managing Director, Hotel Chanikiya Pvt. Ltd., Registered Office, Budh Building, Budh Marg, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Dhurs land situated at Bankipore Fraser Road, Patna more fully described in deed No.597 dated 9-2-1980 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 8-8-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 8th August 1980

Ref. No. III-425/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 143, Circle No. 6, Ward No. 2, Plot No. 84, 85 Holding No. 134, 146 175B etc. situated at Fraser Road, Bankipore, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 12-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Indu Devi d/o Late Bharat Narain Singh, At Karmantola, P.O. Nawadah, P.S. Nawadah, Dt. Bhopur.

(Transferor)

(2) Shri Mithilesh Kumar Singh
s/o Late Ram Ratan Singh,
In the capacity of Managing Director,
Hotel Chanikiya Pvt. Ltd.,
Registered Office,
Budh Building, Budh Marg, Patna.

(Transferee)

(3) Shri Bhagwant Swarup Goel, C/o "My College", Arna Barna Chowk, Patiala.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

10 Dhurs land situated at Bankipur Fraser Road, Patna more fully described in deed No. 673 dated 12-2-1980 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
17—336G1/80

Date : 8-8-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
 BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 8th August 1980

Ref. No. III-426/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 143, Ward No. 2, Circle No. 6, M.S. Plot No. 84, 85 Holding No. 134, 146 175B situated at Fraser Road, Bankipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Madhuri Singh w/o
 Shri Mithilesh Kumar Singh,
 Village Godpa, P.S. Bikramganj, Dt. Rohtas.
 (Transferor)

(2) Shri Mithilesh Kumar Singh
 s/o Late Ram Ratan Singh,
 In the capacity of Managing Director,
 Hotel Chanikiya Pvt. Ltd.
 Registered Office,
 Budh Building, Budh Marg, Patna.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

10 Dhurs land situated at Bankipur Fraser Road Patna more fully described in deed No. 860 dated 20-2-1980 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 8-8-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Prasad Singh
s/o Late Khomari Singh,
Village Asarni P.S. & P.O. Udwant Nagar,
Dt. Bhojpur.

(Transferor)

(2) Shri Mithilesh Kumar Singh
s/o Late Ram Ratan Singh,
In the capacity of Manager Director,
Hotel Chanikiya Pvt. Ltd.,
Registered Office,
Budh Building, Budh Marg, Patna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 8th August 1980

Ref. No. III-430/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No. 143, Ward No. 2, Circle No. 6, M.S. Plot No. 84, 85 Holding No. 134, 136 175B situated at Fraser Road, Bankipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 12-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Katha 5 Dhurs land situated at Bankipur Fraser Road, Patna more fully described in deed No. 674 dated 12-2-1980 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 8-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Shala Sultan Plant d/o Late Md. Hussain
w/o Mr. Austen Plant,
Resident of 2, Laurels, Jalapahari Road, Darjeeling.
(Transferor)

(2) Shri Dharma Das s/o Shri Keshav Das,
Mohalla Bakarganj, P.S. Kadamkua, Patna-4.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref. No. JII-448/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana 11 Touzi No. 5772 & 5587 Khata No. 382, 383, 384 Part of Plot No. 954, 955, 956, 957 and 965 situated at Khaspura, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 1-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land about 10 Katha 4 Dhur situated at Khaspura, Patna more fully described in deed No. 583 dated 1-2-80 registered at Dist. Sub Registrar—Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 11-9-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Mrs. Shala Sultan Plant d/o Late Md. Husnain
w/o Mr. Austen Plant,
Resident of 2, Laurels, Jalapahari Road, Darjeeling.
(Transferor)
- (2) Shri Dev Das S/o Shri Keshov Das,
Mohalla—Bakerganj, P.S. Kadamkua, Patna-4.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001
Patna-800001, the 11th September 1980

Rcf. No. III-449/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Thana 11, Touzi No. 5772, 5587 Khata No. 382, 383 and 384 part of plot No. 954, 955, 956, 957, 967, situated at Khajpura, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 1-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land about 8 Katha 16 Dhur situated at Khajpura, Patna more fully described in deed No. 385 dated 1-2-80 registered at Dist. Sub Registrar-Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-80
Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

(1) Mrs. Shala Sultan Plant d/o Late Md. Husnain
w/o Mr. Austen Plant,
Resident of 2, Laurels, Jalapahari Road, Darjeeling.
(Transferor)

(2) Shri Keshav Das s/o Late Chandi Ram,
Mohalla—Bakerganj, P.S. Kadamkua, Patna-4.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref. No. III-450/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Thana No. 12 Touzi No. 5772 and 5587 Khata No. 383 and 214 Plot No. 958, 959 and Part of 965 situated at Khazpur, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 1-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land about 9 Katta situated at Khajpura, Patna more fully described in deed No. 390 dated 1-2-80 registered at Dist. Sub Registrar—Patna.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR
BARING CANAL ROAD
PATNA-80001

Patna-80001, the 11th September 1980

No. III-451/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Thana No. 11 Touzi No. 5587 Khata No. 383 Plot No. 958 and 959 (Part) situated at Khajpura Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 1-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Shala Sultan Plant
D/o Late Md. Husnain
W/o Mr. Austen Plant,
R/o 2, Laurels, Jalapahari Road, Darjeeling.
(Transferor)

(2) Shri Murlidhar
S/o Shri Keshav Das,
Mahalla-Bakerganj,
P.S. Kadamkua Patna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land about 8 Kata 16 Dur 16 Dhurki situated at Khajpura, Patna more fully described in deed No. 392 dated 1-2-80 registered at Dist. Sub. Registrar, Patna.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR**

Bihar, the 15th September 1980

Ref. No. III-452/Acq/80-81.—Whereas, I,
HARIDAY NARAIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 16 and 32 Circle No. 20 B, Ward No. 11 (Old) 18 (New) situated at Mohalla Congress Maidan, Kadam Kuan, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 1-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Keshav Prasad Mishra S/o Late Shri Baldeo Prasad Mishra, R/o Mohalla Congress Maidan, Kadam Kuan, Police Station—Kadam Kuan in the town and District of Patna, residing at 87 Vivekanand Marg, Allahabad-3, representing his own interest and holding general power of Attorney from (a) Smt. Rameshwari Devi Mishra Wd/o Late Baldeo Prasad Mishra, (b) Shri Dineshwar Prasad Mishra, (c) Sri Ashok Kumar Mishra (d) Sri Dilip Kumar Mishra all S/o late Baldeo Prasad Mishra, R/o Mohalla Congress Maidan, Kadam Kuan, Police Station, Kadam Kuan in the town and district of Patna permanently residing at Suit No. 4, 12 Kyd Street, Calcutta-16, (e) Shri Jagdishwar Prasad Mishra S/o late Baldeo Prasad Mishra, R/o Mohalla Congress Maidan, Kadam Kuan, Police Station, Kadam Kuan in the town and district of Patna, permanently residing at B-3/7 Vasant Vihar, New Delhi-57, (f) Captain Rajeshwar Prasad Mishra S/o Late Baldeo Prasad Mishra, R/o Mohalla Congress Maidan, Kadam Kuan, Police Station Kadam Kuan in the town and district of Patna, permanently residing at 6/1 Kalkaji extension, New Delhi, (g) Smt. Lila Tripathi, D/o late Baldeo Prasad Mishra, W/o Shri K. M. Tripathi, R/o Mohalla Congress Maidan, Kadam Kuan, P.S. Kadam Kuan in the town and district of Patna permanently residing at 553, South Moti Bagh, New Delhi, (h) Smt. Kasturi Tripathi, D/o late Baldeo Prasad Mishra, Wd/o late Surendra Tripathi, R/o Mohalla Congress Maidan, Kadam Kuan, P.S. Kadam Kuan in the town and district of Patna permanently residing at D-203, Curzon Hostel, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, (i) Shri Santosh Kumar Mishra S/o Late Baldeo Prasad Mishra, R/o Mohalla Congress Maidan, Kadam Kuan, Police Station Kadam Kuan in the town and district of Patna, Permanently residing at 78 K.H. Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Madhuri Sinha W/o Shri Gopi Krishna Sinha, Advocate High Court, Patna, R/o Village Maheshpur, Police Station Muffasil Monghyr, District Monghyr permanently residing at Mohalla Congress Maidan, Kadam Kuan, Police Station Kadam Kuan in the town and district of Patna.

(Transferee)

(3) 1. Shri Gopi Krishna Sinha, Advocate husband of Smt Madhuri Sinha, Congress Maidan, Kadam Kuan, Patna.
2. Shri Debendra Narain Sinha, Advocate, Congress Maidan, Kadam Kuan, Patna.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two houses situated at mohalla Congress Maidan, Kadam Kuan, Patna measuring an area of 4 (four) Kathas Nineteen Dhurs and ten dhurkies bearing holding No. 16 and 32, Circle No. 20 B, Ward No. 11 (old) 18 (new) etc. more fully described indeed No. 416 dated 1-2-1980.

HARIDAY NARAIN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar Patna.

Date : 15-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 8th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/148.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in Model Town, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—336GI/80

(1) Shri Surinder Kumar Kapur
S/o Shri Rup Lal
R/o 194, Tagore Park near Model Town Delhi,
S/Shri Arjan Kumar, Mohinder Kumar
and Varinder Kumar
through Narinder Kumar attorney
R/o Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Kaur
D/o Shri Mohan Singh
R/o Chowk Karori Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 191.9 sq mtrs situated in Model Town, G.T. Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3248/1 dated 7-2-80 of the registering authority, Amritsar.

N. P. SAHNI, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 8-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vishwa Mitter Gupta
s/o Shri Dhani Ram Gupta
r/o 27, Circular Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Romesh Bhaskar
w/o Shri C. L. Bhasker
r/o 28, Circular Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/151.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot at Circular Road, ASR, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land No. 27 measuring 523 sq. mtrs. situated on Circular Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3435/I 2 dated 22-2-80 of the registering authority Amritsar.

N. P. SAHNI, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/150.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason or believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Chk. Pragdass situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Ripu Daman Singh, Jatindera Singh Mohinder Singh sons and Smt. Jagdish Kaur d/o Chanda Singh r/o Chowk Pragdass, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Ranjit Kaur w/o Shri Mul Singh r/o Babek Sar Road, Amritsar. now H. No. 1758/2 2176/5 & 1617/5-10 Chowk Prag Dass, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]

(4) Any other. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building No. 1758/5, 2176/5, 1617/5-10 situated in chowk Pragdass, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3406/I dated 21-2-80 of the registering authority, Amritsar.

N. P. SAHNI, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 8-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
Amritsar, the 8th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/149.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Nimak Mandi situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Harbans Kaur
w/o Shri Avtar Singh &
Shri Kuldip Singh
s/o Shri Avtar Singh
r/o Bazar Atta Mandi, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Surinder Kaur
w/o Shri Prithipal Singh
r/o Nimak Mandi, Gali Jandiwal, Amritsar. (Previously Bazar and Gali Satowali).
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property No. 2934/8 & 1446/VIII-13, situated in Gali Jandiwal, Nimak Mandi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3273 of 11-2-80 of the registering authority, Amritsar.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 8-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/152.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land in Tilak Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kanti Kumar
s/o Shri Kultilak Ram
r/o Bagh Rama Nand, Swami Building,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sant Ram
s/o Shri Saint Dass,
r/o Ghas Mandi, Ram Bagh,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land No. 333 (measuring 195 sq. mtrs.) Khasra No. 1821 min situated in Tilak Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3372/I dated 19-2-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 20-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
Amritsar, the 20th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/153.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot in Abadi Dharmapura situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Rajinder Singh
s/o Shri Wajinder Singh
r/o Village Khabib Pur Bajria,
S. Sawaran Singh
s/o Shri Harnam Singh mukhtar-a-am.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Lubhaya
s/o Shri Baburam
125/153 share,
Shri Shori Lal
s/o Shri Sohan Lal
28/153 share
r/o 1494-Chowk Moni, Plot No. 10,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land No. 10, measuring 306 sq. yds. situated in Abadi Dharampura, Sultanwind Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3371/dated 19-2-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 20-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/154.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot at Krishna Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Amar Singh S/o Balwant Singh, Jarnail Singh S/o Atma Singh r/o Raja Sansi, Distt. Amritsar.
(Transferor)

(2) Sh. Shamsher Dilawari s/o Sh. Bhola Nath r/o Dilawari Street, Putlighar Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot No. Khasra 1451/413, situated in Tungbala urban area Krishna Nagar, Race Course Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3322.T dated 13-2-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 25th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/155.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot at Krishna Nagar situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jugal Kishore
s/o Shri Jai Kishandas
r/o 46 Kennedy Avenue, ASR

(Transferor)

(2) Shri Harinder Singh
s/o Harbans Singh
2/3 share
Smt. Suratal
w/o Shri Daljit Singh
1/3 share
r/o Vill. Mughalwala, Teh. Patti
Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 352 sq. mtrs situated in Shastri Nagar (Krishna Nagar) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3547/T dated 29-2-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3 Chanderpuri Tylor Road Amritsar

Date : 15-9-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
 AMRITSAR

Amritsar, dated 25th September 1980

Ref. No ASR/80-81/156.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot in Krishna Nagar, situated at (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jugal Kishore S/o Shri Jai Kishan Dass R/o Kothi No. 46 Kennedy Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Bhupinder Singh S/o Shri Harbans Singh and Bibi Maninder Kaur Both d/o Sh. Bhupinder Singh R/o Village Mughalwala, Teh Patti, Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land No. 339 measuring 345 sq. mtrs situated in Shastri Nagar, Amritsar (Krishna Nagar) as mentioned in the sale deed No. 3388 dated 21st February 1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 25-9-1980
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—336GI/80

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, dated 25th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/157.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

One property in Sarifpura situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Dalip Singh S/o Thakur Singh R/o
242/A/13 Gol Masit Sharifpura, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Subash Chand Vijay Kumar S/o Dev Rai R/o
House No. 242-A/13 Gole Masit, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One residential house No. 1684MCA&242/A/13 situated
near Gole Masit, Sharifpura, as mentioned in the sale deed
No. 3184 dated 4-2-1980 of the registering authority,
Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
Seal :

Date : 25-9-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, dated 25th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/158.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land, Batala Road, Asr. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Amritsar, on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) M/s. New Raj Kamal Finishing Mills, Batala Road, Amritsar.
(Transcisor)
- (2) S/Shri Surinder Kumar S/o Mela Ram
t/o Shahced Bhagat Singh Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land khasra No. 455, 456 (measuring 250 sq. yds) situated on Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 6504 dated 11-2-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 25-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, dated 25th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/159.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot at Batala Road, Amritsar, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at St Amritsar, on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) New Raj Kamal Finishing Mills, Batala Road, Amritsar through Raghunath S/o Shri Om Parkash r/o Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shmt. Chand Rani W/o Om Parkash Ktr, Moti Ram, Champa Rani W/o Mela Ram r/o Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
Person in occupation of the property
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in one plot of land (area 500 sq. yds.) khasia No. 455-456 situated on Batala Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 6503 dated 1-2-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tyler Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) New Raj Kamal Finishing Mills through Raghu Nath S/o Om Parkash Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, dated 25th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/160.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot on Batala Road, ASR, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on 1 February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shmt. Chand Rani W/o Om Parkash
r/o Katra Moti Ram and Varinder Kumar
S/o Mela Ram
r/o Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half in plot khasra No. 455, 456 situated on Batala Road, Amritsar (area 250 sq. yds) as mentioned in the sale deed No. 6502 dated 11-2-1980 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 25-9-1980

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shmt. Bimla Dhawan W/o Sh. Manohar Lal
R/o Chandigarh (Sector 35/C).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, dated 25th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/161.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One plot at Hukam Singh Road, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Vijay Kumar S/o Sh. Amrit Lal
R/o Abadi Durgiana Mandir Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Hukam Singh Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3259/1 dated 3-2-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority

Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 25-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, dated 26th September 1980

Ref. No ASR/80-81/162.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property at Bag Rama Nand situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Sumittera Davi W/o Shri Dhanpat Ram R/o Bagh Rama Nand House No. 2311-28, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar S/o Shri Ram Kishan R/o House No. 2311/28 Bagh Rama Nand, Amritsar. (previously Kesri Bagh Area). (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person whom the undersigned knows to be)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property situated in Bagh Rama Nand as mentioned in the sale deed No. 3377 dated 19-2-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-9-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 29th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/163.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

No. One plot in Ajit Nagar situated (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Jasbir Kaur, W/o Shri Pritam Singh, Shri Jaspreet Singh, Son of Shri Pritam Singh R/o 126-B, Border Side Vasosm Estate Saloh Barak Shar (UK) through Sukhwinder Singh S/o Hira Singh R/o Village Sur Singh Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh, S/o Shri Makhan Singh, R/ Gali No. 1, Kot Harnam Dass, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 168-169—186 min, 188 sq. mtrs. situated in Ajit Nagar, Amritsar (Sultanwind Urban) as mentioned in the sale deed No. 3575 dated 26-2-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Taylor Road, Amritsar.

Date : 29-2-1980

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Iqbal Singh Shamsher Singh S/o Harbans Singh, Sham Kaur Wd/o Harbans Singh R/o Jhabal Khurd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Amritsar, dated 30th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/164.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agrl. land in Jhabal Khurd situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at SR Jhabal on February 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri S. Bhagwan Singh S/o Sohan Singh, Shri Avtar Singh S/o Sohan Singh, R/o Jhabal Khurd.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 27K 16M situated in Jhabal Khurd as mentioned in the sale deed No. 1384 dated 28-2-1980 of the registering Authority, Jhabal Kulan.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—336GI/80

Date : 30-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
 Amritsar, dated 30th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/165.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,
 being the Competent Authority under Section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have
 reason to believe that the immovable property, having a fair
 market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 No. Agrl. land in Aama Khurd situated at
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 at SR Amritsar on February, 1980
 for an apparent consideration which is less than
 the fair market value of the aforesaid property, and
 I have reason to believe that the fair market value
 of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent
 of such apparent consideration and that the consideration for
 such transfer as agreed to between the parties has not been
 truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

- (1) Shmt. Bhu D/o Avtar Kaur R/o Aama Khurd.
 (Transferor)
- (2) Shri Iqbal Singh, Rashpal Singh, Jagdev Singh R/o
 Aama Khurd.
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35K 14M situated in village
 Amma Khurd, as mentioned in the sale deed No. 1379 dated
 25-2-1980 of the registering authority Jhabhal Kalan.

ANAND SINGH IRS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range
 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 30-9-1980
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269 of the said Act, to the following
 persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Km. Buo d/ Avtar Kaur R/ Amma Khurd.
(Transferor)
- (2) Shri Iqbal Singh, Gurbir Singh, Jagdev Singh R/o
Amma Khurd.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, dated 30th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/166.—Whereas, I, AAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the **Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land in Amma Khurd situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 30-12 marlas nehri situated in village Amma Khurd as mentioned in the sale deed No. 1378 dated 25-2-1980 of the registering authority Jhakhal Kalan.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Acquisition Range
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 30-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Atma Ram S/o Sh. Jiwan Mal
R/o Tehsilpura Amritsar.

(Transfer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, dated 14th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/167.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shop at Tehsil Pura, G. T. Rd., ASR situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR Amritsar on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Madan Lal S/o Shri Atma Ram
R/o Tehsilpura, Amritsar.

(Transfer)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the proper(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the proper

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of days from the date of publication of this notice in Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act and shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

One shop farm 46 sq. yds pasted in Tehsilpura near P. Galpura, as mentioned in the sale deed No. 327/I dated 11-2-1980 of the registering authority, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance in section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

ANAND SINGH I.
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, AmritsarDate : 14-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE AMRITSAR**

Amritsar, dated 14th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/168.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One Kothi at Basant Avenue, situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar, on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Tarlok Singh S/o Shri Chhabhar Singh R/o Bazar Chawal Mandi Amritsar. (Transferor)
- (2) Shmt. Pushpa Mehra W/o Dharam Pal R/o Kothi No. 605, Basant Avenue, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) An other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Kothi No. 605 (area 178 1/3 sq. mtrs situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3275 dated 11-2-1980 of the registering authority, Amritsar.

**ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.**

Date : 14-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Madan Lal Dugal S/o Shri Walati Ram Dugal
R/o Bagh Rama Nand Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, dated 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/169.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property in Bagh Rama Nand situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Gurbachan Singh S/o Shri Mehar Singh R/o Ajit Nagar, Sultanwind Road, Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

One house No. 2584/11-29 situated in Bagh Rama Nand Sikampura as mentioned in the sale deed No. 3364/I dated 29-2-1980 of the registering authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, dated 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/170.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. one plot of land at Rani Ka Bagh A. R. situated at Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shmt. Sudha Rani W/o Shri Mani Lal,
R/o 16 Lawrence Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Sukhcharan Singh S/o Sawan Singh
R/o Vill. Neuchehra Bhala, Teh. Tarn Taran Distt.
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

One plot of land Khasra No. 3043 situated in Rani Ka Bagh, Amritsar, as mentioned in the sale deed no 3487 dated 23-2-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 13-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, dated 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/171.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
No. One plot Rani Ka Bagh situated at Amritsar
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at SR Amritsar on February 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Smt. Sudha Rani alias Kamla Wati W/o Shri Mani Lal R/o 16/Lawrence Road, Amritsar.
(Transferee)
- (2) Shri Harcharan Singh S/o Sawarn Singh
R/o Village Naushehra Dhala, Teh. Tarn Taran,
Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land Khasra No. 3055/675 situated in Rani Ka
Bagh, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3598/I
dated 21-2-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Taylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, dated 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/172.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Property at Ktr. Karam Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Buta Ram S/o Shri Malawa Ram
R/o Ktr. Karam Singh House No.
2823/9-17 Ram Mohalla, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Urmal Kundra W/o Shri Roshan Lal R/o
Ram Mohalla H/No. 3053/9-17, Amritsar, Katra
Karam Singh.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 3053/9-17, situated in Katra Karam Singh Ram Mohalla Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3334 dated 15-2-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21-336GI/80

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE**

Amritsar, dated 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/173.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property No. 3282 No. Shop No. 28, Hall Bazar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR Amritsar on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ranbir Singh S/o Kartar Singh R/o Coopr Road, Amritsar through Shri Kartar Singh S/o Gulab Singh 3-Mall Rond, Amritsar (General Attorney) (Transferor)
- (2) M/s. Seth Jagat Bandhu (Regd) Amritsar, Hall Bazar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot No. 28 khasra No. 462/I (35.7 sq. ds.) situated in Hall Bazar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3457 dated 22-2-1980 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1980

(1) Shri Kali Charan s/o Ramlakh, Raj Kumar,
Romesh Kumar & Raman Kumar
s/o Kalicharan
r/o Dhab Khatikan, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Mukand Singh s/o Chet Singh
r/o Sultanwind Road,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
M/s. Calcutta Hotel Prop. Sultan Singh, Bhagwan
M/s. Laxmi Traders.
Singh, M/s. Mehta Motors.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Ref. No. ASR/80-81/174.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Shop in Hall Bazar situated at Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
SR Amritsar on Feb. 80
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in Shop No. 32 Khasra No. 451/suaed in
s/o Kair Kumar, Amritsar, as mentioned in the document No.
3525/1 dated 28-2-80 of the registering Authority Amritsar.
(Area 66 sq. mtrs.).

ANAND SINGH IRS
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 13-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/175.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. shop in Hall bazar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Sh. Kalicharan s/o Ram Nath, Raj Kumar & Ramesh Kumar, Raman Kumar ss/o Kalicharan r/o Dhab Khatikan, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Mukand Singh s/o Chet Singh r/o Sultanwind Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
M/s. Calcutta Hotel Prop. Sultan Singh, Bhagwan M/s. Laxmi Traders.
Singh. M/s. Mehta Motors.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in shop No. 1451 Kh. 27 to 52/HYI situated at c/o Hall Bazar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 251 dated 3-4-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/176.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at G.T. Road, Batala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Shanti Devi wd/o Raghbir Chand of Majitha now at Batala.
(Transferor)
- (2) S/Shri Tara Chand, Charan Dass, Mangal Dass, ss/o Lal Chand r/o Batala.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot of land situated at G.T. Road, Batala as mentioned in the sale deed No. 7352 dated 7-2-80 of the registering authority, Batala.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tyler Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 16th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/177.—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb. 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Hemlata w/o Devki Nandan & Smt. Munita Arora w/o Sh. Vijay Kumar r/o Bazar Lachmansar Gate Bhagtanwala Gali, Pahilwana Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Jaswant Singh, Jaspal Singh, Harbans Singh & Parmjit Singh ss/o Isher Singh r/o 14-Rani Ka Bagh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot No. 57 khasra No. 266 min situated Abadi Gokal Chand Sultanwind Area as mentioned in the sale deed No. 3352 dated 19-2-80 of the registering authority, Amritsar.

**ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-10-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/178.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot situated at Parkash Chand Rd., Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Prem Kumar Arora s/o Sh. Karam Chand r/o Lachhman Sar, Amritsar now London through Shmt. Santosh Arora w/o Sh. Prem Kumar r/o Bazar Lachhman Sar, Amritsar (mukhtar aam) (Transferor)
- (2) Sh. Badri Nath Arora s/o Sh. Kichan Chani r/o 1063-Circular Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/2 share in One plot of land measuring 735 sq yds. Khasra No. 570-71/16 situated on Parkash Chand Road, near Police Line, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3328/I dated 15-2-80 of the registering authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Of Income Tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Prem Kumar Arora s/o Sh. Karam Chand
r/o Bazar Lachmansar nov London through Smt.
Santosh Arora w/o Prem Kumar
r/o Br. Lachman Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/179.—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot situated at Parkash Chand Rd. Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Bimal Kumari w/o Shri Badri Nath
r/o 1063-Circular Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in plot No. Khasra 570-71/16 situated on Parkash Chand Road, near Police Line Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3329/I dated 15-2-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 13-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/180.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Shastri Nagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Ashok Kumar s/o Bhagwan Dass
r/o Ktr. Parja Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Amarjit Kaur w/o Sh. Lakhbir Singh
r/o Shastri Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land Khasra No. 641 situated at Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3532/I dated 27-2-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—336GI/80

Date : 14-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/181.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One kothi No. 138 situated at Shastri Nagar ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at SR ASR on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been fully stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Ashok Kumar Nayar s/o Sh. Chuni Lal r/o Bazar Sirki Banda Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Subhash Vohra, Kuljit Vohra s/o Shri Dhanpat Ram & Smt. Sumitra Devi d/o Sh. Dhanpat Ram r/o Bagh Rama Nand, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

1/4th share in plot No. 138 situated at Shastri Nagar, as mentioned in the sale deed No. 3531/I dated 27-2-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 13-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/182.—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One kothi situated at Shastri Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Surinder Kumar s/o Chunni Lal r/o Bazar Sirki Bandar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shmt. Surmitedan Devi w/o Dhanpat Ram, Kuljit Vohra & Subash Vohra ss/o Dhanpat Ram r/o Bagh Rama Nand, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share in plot No. 138 situated in Shastri Nagar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3555/I dated 1-3-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/183.—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Kothi No. 138 situated at Shastri Nagar ASR. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Sham Sunder s/o Chuni Lal r/o Bazar Sirki Banda, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Subash Vohra & Kuljit Vohra s/o Dhanpat Ram & Smt. Sumitra Devi r/o Bagh Rama Nand, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1/4th share in koti No. 138 situated in Shastri Nagar, as mentioned in sale deed No. 3660/I dated 10-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 13-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/184.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Race Course Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar on March 80

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Ravinder Nayyar s/o Chuni Lal
r/o Bazar Sirki Bandan, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Subhash Vohra, Sumitra Vohra
w/o Dhanpat Ram
r/o Bagh Ramanand Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

THE SCHEDULE

One property Khasra No. 2341 (measuring 382 sq. mtrs.)
situated in Shastri Nagar Race Course Road, Amritsar as
mentioned in the sale deed No. 3790/I dated 22-3-80 of the
registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tyler Road, Amritsar

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/185.—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One House situated at Shahjada Nangal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on Feb. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Bua Ditta Des Raj, Janak Raj Balwan Rai ss/o Badri Nath Mandi, Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Sh. Tilak Raj s/o Badri Nath Mandi Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house situated in Shahjada Nangal Distt. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 7460 dated 18-2-80 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 16-10-80

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS

- (1) Shmt. Durgi d/o Sundar Singh
r/o Vill. Babialli Teh. Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Sh. Sucha Singh s/o Sunder Singh etc.
r/o Babialli Teh. Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/186.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 39 Kanals 17 Marlas situated at Village Babiahli, Gurdaspur and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on Feb. 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Agri. land 39 K 7 marlas 4 Sarshian situated in village Babiahli, Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 7433/I dated 27-2-80 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Taylor Road, Amritsar

Date : 16-10-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 16th October 1980

Ref. No. ASR '80-81/187.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No Land in Vill. Babaiarli
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on Feb. 80
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (1) Smt. Tari d/o Sunder Singh
 r/o Vill. Babaiarli, Gurdaspur.
 (Transferor)
- (2) Sh. Sucha Singh s/o Sunder Singh etc.
 Village Babaiarli, Teh. Gurdaspur.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land 39, K 7 marla 4 situated in village babaiarli, Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 7095 dated 7-2-80 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-10-80
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Ram Devi w/o Shri Jagdamba and
Smt. Ram Janki w/o Shri Ambika Prasad,
R/o Mohalla : Gumti, Kasba : Auraiya, Parg : &
Post Office : Auraiya, Distt. Etawah.
(Transferee)
- (2) Smt. Vishan Lata Agarwal
w/o Shri Jagdish Chandra Agarwal,
R/o Mohalla : Gadhaiya, Kasba, Auraiya, Parg :
& Post : Auraiya, Distt. Etawah.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th October 1980

Ref. No. TR No. 999/Acq/Auraiya/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auraiya on 29-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Ahata with three Kothas situated at Mohalla Gumti, Kasba : & Parg : Auraiya, Distt. Etawah which was sold for Rs. 45,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
23—336GI/

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-10-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
 KANPUR

Kanpur, the 7th October 1980

Ref. No. TR No. 1009 /Acq/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 11-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Malka Rani w/o Manohar Lal Dudeja
R/o 7/188-A(1), Swaroop Nagar,
Kanpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Uppal w/o
Shri Narendra Kumar Uppal,
R/o 7/188 (A G) 11,12 Flat,
Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 7/188-A, Flat No. 11 & 12, situated in Swaroop Nagar, Kanpur which was sold for Rs. 160,000/-.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 7-10-80
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Vimla Agarwal
w/o Shri Ravindra Prasad Agarwal and
Smt. Pushpa Agarwal
W/o Shri Raendra Prasad Agarwal
r/o Mohalla : Bari Chhapetty, Kasba : Firozabad,
(Transferor)

(2) S Shri Shyam Sunder Gupta and Ghan Shyam Gupta
S/o Shri Ram Prasad Gupta
r/o Mohalla : Bari Chhapetty, Kasba : Firozabad,
Distt. Agra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 6th October 1980

Ref. No. TR No. 988 Acq Firozabad.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
AS PER SCHFDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Firozabad on 25-2-80
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One House Property (Half portion is constructed) measuring 3720 Sq. Fts. situated in Mohalla : Durgu Nagar, Kasba : Firozabad, Distt. Agra which was sold for Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. TR No. 894/Acq/Agra.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
AS PER SCHFDULE situated **AS PER SCHEDULE**
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Agra on 21-2-1980

for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly
 stated in the said instrument of transfer with the object
 of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

(1) Shri Alok Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd., Agra
 through Shri Rajendra Singh, Secretary
 s/o Shri Ram Charan Lal,
 r/o Billochpura, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Bakhat Ram s/o Kodan Dass,
 r/o 1, Alok Nagar, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 31, situated at North
 Saket (Alok) Colony, Agra which was sold for Rs. 48,000/-

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. TR No. 1006/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 3-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Satish Chandra Mathur
S/o Shri Kishan Chandra
r/o 5/516, Raja Park Jaipur Hall,
39, Puran Colony, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Ratan Singh Pal s/o Shri Hem Singh
R/o 2283, Jhigarpura, Teh. & Distt, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Rakba No. 167 measuring 11/4-6, situated in Mauja, Jakhoda, Teh. & Distt. Agra which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—316GI/80

Date : 3-10-1980

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Thakurain Dulniya widow of Nathu
r/o Mauja : Dhamarsena, Parg : Konch,
Distt. Jalaun.
(
(Transferor)
- (2) Shri Virendra Singh s/o Chhadami Pal
r/o Kumarpura, Parg. Konch,
Distl. Jalaun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th August 1980

Ref. No. 70/Acq/Konch/Jalaun.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDELE situated at AS PER SCHEDELE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalaun on 13-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDELE

An Agricultural Land situated in Village : Chamarsena, Parg : Konch, Distt. Jalaun which was sold for Rs. 45,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-8-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th September 1980

Ref. No. TR No. 895/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Agra on 4-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (1) Shri Ram Saran Awasthi
s/o Shri Daulat Ram
r/o 31/281, Collectorate, Agra City.
(Transferor)
- (2) Smt. Sandhya Punchamia
w/o Shri Chandra Badan Punchamia,
Gokhale Road, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

It is an Urban Property (Plot) bearing No. 233 situated in Jaipur House Colony, Lohamandi Ward, Agra, which was sold for Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 18-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
 KANPUR**

Kanpur, the 16th August 1980

Ref. No. 98/Acq/Urai.—B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalaun on 12-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Har Narain s/o Shri Niranjan, r/o Ate, Parg. Urai, Distt. Jalaun, (Transferor)
- (2) S/Shri Kamlesh & Raja Bhaiya (Nabalig) s/o Shri Lallu Pd., r/o Ate, Parg. Urai, Distt. Jalaun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated in Mauja : Badanpura, Parg. Urai, Distt. Jalaun sold for Rs. 64,000/-.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
 Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-8-1980
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 7th October 1980

Ref. No. 1845-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 12-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Mahalaxmi Land & Inames Co. Ltd., Shri Jindal Trust Building, Asaf Ali Road, New Delhi through Shri Ashok Chhabra s/o Shri Deshraj Chhabra r/o Ring Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bal Bind Kaur w/o Shri Dalbir Singh c/o M/s. Bajwa Transport Corporation, Gyani Bordar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 106, situated at Awasic Colony, Brindaban Garden, Ghaziabad, which was sold for Rs. 100,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—336GI/80

Date : 7-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th October 1980

Ref. No. 1823-A/Meerut/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at **AS PER SCHEDULE** (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 4-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shyam Manohar s/o Late Shri Damodar Dass, Smt. Santosh Manohar w/o Shri Shyam Manohar & Rajeev Manohar s/o Shri Shyam Manohar r/o West End Road, Meerut Cantt. (Transferor)

(2) Shri Ajai Rai Jain s/o Shri Kalyan Rai Jain, Smt. Sunita Jain w/o Surendra Jain, Smt. Manisha Jain w/o Mahendra Kumar Jain and Smt. Rekha Jain w/o Shri Rajendra Kumar Jain All r/o Sadar, Meerut Cantt. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 207 situated at West End Road, Meerut Cantt. which was sold for Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th October 1980

Ref. No. 1862-A/Dadri/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 6-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandra Shekhar Mittal
s/o Anand Prakash Mittal,
r/o 41, Arjun Nagar, Gandhi Nagar,
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Hridesh Kumar Mittal
s/o Shri Anand Kumar Mittal,
r/o 41, Arjun Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Double storeyed House Property bearing No. A-1/18, measuring 200 Sq. Yards situated at Awasic Colony Rawal Pindi Garden, G.T. Road, Chikamberpur Parg : Loni, Teh : Dadri, Distt. Ghaziabad, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th October 1980

Ref. No. 1849-A/Hapur/79-80.—Whereas, J. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hapur on 6-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Chandra Sahai s/o Shri Mauji Ram r/o Umrao Singh / Gate Pilkhuwa, Post : Khas, Parg : Dasna, Teh : Hapur, Distt. Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) Shri Lalit Kumar Goel s/o Shri Ram Kumar Goel r/o Gandhi Road, Pilkhuwa, Post : Khas, Parg. Dasna, Teh. Hapur, Distt. Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Akata bearing No. 902, measuring 1089 Sq. Yards, situated in New Mandi Krishna Ganj Pilkhuwa, Teh. Hapur, Distt. Ghaziabad which was sold for Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

KANPUR

Kanpur, the 10th October 1980

Ref. No. 27-S/Ghaziabad/79-80.—Whereas, J,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dadri on 20-2-80
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Bharat Wire Khittinh Works Chikambarpur
Sahibabad, Ghaziabad through
Bhagidaran Gangaram Jain s/o Shri Roop Ram Jain,
r/o 16/11, Shakti Nagar, Delhi,
Shri Banarsi Doss Jain s/o Shri Ram Ram Jain &
Mahendra Kumar Jain s/o Shri Banarsi Dass Jain
r/o 4-8, Daria Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Nirman Chittfund & Investment (Pvt.) Ltd.,
New Delhi through Managing Director,
Shri S. K. Chadda s/o Shri Kishan Chand Chadda,
r/o 65/61, W.E.A. New Rohtak, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Urban Property bearing City Board No. 224, situated
(at Sahibabad Chikamberpur, Ghaziabad which was sold for
Rs. 70,000/-,

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

**OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. 1958-A/Hardwar/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/-
and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hardwar on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) S/Shri Madan Singh and Man Mohan Singh
s/o Shri Fateh Singh, Nattha Singh and
Shyam Singh s/o Shri Raghbir Singh
r/o Village Jagitpur, Post Kankhal, Parg. Jwalapur,
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Himgiri Sahkari Awas Samiti Ltd., (Registered)
Ranipur, Hardwar, Distt. Saharanpur through Shri
Basant Shanker Bansore, President & Shri Braj
Mohan Lal Jain, Secretary s/o Shri Prakash Chand
Jain r/o Ansiliary Estate, B.H.E.I., Ranipur Har-
war, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasra No. 22, situated in
Village : Jagitpur, Parg : Jwalapur, Teh : Roorkee, Distt.
Saharanpur, which was sold for Rs. 152,397/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th September 1980

Ref. No. 71/Acq/Akbarpur/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Akbarpur on 13-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Dulare Singh s/o Shri Rustam Singh r/o Aaugo, Post : Mangra, Parg : & Teh : Akbarpur, Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Shi Madan Singh s/o Shri Ram Pal Singh r/o Kathethi, Post : Khas, Parg : & Teh : Akbarpur, Dist. Kanpur, President Address Acharya Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated in Raugao, Parg : & Teh : Akbarpur, Distt. Kanpur which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Nizamuddin s/o Shekh Idu
88/282-A, Chaman Ganj, Kanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Irshad Mirza s/o Mirza Mohd Ahmad
r/o 14/6, Gwaltoli, Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 10th October 1980

Ref. No. TR No. 1113/Acq/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 22-3-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 14/42 Ahata, situated at Sahni Gate, Gwaltoli, Kanpur which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Date : 10-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR
Kanpur, the 9th October 1980

Ref. No. TR No. 971/Acq/Mathura/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHFDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mathura on 20-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Virendra Prakash Saxena s/o Late Shri Narain Prasadji self and Manager Karta Asstt. Professor, Department of Animal Newtation College of Animals, H.A.U. Hissar and Guru Dev s/o Late Shri Narain Prasad Saxena r/o Professors Colony, Victoria Park, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Chandra Agarwal and Smt. Bhagwan Devi r/o House No. 420, Sabzi Mandi, Sadar Bazar, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 420, Sabzi Mandi, Sadar Bazar, Meerut which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—336GI/80

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Rani w/o Gulab Raj,
r/o Dalimpur Nagar, Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th October 1980

Ref. No. TR No. 969/Acq/Mathura/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Mathura on 21-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Sri Basu Dev Prasad Chaubey
s/o Shri Mathura Nath Chaubey, and
Smt. Rajshri w/o Shri Basu Dev Prasad Chaubey
r/o Nagala Paisa, Mathura.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Double storied House bearing Water Rate No. 103, 106, 110, 112 and 113 situated in Mathura which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th October 1980

Ref. No. 36-S/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Meerut on 27-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Purshottam Dayal s/o Pt. Bateswar Dayal r/o 223, New Mohanpuri, Meerut City, Mukhtar-Am Minjanib Shri Kailash Chand Dubey s/o Late Shri D. N. Dubey r/o Boundary Road, Meerut.

(Transferor)

(2) Dr. D. P. Jain, (Dharam Pal Jain) s/o Shri Babu Ram Jain Marhoom and Dr. Meera Jain w/o Dr. D. P. Jain r/o Eastern Kachchari Road, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

A Ahata (Kothi) bearing No. 166 measuring 962 Sq. Yards, situated at Boundary Road, Civil Lines, Meerut City which was sold for Rs. 129,870/-.

THE SCHEDULE

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th October 1980

Ref. No. 37-S/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDELE situated at AS PER SCHEDELE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 28-2-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Purshottam Dayal s/o Late Pt. Bateshwar Dayal r/o 223, New Mohanpuri, Meerut City Mukhar-a-am Minjanib Shri Kailash Chandra Dubaey s/o Late D. N. Dubey r/o Boundary Road, Meerut City.

(Transferor)

(2) Mrs. Dr. Saraswati Mali w/o Shri Kokendra Singh, Advocate and Lokendra Singh, Advocate s/o Sri Narendra Singh and Miss. Umarani d/o Shri Kashi Ram r/o Apposite Nanak Chandra College, Eastern Kachchhari Road, Meerut City.

('transferee')

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Ahata (Kothi) bearing No. 166, measuring 512 Sq. Yards, situated at Boundary Road, Civil Lines, Meerut City which was sold for Rs. 69,120/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Usha Kumari w/o Lt. Col. Keshari Singh
r/o B-155, Ashok Nagar, Ghaziabad,
Teh. & Distt. Ghaziabad through
Shri Udaibir Singh Shastri s/o Pooran Singhji
r/o Sanyas Ashram, Gandhi Nagar, Ghaziabad,
(Transferor)

(2) Shri Mahendra Kumar Agarwal s/o Shri Narain Dass
r/o 145, Pakki Mori, Ghaziabad,
Teh. & Distt. Ghaziabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 1836-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 1-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 155, Block-B, measuring 200 Sq. Yards, Nav Nirmit situated at Ashok Nagar Colony, Ghaziabad which was sold for Rs. 91,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 7th October 1980

Ref. No. TR No. 975/Acq/Mathura/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 29-9-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Babu Shah, Bund Shah s/o Shri Chanda Shah, Jainab d/o Chanda Shah, Noor Shah, Nanhe Shah and Basatuddin and Imamuddin s/o Umrat Shah, Allarakha Widow of Subrati Shah r/o Dig Darwaja, Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Sultan s/o Hazi Noor Bax and Mohd. Alamgir s/o Mohd. Sultan and Mohd. Mustaq s/o Shri Mohd. Sultan and Nawab Bhai s/o Hazi Abdul Latif and Mustaq Bhai s/o Hazi Abdul and Mohd. Islam s/o Hazi Noor Bax r/o, Manoharpur, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Urban Land (Property) measuring 708 Sq. Mtrs. situated at Dig Darwaja, Mathura, which was sold for Rs. 10,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th October 1980

Ref. No. 974/Acq/Mathura/79-80.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 11-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Babu Shah and Bundu Shah s/o Chanda Shah and Jainav d/o Chanda Shah and Noor Shah, Nanhe Shah, Basaluddin, Imamuddin alias Lala s/o Subrati Shah and Allarakhi Widow of Shri Subrati Shah, r/o Deep Darwaja, Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Sultan s/o Shri Noor Bax, Mohd. Alamgir s/o Mohd. Sultan and Mohd. Mustaq s/o Mohd. Sultan and Nawab Bhai s/o Hazl Abdul Latif and Mustaq Bhai s/o Hazi Abdul Tarif and Mohd. Islam s/o Hazi Noor Bax r/o Manoharpura, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Urban Land Property measuring 2195 Sq. Mtrs., bearing Water Rate No. 326, situated at Deep Darwaja, Mathura which was sold for R. 20,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 3603-A/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 1-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jagdamba Devi Wife of Shri Jamuna Prasad, r/o 77/7, Gandhi Gram, Kanpur.
(Transferor)

(2) Names and addresses of purchasers (List of purchasers) :—

1. Smt. Bindeshwari Gupta, w/o Sri Ramesh Chandra Gupta, 68/18, Lokman Mohal, Kanpur.
2. Smt. Saidan, Gadaria Mohal, Kanpur.
3. Sri Banwari Lal Pal, S/o Sri Basan Lal Pal, No. 6, Chabila Purwa, Kanpur.
4. Sri Rajiv Tandan, 104-A/356, Ram Bagh, Kanpur.
5. Sri Prabhu Dayal, S/o Sri Babu Ram, 71/180, Sutter Khana, Kanpur.
6. Smt. Chandra Kumari, W/o Changa Ratan, 20, Janghai Purwa, Kanpur.
7. Smt. Nirmala Devi, W/o Sri Rama Kant Tandon, 104-A/357, Ram Bagh, Kanpur.
8. Smt. Krishna Devi, Pal W/o Sri Ram Narain Pal, 104/58, Colonel Ganj, Kanpur.
9. Smt. Anjali Devi Jaiswal, W/o Sri Ram Shankar Jaiswal, 62/14, Harbans Mohal, Kanpur.
10. Smt. Maya Devi Jaiswal D/o Sri Sahabdin Jaiswal, Dhanpal Gani, Distt. Sultanpur.
11. Smt. Prabha Wati, W/o Sri Mangal Prasad Sharma, 55/44, Sita Ram Mohal, Kanpur.
12. Smt. Rajeshwari Gupta, W/o Sri Satya Narain Gupta, 61/44, Sita Ram Mohal, Kanpur.
13. Sri Shiv Bahadur Singh S/o Sri Sukh Nandan Singh, Jagdamba Service Station, Bypass Road, Lal Bangla, Kanpur.
14. Smt. Ram Wati Gunta W/o Sri Sita Ram Gupta, 68/160, Lokman Mohal, Kanpur.
15. Sri Ram Sethi S/o Sri Ram Nath, 71/9, Sutter Khana, Kanpur.
16. Smt. Rama Devi, W/o Kallash Singh, 62/1, Harbans Mohal, Kanpur.
17. Smt. Kalandi Sharma, W/o Sri Sabhajeet Sharma, 55/60, Kahu Kothi, Kanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17 Plots bearing No. 50 situated at Gandhi Gram, Distt. Kanpur which was sold for Rs. 2,12,670/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. V. Jayalakshmi,
B-3, Labour Officers Quarters,
Anna Nagar, Madras-10.

(Transferor)

(2) Mrs. Mumtaz Begum,
W/o Shri M. Kassim Bai,
33, Mara Coil Lebbai Street
G.T. Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 30th September 1989

Ref. No. 74/FEB/80.—Whereas, I.O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 38, situated at Ramakrishna Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras. (Doc. No. 97/80) on Feb. 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 97/80 S.R.O. Sowcarpet, Madras.
Land & Buildings at Door No. 38, Ramakrishna Street, Madras-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 30-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :
26—336GI/80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras, the 6th October 1980

Ref. No. 82/FEB/80.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, situated at Ekambaraswarar Agraharam, Street, Sowcarpet, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras. (Doc. No. 60/80) on Feb 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri C. Rangarajan,
No. 38, Ekambaraswarar Agraharam, Street,
Sowcarpet, Madras.
(Transferor)
- (2) M/s. Madhu Industries,
Sole Prop : Shri Meghraj,
No. 2, Manonmani Ammal Road, Kilpauk,
Madras-10.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 60/80 S.R.O. Sowcarpet, Madras.
Land & Buildings at Door No. 38, Ekambaraswarar Agraharam Street, Sowcarpet, Madras.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 6-10-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. Subbiah Mudaliar,
Perumal Vadakku Mada Veedhi,
Tinnelveli.

(Transferor)

(2) Shri V. Jayaram,
S/o Shri Venkatasamy Naidu,
110, Sevalpatti Naidu Street,
Rajapalayam, Ramnad Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th October 1980

Ref. No. 21/MAY/80.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21, 22, 25 & 26, situated at Vannarpettai, Perachi Amman Koil Street, Palayamkottai, Tinnelveli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Palayamkottai (Doc. No. 1071/80) on May 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land & Buildings at Door No. 21, 22, 25 & 26, Vannarpettai Perachi Amman Koil Street, Palayamkottai, Tinnelveli.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th October 1980

Ref. No. 15162.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 60, Purasawalkam High situated at Road, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 628/80) on February 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri P. S. V. Subramaniam,
60, Purasawalkam High Road,
Madras-7.

(Transferor)

(2) Shri H. V. Shah,
117, N. S. C. Bose Road, Madras-1,
S. P. Shah,
155, Broadway, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 60, Purasawalkam High Road, Madras-7.
(Doc. 628/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 13-10-80
Seal :

FORM ITNS

(1) P. T. Kurian,
Mrs. Mary Kurian, Eraviperoor, Kerala.
(Transferor)

(2) Saramma Samuel Cherian,
Nee Sara Varghis, Kongalathu House,
Tiruvalla, Kerala.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras, the 10th October 1980

Ref. No. 10689.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 963A, West Bury Road, situated at Ootacamund (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 1840/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 963A, West Bury Road, Ooty.
(Doc. 1840/80).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 10-10-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1980

Ref. No. 15158.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. No. 3125/5, Barnaby Road, situated at Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam, (Doc. 246/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. Gurunatha Iyer,
824, Poonamallee High Road,
Madras-10.

(Transferor)

(2) Pranav H. Mehta,
825, Poonamallee High Road,
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS. No. 3125/5, Barnaby Road, Madras-10.

(Doc. 246/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Atreya Acharya A. Swarnalatha, A. Suchitra 8,
Mowbrays III Lane, (Ashok St.), Madras-18.
(Transferor)
- (2) Shri G. Lalitha,
16, II Cross St., Ellayyamman Colony,
Madras-86.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1980

Ref. No. 7995.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, Mowbrays III Lane, situated at (Ashok St.,) Madras-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 291/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 55 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 8, Mowbrays III Lane, Ashok St., Madras-18.

(Doc. 291/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Vinaymohan
8, Muthupandian Avenue, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1980

Ref. No. 7993.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, Muthupandian Avenue, situated at Santhome High Road, Madras-4
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 319/80) on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Captain Hendry,
22, Madha Church Road,
Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 8, Muthupandian Avenue Santhome High Road, Madras-4.
(Doc. 319/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) B. V. L. Narayana Rao,
8, Venkatesa Nivasa
4th St., Abhiramapuram,
Madras-18.

(Transferor)

(2) P. Govindaswamy
45A, 4th Main Road,
Madras-28.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1980

Ref. No. 7987.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 116, 4th St., situated at Abhiramapuram, Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 360/80) on February 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 116, 4th St., Abhiramapuram, Madras-28.
(Doc. 360/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 27-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—336GI/80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1980

Ref. No. 8931.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 127/1, situated at Ozhukarai Arumparathapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 373/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Alexander Ramalinam
Alexander Jagadambal
Elangonagar, Pondicherry.

(Transferor)

(2) Sundari (Alias) Gnanasundaram
51 Rangapillai St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at RS No. 127/1, Arumparathapuram Ozhukarai.
(Doc. 373/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) S. Alexander Ramalingam
Alexander Jagadambal
Elangonagar, Pondicherry-11.

(Transferor)

(2) Mary Josephin Suguna
51, Ranga Pillai St., Pondicherry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 10th October 1980

Ref. No. 9831.—Whereas, J.
RADHA BALAKRISHNAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. RS 127/1, situated at Arumparthalapuram, Ozhukarai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 374/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land in RS No. 127/1 Arumparthalapuram Azhukarai.
(Doc. 374/80).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sadakatullah
23, Ponnappa Mudali St.,
Madras-84.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, dated 10th October 1980

Ref. No. 15099.—Whereas, I, Radha Balakrishnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23, Ponnappa Mudali St., situated at Madras-84 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1097/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 23, Ponnappa Mudali St., Madras-84. (Doc. 1097/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) R. Narayana Iyengar
S/o A. Ramaswamy Iyengar
11/86, Vivekananda Road,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. M. Narayanan,
S/o. N. Muthusamy Mudaliar,
V. 3 Housing Unit Gandhipuram,
Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 10683.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 11/86, Vivekananda Road, situated at Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. 805/80) on February 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

House and Ground No. 11/86, Vivekananda Road, Coimbatore.

(Doc. 805/80)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) C. J. Hewlett & Son (India) (P) Ltd.,
108, Nyniappa Naicken St. Madras-3.
(Transferor)

(2) Dadha Estates (P) Ltd.,
108, Nyniappa Naicken St., Madras3.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 15101.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 93, Llyods Road, Royapettah situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1385/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 93, Lloyds' Road, Royapettah Madras.
(Doc. 1385/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) N. P. Padmanabhan
 N. V. Subramanian,
 N. V. Hariharan,
 N. V. Ramakrishnan
 N. V. Srinivasan,
 N. V. Gopalakrishnan,
 Nuraru Village, Palghat Tk. Kerala.

(Transferors)

(2) Hameedu Gani, A. Amanullah
 A. Faizullah,
 Jawahar St., Vadakarai,
 Tanjore Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 15147.—Whereas, I, Radha Balakrishnan being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 675, Mount Road, situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras North (Doc. 402/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 675, Mount Road, Madras-6.
 (Doc. 402/80).

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range-II
 Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1980
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 10710.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN
being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F. 384/5, Kurichi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at coimbatore (Doc. 1280/80) on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) T. M. Sulaiman, T. M. Abdul Wahab, T. M. Kadersha, T. M. Abdul Rafi, T. M. Shamsudeen, T. M. Sajuddin, 21/9, Md. Gani Rowther St., Coimbatore. (Transferor)
- (2) National Iron Traders 19/100E, Vincent Road, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at SF 384/5, Kurichi.
(Doc. 1280/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600 006.

Date : 23-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 10710.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. SF 384/5 situated at Kurichi (Doc. 1275/80)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Coimbatore on February 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) T. M. Sulaiman, T. M. Abdul Wahab,
T. M. Kadersha, T. M. Abdul Rafi, T. M. Sham-sudeen, T. M. Saifudeen, 21/19, Md. Gani Rowthre
St., Coimbatore.
(Transferor)
- (2) National Iron Traders,
19/100E, Vincent Road, Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at SF 384/5, Kurichi.
(Doc. 1275/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 23-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
28—336GI/80

FORM ITNS

(1) B. Ramadurai
50, Millers Road, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. R. Srinivasan,
A. R. Sampath
A. R. Patani,
9, Veeraswamy Pillai St.,
Madras-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 15159.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 133, Vinaithreertha Mudali St., situated at Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. 207/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 133, Vinaithreertha Mudali St., Madras-7.
(Doc. 207/80)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006**

- (1) B. Palaniswamy,
P. N. Anandan,
P. S. Kumar
P. Shanmugham, Mahadevan,
25/640 & 641, Sukravarpet St., Coimbatore.
(Transferor)
- (2) Seeniammal W/o Gopalakrishna Asari
1/270, Sukravarpet St., Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 10700.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sukravarpet, Coimbatore, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1169/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Sukravarpet St., Coimbatore.
(Doc. 1169/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) B. Palaniswamy Chettiar,
P. N. Anandan, P. S. Kumar,
P. Shanmugham, P. Mahadevan,
25/640 & 641, Sukrawarpet St., Coimbatore.
(Transferors)
- (2) Paripurnam Ammal W/o Gopalakrishna Asari,
31/270, Sukrawarpet St., Coimbatore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 10700.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Sukrawarpet St., situated at Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. 1170/80) on February 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Sukrawarpet St, Coimbatore.
(Doc. 1170/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 23-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) V. K. Izudeen, R. V. Hameed, V. Moidunny,
Rp. by 39, Khana Bagh St.,
Madras-5
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

(2) V. S. Mohiadeen, V. M. S. Mohiadeen,
M. K. Mohammed Hassan, V. M. M. Mohiadeen,
S. E. Mahmood Naina,
V. M. H. Mohiadeen Thamby, V. S. A. K. Kader,
M. S. Mohammed Hassan, S. T. Badulla Shab,
S. H. Rahmathulla, M. K. Mohamed Meera
Ummal, V. M. S. Aiyysha, M. K. Muthu Amina,
Sadukkal St., Kuthuckal St.,
Kayalpattinam
(Transferee)

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 7991.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, Peters Road, Madras-14, situated at Mylapore (Doc. 337/80)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on February 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 20, Peters Road, Madras-14
(Doc. 337/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date : 23-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 10679.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

14, Elementary School I St. situated at Karuvampalayam, Tiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Tiruppur (Doc. 388/80)

on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri R. Thayammal,
W/o. Rangaswamy Chettiar,
14, Elementary School I St.,
Karuvampalayam, Tiruppur

(Transferor)

(2) Valliammal,
S. Venkatachalam,
S. Thangavel
S. Chinnaswamy,
16/22, Gurunatha Gounder St.,
Tiruppur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 14, Elementary School I St., Karuvampalayam, Tiruppur
(Doc. 388/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date :23-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006
 Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 8928.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New Cinema, Muthuraman Chettiar situated at St. Karaikudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 58/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Krishnappa Chettiar
 Sekkappan,
 Swaminathan Chettiar St., Karaikudi (Transferor)
 (2) Veerappa Chettiar,
 Alamelu Achi
 Lakshmanan
 Arunachalam
 Uthaman Chettiar
 Meenakshi Achi
 Lakshmanan
 Arunachalam
 Shanmughanathapuram, Shanmughanathapuram Post
 Devakottai Tk. Ramanathapuram Dt. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land, Building, Machinery at New Cinema Muthuraman Chettiar St., Karaikudi

(Doc. 58/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :23-10-1980
 Seal :

FORM ITNS

Kanan, S/o. Chinna Boyan
216, Gandhipuram, St., No. 7,
Coimbatore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. Palaniswamy,
S/o. Ganapathy Gounder,
Vellanaipatti, Coimbatore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Ref. No. 10726.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/16E1 and 16F2, Site A situated at Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 444/80) on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Land at Site A, Sanganur at TS. No. 11/85/1

(Doc. 444/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date :23-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Kanna Chemical Industries (P) Ltd. Thadagam Road, Souriampalayam, Coimbatore Tk.
(Transferor)
- (2) Murugappa Spinning Mills Dewan Bahadur Road, RS Puram, Coimbatore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS

Madras-600 006, the 23rd October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 10719.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding As. 25,000/- and bearing No.

SF 519, Souriampalayam situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 304/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Land and building at SF 519, Souriampalayam (Doc. 304/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 23-10-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29-336GI/80

FORM ITNS

- (1) Marudakkal W/o Ramaswamy Gounder Merkal Thottam, Linganoor (Near Vadavalli).
(Transferor)
- (2) Sh. G. Sundararajan S/o K. Govindaswamy Naidu 6, Raghupathy Layout, SRP Nagar, Coimbatore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS

Madras-600006, the 23rd October 1980

Ref. No. 10716.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. GS 131 and 132, situated at Sanganoor (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 455/80) on February 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at GS No. 131 and 132, Sanganoor (Doc. 455/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 23-10-80
Seal :

Now therefore in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Mrs. Premila Chalam 56, Kumaraj Avenue, Madras-20.
(Transferor)
- (2) Mrs. Chandra Ramesh Lulla, 53, Chamiers Road, Madras-28.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS

Madras-600006, the 23rd October 1980

Ref. No. 15155.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 53, Chamiers Road, situated at Madras-28
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Madras North (Doc. 520/80) on February 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 53, Chamiers Road, Madras-28.
 (Doc. 520/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-80
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. C. M. Lalit, W/o P. S. A. G. Shah, L. N. Plantations Co. Fathima Manzil Chalakudy Anaimalai Road, Kerala State.

(Transferor)

(2) Shri M. K. Subramanian Sri Krishna Estate 29/176, Main Road, Valparai Pollachi Tk.

(Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS

Madras-600006, the 3rd October 1980

Ref. No. 10668.—Whereas, I,
RADHA BALAKRISHNAN,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that
 the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.F. 9/1A/1A3, Anaimalai situated at Hills Village
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Anaimalai (Doc. 279/80) on February 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of the notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as
 defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
 the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at SF 9/1A/1A3, Anaimalai Hills (Doc. 279/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 23-10-80
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jagdamba Devi wife of Shri Jamuna Prasad, r/a 77/7, Gandhi Gram, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 3603-A/Kanpur/80-81.—Whereas, I,
S. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 1-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bindeshwari Gupta, W/o Sri Ramesh Chandra Gupta, 68/18, Lakman Mehal, Kanpur.
2. Smt. Saidan, Gadaria Mehal, Kanpur.
3. Sri Banwari Lal Pal, S/o Sri Basant Lal Pal, No. 6, Chabili Purwa, Kanpur.
4. Sri Rajiv Tandon, 104-A/356, Ram Bagh, Kanpur.
5. Sri Prabhu Dayal, S/o Sri Babu Kam, 71/180, Sutter Khana, Kanpur.
6. Smt. Chandra Kumari, W/o Changa Ratan, 20, Janghai Purwa, Kanpur.
7. Smt. Nirmal Devi, W/o Sri Rama Kant Tandon, 104-A/357, Ram Bagh, Kanpur.
8. Smt. Krishna Devi, Pal, W/o Sri Ram Narain Pal, 104/58, Calenal Ganj, Kanpur.
9. Smt. Anjali Devi Jaiswal, W/o Sri Ram Shankar Jaiswal, 62/14, Harban Mehal, Kanpur.
10. Smt. Maya Devi Jaiswal D/o Sri Sahabdin Jaiswal, Dharpat Ganj, Distt. Sultanpur.
11. Smt. Prabha Wati, W/o Mangal Prasad Sharma, 55/44, Sita Ram Mehal, Kanpur.
12. Smt. Rajeshwari Gupta, W/o Sri Satya Narain Gupta, 61/44, Sita Ram Michal, Kanpur.
13. Sri Shiv Bahadur Singh S/o Sri Sukh Manden Singh, Jagdamba Service Station, Bypass Road, Lal Bangla, Kanpur.
14. Smt. Ram Wati Gurta W/o Sri Sita Ram Gupta, 68/160, Lakman Mehal, Kanpur.
15. Sri Ram Sethi S/o Sri Ram Nath, 71/9, Sutter Khana, Kanpur.
16. Smt. Rama Devi, W/o Sri Kailash Singh, 62/1, Harbans Mehal, Kanpur.
17. Smt. Kalandi Sharma, W/o Sri Sabhajeet Sharma, 55/60, Kahu Kothi, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette; or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17 Plots bearing No. 50 situated at Gandhi Gram, Distt. Kanpur which was sold for Rs. 2,12,670/-.

S. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Gurappa D. Deshmukh,
21B/1, Budhwar Peth, Solapur.
(Transferor)
- (2) The Ganesh Co-op. Girha Nirman Sanstha Ltd.,
Chairman Shri B. P. Konapure,
198/1, Budhwar Peth, Solapur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th October 1980

Ref. No. CAS/Solapur/May'80/484, 80-81.—Whereas, I, **A. C. CHANDRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.P. No. 2, F.P. No. 2 out of 11B/1, P. No. 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 and 22B/11 out of 5, 6, 7, 8, 9, 10 situated at Budhwar Peth, Solapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Solapur on 21-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing T.P. No. 2, F.P. No. 2 out of 11B/1, P. No. 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 and 22B/11 out of 5, 6, 7, 8, 9 and 10 at Budhwar Peth, Solapur.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 1304, dated 21-5-1980 in the office of the Sub-Registrar, Solapur).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 24-10-1980

Seal :